शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मंत्री के इस्तीफा के साथ मामले की जांच सीबीआई को सौंपे: सीटी रवि @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 01 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-152

भारत सरकार ने विदेशों में रखा सोना वापस लाने की प्रक्रिया तेज की

ब्रिटेन से वापस आया भारत का 100 टन सोना

सोना वापस आने से मिलेगी अर्थव्यवस्था को मजबूती

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। भारत ने ब्रिटेन में बंधक पड़ा सौ टन सोना वापस लिया है। 100 टन सोना वापस देश में आने से देश की अर्थव्यवस्था को बहुत मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन से वापस लिया गया 100 टन सोना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के भंडारण में जमा कराया गया है। भारत सरकार ब्रिटेन में बंधक पड़ा अपना और सोना वापस लाने की तैयारी में है। साल 1991 में देश में विदेशी मुद्रा सकंट के कारण इस सोने को गिरवी रखना पड़ा था। देश का सोना विदेश में गिरवी रखने के लिए तत्कालीन सरकार की बहुत आलोचना हुई थी। भारत का 413 टन सोना विदेशों में जमा था।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक रिजर्व बैंक के पास 822.1 टन सोना है। इसमें सौ टन सोना और शामिल हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने बीते वित्तीय वर्ष में 27.5 टन सोना खरीदा था।

रिजर्व बैंक विदेशों में जमा भारत का सोना धीरे-धीरे वापस लाने की प्रक्रिया में है। ताकि देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। भारत चाहता है कि देश में सोने का भंडार बढ़े और उसके सोने का इस्तेमाल उसी के फायदे के लिए हो। आजादी के बाद से ब्रिटिश सेंट्रल

बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड भारतीय रिजर्व बैंक के भंडारगृह रहे हैं। आजादी से पहले भी अंग्रेज यहीं सोने का स्टॉक करके रखते थे।

भारत में सोना हमेशा एक आर्थिक मसला होने के साथ-साथ भावनात्मक मुद्दा भी रहा है। 1991 में चंद्रशेखर सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए सोना गिरवी रखवाया था। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने 15 साल पहले ही इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) से 200 टन सोना खरीद लिया था। अब ज्यादा स्टॉक होना मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था को दिखाता है। रिजर्व बैंक को सोना भारत वापस लाने के लिए सीमा शुल्क में छूट मिली। लेकिन आयात पर लगने वाले इंटीग्रेटेड जीएसटी में कोई छूट नहीं दी गई, क्योंकि इस टैक्स को राज्यों के साथ शेयर किया जाता है। सोना के लिए एक विशेष विमान ब्रिटेन भेजा गया।

चुनावी जद्दोजहद से दूर नरेंद्र मोदी कन्याकुमारी में

विवेकानंद के बोधि स्थल पर ध्यानस्थ हुए मोदी

हिंद महासागर के संधि स्थल से दे रहे राष्ट्रीय एकता का संदेश

बीते 75 दिनों में 183 चुनावी सभाएं की और 80 इंटरव्यू दिए

कन्याकुमारी, 31 मई (एजेंसियां)। सातवें और आखिरी चरण के मतदान का प्रचार खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान के लिए कन्याकुमारी पहुंच गए। पीएम मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे यानी एक जून की शाम तक ध्यानमग्न रहेंगे। आज उनके ध्यान का दूसरा दिन था। पीएम मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में ध्यानस्थ दिखे। मोदी स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के सामने बैठकर ध्यान कर रहे हैं। उनके हाथों

में माला है।

इस ध्यान मंडपम वही स्थल है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध्यान किया था। यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था। भारत दर्शन के दौरान विवेकानंद ने आम लोगों की तकलीफ, दर्द, गरीबी, आत्म सम्मान और शिक्षा की कमी को नजदीक से जाना था। समुद्र तट से करीब 500 मीटर दूर स्थित चट्टान पर विवेकानंद 24 दिसंबर 1892 को तैर कर पहुंचे थे।

25 से 27 दिसंबर तक उन्होंने इसी चट्टान पर ध्यान किया था। यह वही जगह है, जहां उन्हें भारत माता के दर्शन हुए थे। इसी स्थान पर उन्होंने अपना बाकी जीवन लोगों को समर्पित करने का संकल्प लिया था। विवेकानंद शिला पर विवेकानंद स्मारक बनाने के लिए भी लंबा संघर्ष चला। इसमें एकनाथ रानाडे ने बड़ी भूमिका निभाई थी। ▶9पर

कांग्रेस ने तय भी कर दिया अपना प्रधानमंत्री

पीएम के लिए राहुल गांधी पार्टी की पसंद: खड़गे

- **विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता**
- **एग्जिट-पोल की बहसों में हिस्सा नहीं लेगी कांग्रेस पार्टी**

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने एक जून को होने वाली विपक्षी गठबंधन की बैठक के पहले ही कह दिया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने को लेकर यह बात कही। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस आम चुनाव में विपक्षी गठबंधन अगर भारतीय जनता पार्टी को हरा देता है तो देश के अगले प्रधानमंत्री राहुल गांधी बनेंगे।

खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव से पहले दो भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया था। साथ ही चुनाव के दौरान बड़े स्तन पर प्रचार किया था। उन्होंने अक्सर अपने सहयोगियों के साथ मंच साझा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे हमले किए। ऐसे में वो शीर्ष पद के लिए लोकप्रिय विकल्प हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी पसंदीदा व्यक्ति हैं, वह युवाओं तथा पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले ही महीने खड़गे ने

कहा था कि विपक्षी गठबंधन एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, लिहाजा जीतने के बाद गठबंधन संयुक्त रूप से निर्णय लेगा कि प्रधानमंत्री कौन होगा। पिछले साल नवंबर में भी खड़गे ने कहा था कि वे प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार का नाम नहीं बताना चाहेंगे क्योंकि इससे विपक्षी गठबंधन की एकता टूट सकती है। खड़गे ने कहा था, पहले हमारी प्राथमिकता है कि एकजुट होकर चुनाव लड़ा जाए। लेकिन मतदान के आखिरी चरण के पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहले का अपना सारा बयान भूल गए और फौरन प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की दावेदारी घोषित कर दी।

विपक्षी गठबंधन की एक जून को होने वाली बैठक में ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी की तरफ से सफाई पेश करते हुए ▶9पर

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की रिपोर्ट

क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए सजग हुआ भारत

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। भारत क्षेत्रीय रक्षा कूटनीति, सहभागिता और मुद्दा आधारित भागीदारी पर पूरा ध्यान दे रहा है। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत की बढ़ती रक्षा भूमिका और भागीदारी का भारत-चीन संबंधों पर भी असर दिखेगा। आईआईएसएस रिपोर्ट सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला वार्ता की शुरुआत में जारी हुई है। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक सुरक्षा वार्ता है।

शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि अगर भारत-चीन संबंध और बिगड़ते हैं तो यह क्षेत्र दो शक्तियों के बीच बंट सकता है। इससे रक्षा संबंध और बिगड़ सकते हैं। एशिया-प्रशांत

- **सुरक्षा साझेदारी और युद्धाभ्यास बढ़ा रहा चीन का तनाव**

क्षेत्रीय सुरक्षा आकलन (एपीआरएसए) की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पसंदीदा सुरक्षा भागीदारी के कारण क्षेत्रीय मनमुटाव बढ़ सकता है। पसंदीदा सुरक्षा द्विपक्षीय रिश्ते विशिष्ट लाभों के साथ-साथ जोखिम और चुनौतियां भी लेकर आती है। आईआईएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत इन सब के बावजूद एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना पसंद करेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत क्षेत्रीय भागीदारों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास को न केवल सुधार के रूप में देखता है बल्कि नई दिल्ली के साथ उनके सहजता स्तर को भी बढ़ाता है। भारत सैन्य संयुक्त अभ्यास को बढ़ा रहा है, जिसमें वायुसेना, थलसेना और नौसेना अभ्यास तीनों अभ्यास शामिल है। भारतीय नौसेना के बंदरगाहों पर भी सैन्य अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। भारतीय सेना एशिया-प्रशांत सेनाओं के साथ त्रिपक्षीय, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों में तेजी से भाग ले रही है।

भारतीय सेना ने 2023 में कुल 75 संयुक्त सैन्य अभ्यास किए हैं। जिसमें 55 द्विपक्षीय, 16 बहुपक्षीय अभ्यास शामिल है। साल-दर-साल भारतीय सेना ने सैन्य अभ्यासों को बढ़ाया है। 2022 में 45 अभ्यास, 2021 में 39, 2019 में 29 और 2018 में 40 सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया था। भारत अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति को बढ़ाना चाहता है। इसका लक्ष्य भागीदार देशों की संख्या को बढ़ाना है। संयुक्त अभ्यास में भारतीय नौसेना ▶9पर

दिल्ली-हरियाणा में पानी की जंग, मामला सुप्रीम कोर्ट गया

जेल जाने के पहले अरविंद केजरीवाल ने फैलाया रायता

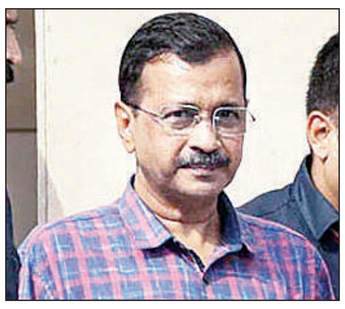

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। जेल जाने के पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रायता फैलाना शुरू कर दिया है। दिल्ली और हरियाणा के बीच जल-युद्ध शुरू करा दिया गया है। दिल्ली सरकार इस छद्म-युद्ध को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। यह सारा उपक्रम केवल इसलिए किया जा रहा है कि किसी तरह केजरीवाल को जेल जाने से छूट मिल सके।

अरविंद केजरीवाल का फिलहाल खास मुहरा बनी दिल्ली की जल मंत्री आतिशी मारलेना ने गुरुवार को आरोप लगाया कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी की कटौती कर रही है। हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दाखिल की है। याचिका में हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त पानी की मांग की है। आतिशी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़े जाने के कारण दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है।

उधर, दिल्ली पंचायत संघ ने भी आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार से ग्रामीण इलाकों में नल से जल की सुविधा देने की मांग की है। पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि 2013 से आम सरकार ग्रामीणों को नल से जल देने का आश्वासन दे रही है, लेकिन अभी तक न तो पानी मिला और न ही पानी माफिया पर अंकुश लगा। ग्रामीणों व किसानों की मांगों को नजरअंदाज करना व दोयम दर्जे ▶9पर

केजरीवाल का झूठ उजागर तिहाड़ ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले के मामले में जब अरविंद केजरीवाल जेल में थे, तब आम आदमी पार्टी बड़ा हो हल्ला कर रही थी। लेकिन, अब तिहाड़ जेल प्रशासन ने

अरविंद केजरीवाल की वजन रिपोर्ट जारी कर दिया है। इससे आम आदमी पार्टी के सारे हथकंडे धराशाई हो गए हैं।

1 अप्रैल से 9 मई तक की केजरीवाल की हेल्थ रिपोर्ट में तिहाड़ जेल ने खुलासा किया है कि 1 अप्रैल को जब केजरीवाल का वजन मापा ▶9पर

2 जून को सरेंडर करेंगे, पर जेल से ही सरकार चलाएंगे

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 2 जून को तिहाड़ जेल में सरेंडर करेंगे। लेकिन जेल से ही सरकार का काम करते रहेंगे। केजरीवाल अपनी आदतों से बाज भी नहीं आ रहे। उन्होंने कहा कि जेल में उन्हें इन्सुलिन नहीं दी गई थी। जिससे किडनी और लिवर में असर हुआ है। जेल में 50 दिन के अंदर उनका वजन घटा है। ▶9पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,885.60
-617.30 -0.83% ↓
एनएसई :22,488.65
-216.05 (-0.95%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,770/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 95,783/- (प्रति किलोग्राम)

मदरसों का सर्वेक्षण करने वाली टीमों पर कराए जा रहे हमले

आतंक और यौन शोषण का अड्डा बन चुके देश के मदरसे

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। पूरे देश में चुनावी माहौल है। लोग लोकतंत्र का पर्व मना रहे हैं, लेकिन जेहादी तत्व अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर गुजरात तक इनकी हरकतें जारी हैं। कहीं देशी बम बनाए जा रहे हैं, तो कहीं सरकारी कर्मचारियों पर हमले हो रहे हैं, कहीं आतंकवादी घटना को अंजाम देने की तैयारी चल रही है। हालांकि पुलिस इन घटनाओं के आरोपियों के साथ सख्ती भी कर रही है। इसीलिए 20 मई को अमदाबाद हवाई अड्डे से चार आतंकवादी पकड़े गए।

गत दिनों बिहार के छपरा में एक मदरसे में हुए बम विस्फोट ने एक नई बहस को जन्म दे मोतीराजपुर गांव में स्थित एक अवैध मदरसे में बम विस्फोट हुआ। इस घटना को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने गंभीरता से लिया है। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कथित मदरसे का दौरा किया और प्रशासन को उचित जांच के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मोतीराजपुर गांव में अवैध ढंग से चल रहे मदरसा दारुल उलूम बरकतिया रिजविया गुलशन-ए-बगदाद में बम बनाते समय धमाका हुआ, जिसमें मुजफ्फरपुर से वहां लाकर रखे गए एक बच्चे को गंभीर चोटें आई हैं।

उसका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बम बना

बिहार के मदरसे सबसे अधिक दूषित और गंदी हरकतों वाले

सिखा रहे (तथ्य पुलिस जांच के अधीन) मौलाना इमामुद्दीन की मौत हो गई। मदरसे में 15 बच्चे थे, बाकी 14 बच्चे गायब कर दिए गए हैं। अधिकतर बच्चे कटिहार के रहने वाले थे। उन्होंने यह भी बताया कि वहां दो मदरसे का संचालक भी फरार है। इस घटना के बाद मदरसे के आसपास के लोग ही बहुत कुछ कह रहे हैं। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसमें एक महिला यह कहती दिख रही है लड़कियां लाई जाती थीं।

बिहार के ऐसे मदरसों और मस्जिदों में बम विस्फोट और यौन शोषण की घटनाएं आम हैं। 8 जून 2021 को बांका की एक मस्जिद परिसर में स्थित मदरसे में बम विस्फोट हुआ था। इसमें एक मौलवी मारा गया था और चार लोग घायल हो गए थे। 21 जून, 2021 को सीवान के जुकड़न गांव में मस्जिद के पीछे बम फटा था। इसमें पिता-पुत्र घायल हुए थे। इसके बाद अक्टूबर 2023 में सहरसा सदर थाना क्षेत्र की एक मस्जिद में महापाप हुआ।

मस्जिद में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की को मौलाना ने अपनी हवस का शिकार बनाया। पीड़िता की मां दिल्ली में मजदूरी लिए इस बच्ची को नानी के यहां रखा था। पीड़िता गांव की ही मस्जिद में पढ़ाई करने जाती थी। इसी बीच मस्जिद के मौलाना ने उसे अपने झांसे में लेकर शारीरिक संबंध बनाए। यह सिलसिला तीन महीने तक चलता रहा। इसी बीच एक दिन लड़की की तबीयत बिगड़ गई और परिजन इलाज के लिए उसे डॉक्टर के पास ले गए। वहां पता चला कि लड़की गर्भवती है और बच्चा पेट में ही मर चुका है। मुश्किल से लड़की की जान बच पाई।

देश के मदरसों में पढ़ाई का माहौल ठीक नहीं है। इसे देखते हुए कुछ समय पहले एनसीपीसी-ीआर ने देश के सभी राज्यों को पत्र लिखकर ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 23^0

कर्मों को भोगे बिना जीव को संसार से मुक्ति नहीं : डॉ. दर्शन प्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्व-ावधान में आयोजित धर्म सभा में शुक्रवार प्रातः प्रवचन में साध्वी डॉ. दर्शन प्रभा जी ने हनुमंत नगर जैन स्थानक में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति को संसार में प्रत्येक कार्य प्रवृति में सावधानी बरतनी चाहिए। जिससे वह अपने जीवन में अनावश्यक पाप कर्म के बंधन से बचा रह सकता है। प्रभु महावीर ने जीव को यतना में धर्म बतलाया है। खाने, पीने में, बोलने में, रहन सहन में सभी कार्य में अत्यंत सावधानी, विवेक, यतना रखनी चाहिए। इंसान का संसार में जितना पाप कार्य में रस होगा उतना उसके कर्मों का बंध होगा। पुण्य को बेचके पाप को खरीदना यह है संसार।

किये हुए कर्मो को भोगे बिना जीव को संसार से मुक्ति नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि संस्कार किसी मॉल में नहीं मिलते है। संस्कार तो पूज्य चारित्र आत्माओं के सेवा सानिध्य में धर्म के माहौल से मिलते हैं। साध्वी ने आगम के कथानक के माध्यम से पुण्य, सेवा, दान परोपकार की महत्ता समझायी।

पूर्व में साध्वी डॉ समृद्धि श्रीजी ने व्यक्ति को अपने जीवन में सकारात्मक सोच रखने की प्रेरणा दी। हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। हनुमंत नगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया। महासती मंडल का शनिवार का प्रवचन भी नियमित रूप से प्रातः 9.15 से 10.15 बजे तक रहेगा।

कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा कैंसर जागरूकता अभियान के अंतर्गत फ्री कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर एटीडीसी श्रीरामपुरम में किया गया। कैंप की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। उसके पश्चात अध्यक्ष उषा चौधरी ने बताया कि कैंसर बहुत ही जटिल बीमारी है और ऐसे टेस्ट के द्वारा हम इस बीमारी की जड़ तक पहुंच सकते हैं। साथ ही उसे ठीक कर सकते हैं। इस कैंप में ट्यूमर मार्कर लाइक सीए 125, कंपलीट ब्लड काउंट, रैंडम ब्लड शुगर समेत अन्य परीक्षण किए गए। अन्य समाज के लोगों ने भी इस कैंप में भाग लिया और इस कैंप की सराहना की। कैंप में उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी, मंत्री लता नवलखा, संगठन मंत्री रंजीता बोथरा, प्रचार प्रसार मंत्री सपना गन्ना सहित कार्यकारिणी एवं सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। करीब 35 महिलाओं ने अपनी टेस्टिंग करवाई। संयोजिका चंदा मेहता ने आभार प्रकट किया।

श्री सुसवाणी माता महिला मंडल की मासिक सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर के सिंडिकेट बैंक कॉलोनी स्थित मीना दिलीप कुमार दुग्गड परिवार के निवास स्थान पर श्री सुसवाणी माता महिला मंडल की मासिक सभा सह माताजी की चौकी का आयोजन सदस्यों के पारंपरिक वेशभूषा, अंताक्षरी सहित अनेक कार्यक्रम के साथ बडे ही हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

भक्ति में मधु सुराना ने सरोजा सुराना के साथ मिलकर अनेक लोकप्रिय भक्ति गीतों की गंगा बहाकर उपस्थित सदस्यों को झुमाया। सदस्यों के परिचय एवं स्वागत से संस्थापिका अध्यक्ष संगीता विजय कुमार सुराना ने मंडल के आगामी कार्य योजना को विस्तार से बताया। संरक्षिका दुर्गा देवराज सुराना ने मंडल विस्तार की सलाह एवं कार्य योजना में समाज सेवा के विषय पर प्रकाश डाला। सचिव हेमलता सुराना ने कार्यक्रम के सफलता-पूर्वक संपन्न होने पर संतोष व्यक्त करते धन्यवाद प्रेषित किया। इस मौके पर आशा सुराना, पुष्पा सुराना, रश्मी सुराना, शुशीला दुग्गड, गुणवंती सुराना, इन्द्रा सुराना एवं मीना दुग्गड उपस्थित रहे।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की सदस्यों ने अयोध्या समेत अन्य तीर्थस्थलों का किया भ्रमण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सारे तीर्थों का मस्तक अयोध्या, उत्तर प्रदेश स्थल की स्थापत्य भव्यता प्राचीन भारत की कुशल शिल्प कौशल का प्रमाण है। मंदिर की जटिल नकाशी और राजसी संरचनाएं विभिन्न स्थापत्य, राम मंदिर के इतिहास के अलावा, जैन इतिहास, भगवान ऋषभदेव से जुड़ी कुछ अन्य दिलचस्प बातें पीठाधीश श्रीमहंत जनमेजय शरण जी ने जीतो महिला विंग को आशीर्वाद देते हुए कही। जीतो संस्था की ओर से उनका सम्मान किया गया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने संभागी सभी यात्रियों का परिचय एवं धन्यवाद दिया। अयोध्या शहर जो रंग-बिरंगे फूलों से सजा हुआ, जन्म से लेकर अब तक की क्रिया-कलापों की चित्रकारी मन को मोह रही, लाउडस्पीकरों पर 'राम धुन' बज रही और भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान से सजे हुए हर प्रांगण-गली-रोड से गुजरते हुए जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ का काफिला अयोध्या प्रभु राम की भूमि पहुँचा। जहां अयोध्या कलेक्टर, बजरंग दल

अध्यक्ष सुनील, हल्दीराम यूपी के सीईओ प्रशांत वर्मा के साथ सभी ने एक साथ रामलला के दर्शन किए। मुख्य गर्भगृह में पांच साल के लड़के के रूप में भगवान राम की मूर्ति के दर्शन करते हुए सभी यात्री भाव विभोर हो गए। मंदिर परिसर में काले पत्थर से बनी 51 इंच की मूर्ति, जिसमें भगवान राम को खड़ी मुद्रा एक बालक सी मन मोहक मुस्कान से सभी को मंत्र मुग्ध कर रही थी। वहां से सभी सरयू नदी के दाहिने तट पर ऊंचे टीले पर स्थित हनुमानगढ़ी के दर्शन किए और महंत से आशीर्वाद लिया। प्रयागराज में सभी ने त्रिवेणी संगम का स्पर्श किया। काशी विश्वनाथ में रुद्राभिषेक किया। ज्ञांतव्य है कि जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा नेटवर्किंग हेतु चार दिवसीय यात्रा एम्बार्क ऑन ए स्पिरिचुअल जर्नी-वाराणसी-प्रयागराज, अयोध्या-लखनऊ की ओर यात्रा का आयोजन अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में किया गया। बिन्दु रायसोनी ने कहा कि बनारस, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ के अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव को साथ लिए कई पौराणिक कथाओं से सभी ने शांति प्राप्त की। प्राचीन अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिकता को जान सभी आध्यात्मिक आभा में डूबे। सरयू नदी के किनारे पवित्र मंदिर और शांत घाट का सभी ने आनंद लिया। बनारस की हैंडलूम फैक्ट्री का दौरा किया। प्रसिद्ध बुनाई में बनारसी हथकरघा की कलात्मकता को देखा। हस्तनिर्मित वस्त्रों की खरीदारी की और पारंपरिक कारखाने में शिल्प कौशल कुशल कारीगरों की हौंसलाफजाई की। जीतो चैप्टर चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया, महिला विंग महामंत्री सुमन वेदमुथा ने शुभकामनाएँ संप्रेषित की। इस दौरान राजगोपाल महाविद्यालय प्रांगण में श्री राम रसोई फाउंडेशन द्वारा विशाल भंडारे का उद्घाटन किया गया। रत्नीबाई मेहता परिवार की ओर से भंडारे में आर्थिक सहयोग दिया गया। इस यात्रा में कई यादगार पल सभी ने जिये। महिला विंग बेंगलूरु साउथ अध्यक्ष सुनीता गांधी, बेंगलूरु नॉर्थ मेंटर सरिता खिंवेसरा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, रत्नीबाई मेहता, शांता बाई देसरला ने सहयोग दिया। संयोजिका सुमन सिंघवी, सह-संयोजिका सरिता बोरन्दिया के निर्देशन में नीता गादिया, मनीषा डोशी, अनीता गांधी, संगीता मुथा, वर्षा सोनी, नीतू टेबा, सरिता हीरावत, राधा बोहरा ने कार्यभार संभाला।

विद्यालय के छात्र व शिक्षकों ने निकाली रैली

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बनूर कस्बा के पास स्थित तुम्बाला ग्राम राजकीय विद्यालय के शिक्षकों व छात्रों ने एक रैली निकाल कर स्कूल से वंचित बच्चों को शैक्षणिक सत्र के शुरुआत में स्कूल में प्रवेश दिल-वाने हेतु जागरुक किया। स्कूल पहुंचे छात्रों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। पार्यावरण जागृति वैदिके के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह कालप्पा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विद्यार्थियों को उनके घरों से ऑटो रिक्शा में बैठाकर स्कूल पहुंचाया गया। गुलाब का फूल देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए समाजसेवी महेंद्र सिंह कालप्पा ने अपने छात्रकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि माता- पिता बड़ी मेहनत कर पैसा कमाते है। अपने बच्चों को शिक्षार्जन हेतु विद्यालय भेजते है। छात्रों को अपने माता-पिता की कठिनाइयों को समझना चाहिए।

आज के दौर में राजकीय विद्यालयों में सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं और गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। अभिभावकों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराना चाहिए। इस अवसर पर छात्रों को पाठ्य सामग्री निःशुल्क वितरित की गई। प्रधानाध्यपक रायप्पा ने सभी छात्रों को स्कूल गणवेश वितरित किए। इस मौके पर एसडीएमसी अध्यक्ष नंदीश, गोपाल, रमेश, इंद्रम्मा, राजेश्वरी, सौम्या पूर्व सरपंच सिद्धाराजू, तुम्बाला ग्राम पंचायत सचिव प्रदीप कुमार, सीआरपी श्रीधर, शिक्षिका निर्मला, आयुष, फिरदोस, नेत्रावती, नागरत्न, ममता, शशिधर, पुष्पलता, रेनूकाम्बा, पूर्व छात्र रमेश, सतीश अभिलाष व अन्य उपस्थित रहे।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने किया सिंघी व भंसाली को सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स हुब्बल्ली द्वारा महावीर लिंब के संस्थापक अध्यक्ष व् चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अतिरिक्त कार्यदर्शी महेंद्र सिंघी को रामचंद्रपुरा मठ के श्री राघवेश्वर भारती महास्वामी ने शंकर पंचमी उत्सव के अवसर पर श्री रामचन्द्रपुरा मठ, सिद्दपुर तालुक के बाँकुली ग्राम में दिनेश शहरा फाउंडेशन, मुंबई ने उनके सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए गोपाल पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में 300 से अधिक शिविरों के माध्यम से 50

हजार से अधिक विकलांग लोगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाए और उनके चेहरे पर मुस्कान लायी और उन्हें नैतिक शक्ति प्रदान कर उनको स्वावलम्बी बनाया। साथ ही अनेक दुर्घटनाओं में अपने पैर खोने वाली गायों के लिए भी कृत्रिम पैर लगाए गए। इन्ही सेव-ाओं की वजह से सिंघी को गोपाल गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया।

चैम्बर और कॉमर्स के पदाधिकारियों ने कहा सिंघी को यह पुरस्कार उनके समाज सेवा कार्यों के लिये दिया गया। साथ ही आने वाले दिनों में भी सेवा कार्यो के लिए उन्हें सम्मान मिलता रहे यह कामना की। चैम्बर ऑफ कॉमर्स के गवर्निंग बॉडी के सदस्य पारसमल भंसाली को तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर उनका भी सम्मान किया गया।

भंसाली अनेक संघ संस्थाओं से जुड़कर कई सामाजिक गतिविधियों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है।

इस अवसर पर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एस.पी. समशिमठ, उपाध्यक्ष संदीप बिदासरिया, मानद सचिव रवींद्र एस. बलिगेरे, प्रबंधन समिति के सदस्य वीरन्ना कल्लूरा, एम. सोमन गौड़ा, शशिधर शेट्टर सहित निदेशक मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के विधायक ने की राज्यपाल से भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु प्रवास पर आये मध्यप्रदेश के उज्जैन उत्तर से विधायक अनिल जैन एवं शाजा-पुर विधायक अरुण भीमावत सहित प्रवासी राजस्थानियों ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल से नियमित विहार करने वाले जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर रूपेश मेहता, जसवंत गन्ना, अनिल कुमार गन्ना, सुरेश कोठारी, धर्मीचंद बमबकी, कुशल मेहता, रितेश पामेचा, सुनिल लोढा, सुरेश चावत, नवरत्न गांधी, विरल पितलिया, पर्वत सिंह राजपुरोहित, मदनलाल प्रजापति आदि उपस्थित थे।

दिव्य गीता सत्संग का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुष्पांजलि व अग्रवाल समाज के तत्वावधान में सर्व राजस्थानी के सहयोग से गुरुवार को बड़ा घंटाघर के सामने टाउन हॉल के सभागार में दिव्य गीता सत्संग प्रवचन का आयोजन महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के सानिध्य में किया गया। दीप प्रज्वलन से धर्मसभा का शुभारंभ हुआ। स्वामी ज्ञाननंद व चिंतामणि मातृपूरी आश्रम के माँ अमृता चैतन्यमयी देवी व गौमधुसूदन का समाज की ओर से बहुमान किया गया। स्वामी ने गीता का महत्व बताया कि श्रीमद्भागवत गीता में जीवन का हर पहलू और हर अवस्था का पूरा सार छिपा है। इन वचनों में जीवन के

हर अनुभव के बारे में विस्तार से बताया है। व्यक्ति के जन्म लेने से लेकर मृत्यु तक और उसके बाद के चक्र गीता में वर्णित है। गीता के पांच वचन आपके जीवन के हर मोड़ पर काम आएंगे। गीता में वासना, गुस्सा और लालच यह तीनों चीजे नरक की ओर ले जाने वाली बताया है। अगर आपको सुखी रहना है तो आपको इन चीजों से दूर रहना चाहिए। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मित्तल, पुष्पांजलि व अग्रवाल समाज, मैसूरु के अध्यक्ष श्रीकृष्ण मित्तल, पुष्पांजलि के सचिव हरी सिंह लाम्बा, सुनील मोदी, धनराज अग्रवाल, जीतो मैसूरु चैप्टर के मुख्य सचिव गौतम सालेचा, पर्यावरण जागृति वैदिके बनूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, घाँची समाज के अध्यक्ष देवाराम घाँची, गणेश राम देव-ासी सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

प्रज्वल रेवन्ना की वापसी से सेक्स वीडियो मामले की जांच में मदद मिलेगी: परमेश्वर

एसआईटी ने उन्हें एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि सेक्स वीडियो मामले में मुख्य आरोपी जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना की भारत वापसी से जांच में मदद मिलेगी। उन्होंने पीड़ितों से पुलिस और एसआईटी के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आने का आग्रह किया और उन्हें सरकारी सुरक्षा का वादा किया। बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार तड़के प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भगोड़े हासन सांसद चुनाव हार जाते तो उनका राजनयिक पासपोर्ट जब्त कर लिया जाता, जिससे उन्हें देश लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता। उन्होंने कहा यह देखना बाकी है कि अगले कुछ दिनों में घटनाक्रम क्या होता है। परमेश्वर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना के भारत आने से एसआईटी को अपनी जांच में मदद मिलेगी। प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी के म्यूनिख से सुबह 12:45 बजे से 1 बजे के बीच बेंगलूरु पहुंचे और एसआईटी ने उन्हें एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। परमेश्वर ने कहा, कानून अपना काम करेगा। मैंने एसआईटी अधिकारियों से प्रज्वल के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं की है क्योंकि मैं गुरुवार को शिवमोग्गा में आदिवासी निगम के एक कर्मचारी के परिवार से मिलने गया था जिसने आत्महत्या कर ली थी और मैं बेंगलूरु देर से पहुंचा। मैं अधिकारियों से इस मामले पर चर्चा करूंगा। अभी तक, मुझे केवल इतना पता है कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एसआईटी आगे की कार्यवाही करेगी जैसे कि उसे मेडिकल टेस्ट के लिए ले जाना और जज के सामने पेश करना। उसके बाद उससे पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहली बार पूर्व मंत्री और जेडी(एस) के वरिष्ठ नेता एसआर महेश का नाम पीड़िता के अपहरण मामले में सामने आया है। उन्होंने कहा, मुझे एसआईटी से इस बारे में जानकारी लेनी होगी। प्रज्वल के खिलाफ हेल्पलाइन और नई शिकायतों के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मांगी है। एसआईटी कुछ मुद्दों पर गोपनीयता बनाए रखेगी। मैं इस मामले को ज्यादा नहीं देखूंगा। हासन के सांसद द्वारा जांच में सहयोग किए जाने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा स्वाभाविक रूप से उन्हें सहयोग करना होगा और मेरा मानना है कि उन्होंने सहयोग किया है। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया, जो सुचारू रूप से चलीं। कथित तौर पर वीडियो बनाए जाने वाले मूल मोबाइल के गायब होने के बारे में उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और अगर एसआईटी ऐसा कहती है, तो इस पर विश्वास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर आरोपी राज्य या देश के अंदर रहता तो हम अपनी टीम भेजकर उसे सुरक्षित कर सकते थे। चूंकि वह विदेशी स्थान पर था, इसलिए अलग-अलग प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ा। देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संधियाँ हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। इसीलिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करके लुकआउट और ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किए गए।

कांग्रेस सरकार सत्ता की भूख और भ्रष्टाचार में लिप्त: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने शुक्रवार को कहा कि वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ के गबन घोटाले में संबंधित मंत्री की गिरफ्तारी होनी चाहिए। साथ ही मुख्यमंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने गुरुवार को बेंगलूरु में सीबीआई कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने इसी के अनुरूप सीबीआई जांच की भी मांग की। उन्होंने शिकायत की कि वाल्मिकी विकास निगम के गबन घोटाले के लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने फर्जी खाता खोलने और बिना कार्ययोजना के पैसे ट्रांसफर करने के लिए उनकी आलोचना की। कांग्रेस सरकार पूरी तरह से निष्क्रिय है। वाल्मिकी निगम का यह दुर्व्यवहार अनुसूचित जाति के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पैसा किसके खाते में गया? वे लोग कौन हैं? उन्होंने कहा कि नागेंद्र ने सीधे तौर पर पैसे लूटे हैं। दर्ज एफआईआर में मंत्री पर आरोप नहीं लगाया गया। अधिकारी के खिलाफ कोई मामला नहीं। सिर्फ बैंक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह विभाग क्या है? ये कैसी कॉमेडी है? उन्होंने शिकायत की कि यह पाखंड से भरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक साल से सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी अपनी सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और राज्य में पैसा लूट रही है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि सरकार ने राजकोष की रक्षा करने के बजाय सीधे राजकोष पर हाथ डाला। कांग्रेस सरकार सत्ता की भूख और भ्रष्टाचार में लिप्त है और उन्हें हर दिन खुले में घसीट रही है। वाल्मिकी विकास निगम के अधीक्षक ने आत्महत्या कर ली है और पैसे गबन घोटाले का आरोप मंत्रियों और आला अधिकारियों पर लगाया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि डेथ नोट में तो यह लिखा था, लेकिन एफआईआर में सिर्फ यूनियन बैंक का ही जिक्र था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक बुरी सरकार है, न केवल बुरी सरकार है बल्कि भ्रष्ट सरकार भी है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा सचिव तमेश गौड़ा, बेंगलूरु केंद्रीय प्रवक्ता बीवी गणेश मौजूद थे।

2 जून से राज्य में बड़े पैमाने पर मानसूनी बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्तमान रेखा 2 जून को राज्य में आने की उम्मीद है और पूरे राज्य में व्यापक वर्षा की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग ने पुष्टि की है कि मानसून गुरुवार को केरल में प्रवेश कर चुका है। केरल में तो दो दिन पहले ही मानसून की एंट्री हो गई है। साथ ही उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी मॉनसून की शुरुआत हो गई है।

ऐसे में अगले दो दिनों में मानसून प्रदेश में प्रवेश कर जाएगा। राज्य के तटीय, पर्वतीय और दक्षिणी भीतरी इलाकों में बारिश का एक और दौर शुरू होगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून कमजोर होने के कारण भारी बारिश की संभावना कम है। दक्षिण कर्नाटक में शनिवार से बारिश बढ़ेगी। रविवार से जैसे ही मॉनसून शुरू होगा, बारिश उत्तरी कर्नाटक में भी फैल जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक शाम और रात में बिजली, गरज और तेज हवाओं के साथ पूरे राज्य में व्यापक बारिश होने की संभावना है। मई के महीने में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जिससे पूर्वी मानसून के दौरान मार्च और अप्रैल में हुई बारिश की कमी पूरी हो गई। चूँकि मॉनसून शुरू हो चुका है, इसलिए एक सप्ताह तक राज्य में बारिश का एक और दौर व्यापक रहेगा। उसके बाद ब्रेक लग जायेगा। इस बार मानसून की बारिश सामान्य से अधिक होने का अनुमान है और अच्छी बारिश की उम्मीद है। ऐसे में किसान राज्य में मानसून सीजन की बुआई के लिए जमीन जोतने में व्यस्त हैं।

मंत्री के इस्तीफा के साथ मामले की जांच सीबीआई को सौंपे: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम के वित्तीय हेराफेरी घोटाले को सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए और मंत्री नागेंद्र का इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर 10 करोड़ से अधिक का घोटाला हो तो सीबीआई स्वेच्छा से जांच कर सकती है। यह 10 लाख रुपये का घोटाला नहीं है, बल्कि 187 करोड़ रुपये का घोटाला है। शुरुआती जानकारी है कि पैसा दूसरे राज्यों और कंपनियों के खातों में ट्रांसफर किया गया है। इस पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि इसे जांच के लिए सीबीआई को देना उचित है। आशंका है कि सरकार सबूत मिटाने की कोशिश कर रही है। यदि आपको अभी भी मंत्री का इस्तीफा नहीं मिला है, तो यह देखते हुए कि डेथ नोट में मंत्री के मौखिक निर्देश के बावजूद आपको इस्तीफा नहीं मिला है, हमारे पास संदेह करने का एक कारण है कि इसके पीछे बहुत बड़े लोग हो सकते हैं। यूनियन बैंक के अधिकारी पहले ही जांच के लिए सीबीआई को पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कहा, हम यह भी मांग करते हैं कि पूरा मामला जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाए। मुख्यमंत्री को मंत्री नागेंद्र से तत्काल इस्तीफा लेनी चाहिए। इससे पहले सीटी रवि ने कहा कि वाल्मिकी विकास निगम के अधीक्षक चंद्रशेखर ने डेथ नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। इस मामले को 4 दिन हो गए हैं। हालाँकि, एफआईआर में मंत्री का नाम नहीं है। मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में भ्रष्टाचार की धाराएं शामिल नहीं की गई हैं। हालांकि एससी और एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सरकार सही कारण जानने के बजाय इस पर पर्दा डालने की कोशिश कर कर रही है। उस डेथ नोट में मंत्री के मौखिक निर्देश के बाद ट्रांसफर की बात लिखी गई है और क्या सबूत चाहिए? क्या बड़ों की शक्ति के बिना इतना बड़ा कांड हो सकता है? एमडी पद्मनाभ, अकाउंटेंट परशुराम, बैंक अधिकारी स्मिता के भी नाम बताएं हैं। इसके साथ ही एन नागराज के नाम का भी जिक्र है, तो एन नागराज कौन हैं? एन नागराज और मंत्री के बीच क्या रिश्ता है? एन नागराज और मुख्यमंत्री के बीच क्या संबंध है? एन नागराज और उपमुख्यमंत्री के बीच क्या संबंध है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक सिंडिकेट के रूप में घोटाला है।

रेवन्ना की जमानत रद्द करने की मांग वाली एसआईटी द्वारा दायर याचिका की सुनवाई स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च न्यायालय की एकल सदस्यीय पीठ ने मैसूरु जिले के केआर नगर की महिला के अपहरण मामले में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की जमानत रद्द करने की मांग वाली एसआईटी द्वारा दायर याचिका की सुनवाई स्थगित कर दी है। एसआईटी समर्थक सरकारी अभियोजक रवि वर्मा कुमार ने अदालत के समक्ष दलील दी कि रेवन्ना को जमानत देना सही कदम नहीं है।

उनकी जमानत रद्द की जानी चाहिए। अदालत ने माना कि धारा 364ए की प्रयोज्यता के लिए कोई आवश्यक तत्व नहीं थे। लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि यह धारा लागू है। दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने एचडी रेवन्ना को नोटिस जारी किया और सुनवाई अगले हफ्ते के लिए टाल दी।

लक्ष्मण ने शिक्षकों से कांग्रेस के लिए समर्थन मांगा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार और केपीसीसी प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने शुक्रवार को शिक्षकों से 3 जून को होने वाले तीन शिक्षक और तीन स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने का आग्रह किया। साथ ही विश्वास जताया कि कांग्रेस सरकार पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) और 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन सहित उनकी मांगों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा यह श्री सिद्धरामैया ही थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 6वें वेतन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया था। बोम्मई सरकार ने 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू नहीं किया, बल्कि अंतरिम राहत की घोषणा की। अब यह रिपोर्ट सिद्धरामैया के पास है, जो फिर से मुख्यमंत्री हैं। शिक्षकों को कांग्रेस सरकार पर भरोसा रखना होगा। शिक्षकों को अपने मुद्दों को हल करने के लिए चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन करना होगा, क्योंकि पार्टी राज्य में सत्ता में है। मैसूरु मांड्या, चामराजनगर और हासन वाले दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भी 3 जून को मतदान होने जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णय से शिक्षकों को निराशा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का वादा किया है और वह अपने वचनों पर कायम है। लक्ष्मण ने कहा कि चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए शिक्षकों को कांग्रेस का समर्थन करना होगा।

प्रज्ज्वल रेवन्ना को छह दिन की पुलिस हिरासत

अश्लील वीडियो मामले में अदालत में हुई थी पेशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कई महिलाओं के दुष्कर्म और अश्लील वीडियो के आरोपों में घिरे प्रज्ज्वल रेवन्ना को छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। उन्हें कर्नाटक की विशेष अदालत में पेश किया गया था। अदालत में न्यायमूर्ति केएन शिवकुमार ने मामले की सुनवाई की।

इससे पहले प्रज्ज्वल रेवन्ना को सिटी सिविल कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले जांच दल मेडिकल के लिए प्रज्ज्वल को बॉरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल ले गया था। मामले में जन प्रतिनिधि अदालत में एसआईटी की ओर से पेश वकील ने बताया कि प्रज्ज्वल को गिरफ्तार किया जा चुका है, ऐसे में अग्रिम जमानत याचिका का कोई मतलब ही नहीं रहा। बता दें, प्रज्ज्वल ने कुल तीन मामलों के सिलसिले में तीन अग्रिम जमानत याचिकाएं दायर की थीं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) आज सुबह बेंगलूरु स्थित सीआईडी कार्यालय पहुंची थी। सीआईडी कार्यालय में उनके साथ पूछताछ की जाएगी। एसआईटी सूत्रों की मानें तो उनका पौरूष परीक्षण भी कराया जा सकता है। प्रज्ज्वल के वकील, अरुण ने कहा कि वे जांच में सहयोग करने के लिए आगे आए हैं। मीडिया से उनका अनुरोध है कि उनका मीडिया ट्रायल न किया जाए। उन्हें होलेनर-सीपुरा मामले में गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा, एसआईटी ने प्रज्ज्वल की मां भवानी रेवन्ना को भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। एसआईटी ने उन्हें 1 जून को होलेनरसीपुर स्थित उनके घर पर उपस्थित होने को कहा है। बता दें, आज विशेष अदालत प्रज्ज्वल और उनकी मां की याचिका पर सुनवाई करेगी। उनकी मां ने कथित अपहरण मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। हालांकि भवानी इस मामले में आरोपी नहीं हैं, लेकिन एसआईटी कथित तौर पर उनकी भूमिका की जांच करना चाहती है। इसी मामले में प्रज्ज्वल के पिता विधायक एच डी रेवन्ना को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था।

मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने कहा कि कानून अपना काम करेगा। एसआईटी जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय दिलाने पर भरोसा होना चाहिए। मामले में कई एंगल है। हम देख रहे हैं क्या होता है।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि प्रज्ज्वल रेवन्ना कल रात 12.50 बजे जर्मनी से आए। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। काननू के अनुसार, अधिकारी कार्रवाई करेंगे। मैं कल शिमोगा से आया हूं। मैंने अभी तक अधिकारियों से बात नहीं की है। हम पहले भी साफ कर चुके हैं कि पीड़ितों को एसआईटी के समक्ष अपनी समस्याएं बतानी चाहिए।

जर्मनी के म्यूनिख से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर पहुंचते ही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देर रात प्रज्ज्वल को गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के मुताबिक, एक महीने बाद 31 मई को प्रज्ज्वल के बेंगलुरु लौटने पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने बाद में औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उसे एसआईटी को सौंप दिया।

गिरफ्तारी के बाद एसआईटी प्रज्ज्वल रेवन्ना को लेकर बेंगलूरु में सीआईडी के कार्यालय पहुंची। यहां से रेवन्ना को मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया जाएगा। वहीं, विशेष जांच दल (एसआईटी) बेंगलुरु हवाई अड्डे से दो सूटकेस ले गई थी। गौरतलब है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रज्ज्वल ने पहले ही एक वीडियो संदेश जारी कर 31 मई को भारत वापसी की घो-षणा की थी। जिसके बाद से ही बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एसआईटी रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए पहले से तैयार थी। पिछले दिनों इंटरपोल ने रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

बता दें कि प्रज्ज्वल की संभावित देश वापसी को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिसबल को तैनात किया गया था। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा था कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की टीम शुक्रवार को जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को एयरपोर्ट पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लेगी। प्रज्वल रेवन्ना सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी है।

इससे पहले बृहस्पतिवार को कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने 'हासन चलो' मार्च में शिरकत की व आरोपियों की गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच की भी मांग की। इस मार्च का आयोजन 'नवेड्डु निलादिद्दरे' नामक मानवाधिकार समूह डरा किया था। इसमें राज्य भर से महिलाओं, श्रमिकों, किसानों और दलितों ने हिस्सा लिया।

शत्रु भैरवी यज्ञ करवा रहे विरोधी, भैंसों-भेड़ों की दे रहे बलि : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अजीबो-गरीब दावा किया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए राजनीतिक विरोधी शत्रु भैरवी यज्ञ कर रहे है। उनका दावा है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ काले जादू का अनुष्ठान किया जा रहा है।

एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने अपनी कलाई पर बंधे एक पवित्र धागे के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने बुरी नजर से बचने के लिए यह पहना है।

उन्होंने कहा कि केरल के तांत्रिक सरकार को परेशान करने के लिए केरल के राज राजेश्वरी मंदिर के पास एक सूनसान जगह पर अनुष्ठान कर रहे हैं। वे पशुबलि भी दे रहे हैं। हमारे खिलाफ शत्रु भैरवी यज्ञ किया जा रहा है। हमें विश्वास है कि भगवान और लोगों का आशीर्वाद हमारी रक्षा करेगा। उनका दावा है कि अनुष्ठान के लोगों से जुड़े लोगों से उन्हें विश्वसनीय जानकारी है। यह यज्ञ अघोरियों द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि राजराजेश्वरी मंदिर के पास शत्रु भैरवी यज्ञ शत्रु संहार (शत्रुओं के विनाश) के लिए किया जा रहा है।

इसके लिए पंच बलि दी जा रही है, जिसमें 21 लाल बकरे, तीन भैंस, 21 काली भेड़ और पांच सूअर शामिल हैं। बिना नाम लिए उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कर्नाटक में कुछ राजनीतिक लोग इसे करवा रहे हैं। राज्य सरकार के खिलाफ यह अनुष्ठान अगर राजनीतिक लोग नहीं करेंगे तो और कौन करेगा? राजराजेश्वरी मंदिर के पास जाकर देखिए आपको पता चल जाएगा।

'क्या ऐसे अनुष्ठानों में आप विश्वास करते हैं', इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जिन शक्तियों को मैं मानता हूं, उनपर मुझे विश्वास है। इसके अलावा, जब उनसे पीएम मोदी के ध्यान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री का निदी मामला है।

केजरीवाल के इशारे पर स्वाति को पीटने वाले की अर्जी खारिज

हाईकोर्ट ने विभव को 14 दिन के लिए भेजा जेल

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास में मारपीट करने वाले पीएस विभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी गई। दिल्ली हाईकोर्ट ने विभव कुमार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

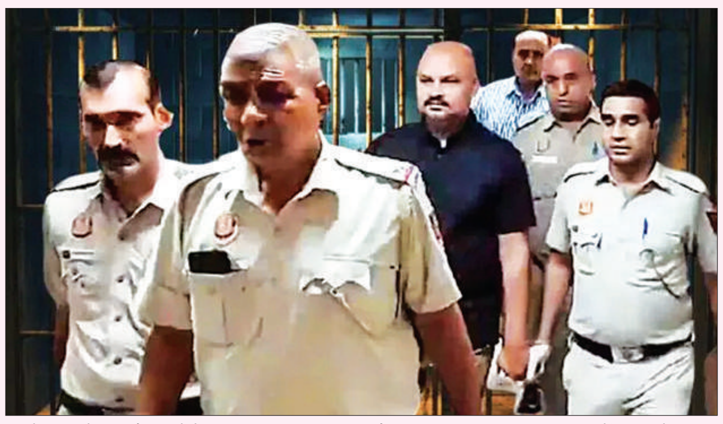

स्वाति मालीवाल की पिटाई मामले में मीडिया में हो रही रिपोर्टिंग पर भी रोक लगाने की मांग की गई थी। इस पर हाईकोर्ट ने याची को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने कहा, जब मालीवाल को आपत्ति नहीं तो आप कौन होते हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका मात्र प्रचार के लिए दाखिल की गई है।

बुधवार को विभव कुमार ने आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल द्वारा दायर मारपीट मामले में जमानत देने से इन्कार करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। विभव ने याचिका में अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया था। विभव ने याचिका में अपनी अवैध गिरफ्तारी के लिए मुआवजे की भी मांग की थी। याचिका में विभव ने कहा कि मेरी गिरफ्तारी अवैध है। मुझे जबरदस्ती पुलिस कस्टडी में रखा गया है। जबरदस्ती कस्टडी में रखने का मुआवजा मिले। पुलिस वालों के खिलाफ विभागीय जांच हो।

अदालत ने 28 मई को आपा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को फिर तीन दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। विभव की चार दिन की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल की अदालत में पेश किया गया था। पुलिस ने कोर्ट से विभव की हिरासत पांच दिन की मांगी थी, लेकिन मजिस्ट्रेट ने तीन दिन का दिया। इससे पहले 27 मई को तीस हजारी कोर्ट ने विभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। स्वाति मालीवाल केस में विभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने 18 मई को गिरफ्तार किया था। स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री आवास पर हमला करने के आरोप लगाए थे। जहां एक तरफ स्वाति ने विभव पर मारपीट का आरोप लगाया है तो वहीं विभव ने पुलिस में शिकायत दी कि स्वाति मुख्यमंत्री आवास में बिना इजाजत घुस गई थीं। विभव ने भी स्वाति पर झूठे मामले में फंसाने के आरोप लगाए हैं।

श्री राम के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ फगवाड़ा में तनाव

फगवाड़ा, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिये मतदान से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को फगवाड़ा में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गयी, जब विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, श्रीराम सेना, शिव सेना आदि सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के कई कार्यकर्ताओं ने आपा हलका इंचार्ज एवं पूर्व मंत्री जो-गिंदर सिंह मान द्वारा भगवान श्री राम के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ श्री हनुमान गढ़ी, एसडीएम कार्यालय परिसर और डीएसपी कार्यालय परिसर में अपना विरोध दर्ज कराया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

हिंदू संगठनों की श्री हनुमान गढ़ी फगवाड़ा में आयोजित संयुक्त बैठक के बाद गुस्साए हिंदू युवकों ने मान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय जाकर एसडीएम सह एआरओ जशनजीत सिंह को मान के खिलाफ आईपीसी की धारा 295ए, 153ए के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिये लिखित शिकायत सौंपी। एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार जसविंदर सिंह प्रदर्शनकारियों से मिलने पहुंचे, जिन्होंने उन्हें लिखित शिकायत सौंपी।

एसडीएम जशनजीत सिंह ने शुक्रवार शाम संवाददाता को बताया कि उन्होंने शिकायत की प्रति फगवाड़ा एसपी रूपिंदर कौर भट्टी को आगे की कार्रवाई के लिये भेज दी है। बाद में हिंदू संगठनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसपी भट्टी और डीएसपी जसप्रीत सिंह से मुलाकात की, जिन्होंने जल्द ही कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस बीच, फगवाड़ा विधायक बलविंदर सिंह धालीवाल ने इस घृणित प्रकरण पर टिप्पणी करते हुये आपा नेता जोगिंदर सिंह मान द्वारा भगवान राम के बारे में की गयी कथित अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की और चुनाव आयोग पंजाब से इस संबंध में गंभीरता से संज्ञान लेने का आग्रह किया। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेत-ाओं की रहस्यमयी चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त किया।

पुलिस ने गढ़ी दुर्घटना की कहानी

गोतस्करों ने मारा बजरंग दल के नेता को

बलरामपुर (छत्तीसगढ़), 31 मई (एजेंसियां)। बलरामपुर में रविवार 26 मई 2024 की रात बजरंग दल के सह-संयोजक सुजीत सोनी और एक 22 साल की शादीशुदा महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग बड़कीमहरी के रहने वाले हैं। पुलिस ने कहा कि जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए डुमरखी जंगल में बिछाए गए तरंगित तारों की चपेट में आकर बजरंग दल सह-संयोजक और महिला की मौत हो गई।

पुलिस की इस थ्योरी को स्थानीय लोग फर्जी बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि सुजीत सैनी की हत्या गोतस्करों द्वारा की गई है। पुलिस को गोतस्करों से पैसा मिलता है, इसलिए इस सुनियोजित हत्या को दुर्घटना बताया जा रहा है। राज्य के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह घटना दुखद है। अगर इस मामले में पुलिस की जांच से पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग संतुष्ट नहीं है तो मामले में उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। इसके साथ ही सारी हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि रविवार (26-27 मई की रात को बजरंग दल के सह संयोजक सुजीत सोनी की और किरण काशी की हत्या कर दी गई। बजरंग दल के सह संयोजक को इतना पीटा गया कि उनकी हड्डियां टूट गईं। उनका गला काटने की भी कोशिश की गई। बाद में शव को डुमरखी ढाबे से 100 मीटर दूर जंगल में फेंक दिया गया।

एलओसी के गांव रहे पर्यटकों के नए ठिकाने

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 31 मई। कश्मीर आने वाले पर्यटकों के ठिकाने अब बदलते जा रहे हैं। डल झील, गुलमर्ग और पहलगाम के नारे देखने के बाद उनके कदम भारत पाकिस्तान को बांटने वाली एलओसी से सटे उन गांवों की ओर उठने लगे हैं जो बेहद खूबसूरत होने के साथ ही अभी तक अछूते रहे हैं।

कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ने के कारण, पर्यटक कश्मीर के एलओसी टूरिज्म का आनंद लेने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। मई के मध्य तक कश्मीर में दस लाख से अधिक पर्यटक आ चुके हैं, जिसके कारण कश्मीर के अधिकांश पर्यटन स्थल पर्यटकों से खचाखच भरे हुए हैं। होटल और अन्य आवास भी आने वाले महीने के लिए बुक हो चुके हैं। ऐसे में कई पर्यटक कश्मीर के सीमावर्ती पर्यटन का आनंद लेने के लिए कश्मीर के बाहरी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जो पिछले कुछ वर्षों से चर्चा में है।

गुरेज से लेकर केरन, उड़ी और तंगधार तक, इन सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही है, जहां पर्यटक शांत वातावरण और कुंवारी सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। गुरेज वर्तमान में पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है, जो विभिन्न प्रकार के परिदृश्यों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में इस गंतव्य पर आते हैं। स्थानीय सेवा प्रदाता गुलाम नबी खान का कहना था कि गुरेज हाल ही में सर्दियों की छुट्टियों के बाद पर्यटकों के लिए खोला गया है। पिछले कुछ वर्षों से हमारे यहां अच्छी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इस साल अब तक यहां पर्यटकों की संख्या उत्साहजनक रही है।

इसी तरह, उत्तरी कश्मीर के केरन और तंगधार इलाकों में भी पर्यटकों की अच्छी खासी तादाद है। स्थानीय निवासी फिरोज अहमद खान के बकौल, केरन में कई होमस्टे खुल गए हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों से पर्यटक यहां आते हैं और लोगों की मेहमाननवाजी का लुत्फ उठाते हैं।

यह जगह उन पर्यटकों को एक शानदार अनुभव देती है, जो कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों को देखना चाहते हैं। हाल ही में अपने खूबसूरत नजारों के लिए चर्चा में आए उड़ी में भी इस मौसम में पर्यटकों की अच्छी खासी तादाद है।

गेस्ट हाउस के मालिक सुहीम अहमद भट बताते थे कि इस जगह पर बहुत कम भीड़ होती है और पर्यटक यहां ऑफ-रोडिंग के लिए आते हैं। वे कमान पोस्ट और उड़ी के दूसरे इलाकों में प्राकृतिक खूबसूरती को देखने आते हैं। इस इलाके में कई ट्रैकिंग स्पॉट भी हैं, जिन्हें पर्यटक खूब पसंद करते हैं। इस बीच, सरकार ने भी जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती और ऑफबीट डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

कश्मीर पर्यटन निदेशक राजा याकूब कहते हैं कि आप देखेंगे कि दूधपथरी और दूसरी जगहों जैसी ऑफबीट जगहों को भी खूब देखा जा रहा है और वहां बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। हम कश्मीर के पर्यटन उद्योग के समग्र विकास के लिए ऐसे स्थानों को बढ़ावा दे रहे हैं।

अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद ही दें एग्जिट पोल : निवार्चन आयोग

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक, प्रिंट और अन्य सभी तरह के प्रचार माध्यमों को निर्देश दिया है कि वे शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के समाप्त होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रचार या प्रसार कर सकते हैं।

आयोग ने 18 वीं लोकसभा के चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के संबंध में गत मार्च में जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि 19 अप्रैल सुबह सात बजे से लेकर एक जून शाम साढे छह बजे तक मीडिया के सभी प्रचार माध्यमों पर एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार करने पर रोक रहेगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को लोकसभा के सातवें और अंतिम चरण तथा ओडिशा विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान होना है। आयोग ने कहा है कि शनिवार को शाम साढे छह बजे तक सभी तरह के एग्जिट पोल के प्रचार प्रसार पर रोक रहेगी।

पुंछ में आतंकियों के साथ गोलीबारी तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, 31 मई (ब्यूरो)। पुंछ जिले के मरहा बुफलियाज इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच संक्षिप्त गोलीबारी के बाद इलाके में तलाशी अभियान छेड़ा गया है। आतंकियों की 4 से 5 बताई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि देर रात सुरक्षा बलों को इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष इनपुट मिला था। पुलिस और सेना द्वारा डीकेजी के पास मरहा बफ़लियाज़ के सामान्य क्षेत्र में एक तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि जब तलाशी दल ने तलाशी तेज कर दी, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिससे थोड़ी देर के लिए गोलीबारी हुई। थोड़ी देर की गोलीबारी के बाद, आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए।

रिपोर्ट लिखे जाने तक किसी जानमाल के नुकसान या चोट की सूचना नहीं थी। इस बीच, भाग रहे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अधिक जानकारी बाद में दी जाएगी।

झारखंड में 4जून के बाद भ्रष्ट राज्य सरकार की उल्टी गिनती होगी शुरू : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रदेश प्रभारी एवं राज्य सभा में मुख्य सचेतक डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने राज्य की 14 लोकसभा सीट पर एनडीए की जीत का दावा किया वही राज्य की चंपई सरकार एवम इंडी एलायंस पर बड़ा हमला भी बोला।

डॉ. वाजपेयी ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि झारखंड में दो क्रांति महत्वपूर्ण है जिसमे भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान एवं अमर शहीद सिदो कान्हु का हुल शामिल है।कहा कि जून महीना संथाल हुल क्रांति का महीना है।संथाल समाज कांग्रेस झामुमो मुक्त झारखंड केलिए हुल करने केलिए तैयार है।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति से संथाल समाज के अस्तित्व पर संकट के बादल छाए हुए हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों से केवल डेमोग्राफी नही बदली बल्कि जमीन और जमीर दोनो की हो रही लूट हुई। विशिष्ट संस्कृति ही संथाल समाज की पहचान जिसे समाप्त करने की कोशिश राज्य सरकार के संरक्षण में हो रहा है। झामुमो कांग्रेस राजद ठगबंधन वोट बैंक के कारण संथाल की अस्मिता और पहचान को मिटा रहे हैं। कहा कि अपनी सत्ता को बचाने केलिए इंडी ठगबंधन ने संथाल परगना को घुसपैठियों के हाथों गिरवी रख दी है। कहा कि आदिवासी समाज की जमीन लव जिहाद के माध्यम से घुसपैठिए लूट रहे हैं। कांग्रेस झामुमो के संरक्षण में घुसपैठियों के राशनकार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी बनाए जा रहे। कहा कि आज संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से घट रही है। कहा कि दूसरी तरफ भ्रष्टाचार का नंगा नाच हो रहा है। खान खनिज,पत्थर कोयला बालू की लूट हो रही है। केवल साहेबगंज जिला में एक हजार करोड़ से अधिक के घोटाले उजागर हुए हैं ये सबको पता है। आज भ्रष्टाचार में लिप्त पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में है। सरकार के मंत्री आलमगीर आलम जेल में हैं। कई आ-इएएस अधिकारी जेल में हैं। और कई जाने की कतार में खड़े दिखाई दे रहे। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्ट राज्य सरकार की उल्टी गिनती शुरू होगी

देश की एकता, अखंडता के लिए मोदी का नेतृत्व आवश्यक: कंगना

मंडी, 31 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा देश को तोड़ने का काम किया है और यह बात किसी से छुपी नहीं है। इसलिए देश की एकता व अखंडता को बनाये रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व आवश्यक है।

कंगना रनौत ने प्रेस को जारी ब्यान में कहा कि कांग्रेस की नीतियां सदैव ही देश को कमजोर करने की रही है चाहे वो आंतरिक तौर पर हो या बाह्य तौर पर हो। स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही कांग्रेस का शासन रहा है और ये जग जाहिर बात है की कैसे हर बार कांग्रेसी नेताओ ने देश की संप्रभुता को तोड़ने के कार्य किए है। उन्होंने कहा कि शुरुआत से ही कांग्रेस ने एक खास वर्ग का लालन पोषण किया है जिसके चलते हमारे हिंदू भाइयों व बहनों को हक उनसे छीन कर बिना किसी को भनक लगवाएं उस खास वर्ग में बांटे गए हैं। लेकिन क्या ये कोई पहली बार है जब ऐसा किया है कांग्रेस ने? तो इसका सीधा सीधा जवाब है नहीं। कांग्रेस से शुरुआत से ही ये फितरत रही है की गरीब और लाचार हिंदुओ का हक अपने वोटबैंक के नाम करना।

उन्होंने कहा कि आज ये इंडिया समूह एक साथ आकर एकता का नारा देते हैं। कोई इसने जवाब मांगे कि ये कैसी एकता है जो केवल एक व्यक्ति को गद्दी न मिले ये सुनिश्चित करने में लगा हुआ है। इनके पास और कोई चारा भी तो नहीं है क्योंकि ये जानते है कि यदि इस बार भी मोदी जी सत्ता में आए तो इनकी झूठ फरेब की दुकानें 100 फीसदी बंद होना तय है। लेकिन अब इन्हें कौन बताए की चार जून को ये डर इनका सबसे भयानक सपना बनकर इनके सामने खड़ा होगा क्योंकि देश फिर एक बार श्री मोदी को ही वापस चुनकर सत्ता उनके हाथ में थमायेगा।

कंगना ने कहा कि आज ये इंडिया समूह देश को लोकतंत्र का हवाला लेकर वोट मांग रहा है। इनका कहना है कि ये चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है लेकिन कोई इनसे पूछे की बाबा भीम राव अंबेडकर के दिए संविधान से आज तक खिलवाड़ कौन करता आया है? उन्होंने आरोप लगाया कि दलितों और पिछड़े वर्गों का आरक्षण छीन कर घुसपैठियों में बांट दिया ताकि इनका वोटबैंक मजबूत हो और जब प्रधानमंत्री मोदी ने इनके काले धंधे से पर्दा हटाया तो अब उन्हीं को खरी खोटी सुना रहे हैं।

दिल्ली सरकार की गैर जिम्मेदाराना रवैये की वजह से जल संकट : सक्सेना

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि दिल्ली में उत्पन्न जल संकट दिल्ली सरकार की गैर जिम्मेदाराना रवैये का परिणाम है। श्री सक्सेना ने एक वीडियो के साथ पत्र जारी कर आज कहा पिछले कुछ समय से दिल्ली में जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाई दे रहा है। दिल्ली में महिलाएं, बच्चे, बूढ़े, जवान जान जोखिम में डालकर एक बाल्टी पानी लेने के लिए टैंकरों के पीछे भाग रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा 24 घंटे पानी सप्लाई करने का वादा एक छलावा साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश लगातार अपने निर्धारित कोटे का पानी दिल्ली को सप्लाई कर रहे हैं। इसके बावजूद दिल्ली में जल संकट की सबसे बड़ी वजह है कि जो पानी आ रहा है, उसके 54 प्रतिशत का कोई हिसाब नहीं है। चालीस प्रतिशत पानी पुरानी और जर्जर पाइपलाइन के कारण बर्बाद हो रहा है। पिछले 10 साल में दिल्ली सरकार द्वारा हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए, लेकिन इसके बावजूद समाधान नहीं निकला।

उपराज्यपाल ने कहा कि एक तरफ दिल्ली के अमीर इलाके में प्रतिदिन औसतन प्रति व्यक्ति 550 लीटर पानी सप्लाई हो रहा है, जबकि गांव-कच्ची बस्तियों में प्रतिदिन औसतन प्रति व्यक्ति 15 लीटर पानी सप्लाई हो रहा है। आज भी वाजीराबाद को छोड़कर बाकी के प्लांट अपनी क्षमता से ज्यादा पानी का उत्पादन कर रहे हैं।

सांसद ही नहीं, तीसरी बार प्रधानमंत्री चुनकर भेजने के लिए भी तैयार है काशी

निर्वाचन आयोग ने पूरी की तैयारियां, 660 मतदान केन्द्रों के 1909 मतदान स्थलों पर डाले जाएंगे वोट

कुल 19,97,577 मतदाता करेंगे 7 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

आधी आबादी के रूप में 9,13,692 मतदाता नारी सम्मान, स्वावलम्बन के लिए करेंगी वोट, होंगी निर्णायक भूमिका में

वाराणसी लोक सभा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विवरण

▪ कुल मतदाताओं की संख्या	-	19,97,577
▪ पुरुष मतदाता	-	10,83,750
▪ महिला मतदाता	-	9,13,692
▪ अन्य	-	135
▪ 18-19 से वर्ष के मतदाता	-	37,226
▪ दिव्यांग मतदाता	-	19736
▪ 85 वर्ष से ऊपर के मतदाता	-	9,934
▪ 100 वर्ष के ऊपर के मतदाता	-	67
▪ सर्विस वोटरों की संख्या	-	2,283

मतदान स्थल व अन्य विवरण...

मतदेय स्थल	- 1,909	मतदान केंद्र	- 660
सेक्टर मजिस्ट्रेट	- 127	जोनल मजिस्ट्रेट	- 18
वल्नरेबल बूथ	- 34	वल्नरेबल केंद्र	- 11
क्रिटिकल बूथ	- 403	क्रिटिकल मतदान केंद्र	- 114

वाराणसी, 31 मई (एजेंसियां)। काशी के लिए शनिवार यानी 1 जून का दिन निर्णायक होने वाला है। इस दिन लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें पड़ाव के अंतर्गत वाराणसी में मतदान होगा। इस मतदान पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं।

वाराणसी का चुनाव यह तय करेगा कि क्या यहां से केवल एक सांसद चुनकर जाएगा या फिर तीसरी बार देश को काशी नेतृत्व की बागडोर देने जा रहा है। वाराणसी के मतदाता आज अपने उस प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे जो उनके शहर के साथ ही देश की भी तस्वीर और तक़दीर बदलने में निर्णायक सिद्ध होगा। 77 वाराणसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान आज होगा जिसके दृष्टिगत निर्वाचन आयोग ने मतदान के लिए सभी तैयारियों को पुख्ता कर ली हैं। वाराणसी लोक सभा क्षेत्र से कुल 7 प्रत्याशी इस चुनाव प्रक्रिया के जरिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनके भाग्य का फैसला 19,97,577 मतदाता करेंगे, जिसमें 9,13,692 महिला वोटर्स शामिल हैं। आधी आबादी वाराणसी में निर्णायक भूमिका में है जो नारी सम्मान, स्वालम्बन से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखकर वोट करेंगी। वहीं, 18 से 19 वर्ष के 37,226 फर्स्ट टाइम वोटर भी इस चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे।

लोकतंत्र के महाकुंभ के अंतिम और सातवें चरण के चुनाव के लिए रविवार को मतों की आहुतियां 660 मतदान केन्द्रों के 1909 मतदान स्थलों पर डाली जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि वाराणसी लोक सभा से 7 प्रत्याशी मैदान में है जिनमें दो बार वाराणसी का सांसद बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मिलित हैं और इस बार जीत की हैट्रिक लगाने की उम्मीद से मैदान में उतरे हैं। लगातार दो बार मोदी से शिकस्त खाकर तीसरे नंबर पर रहे, इंडी गठबंधन के अजय राय इंडियन नेशनल कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा अतहर जमाल लारी-बहुजन समाज पार्टी, गगन प्रकाश यादव-अपना दल (कमेरावादी), कोलीशेट्टी शिवकुमार- युग तुलसी पार्टी के अतिरिक्त संजय कुमार तिवारी व दिनेश कुमार यादव-निर्दल प्रत्याशी के तौर पर अपना-अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में पान मसाला और तंबाकू की बिक्री पर रोक

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 1 जून 2024 से राज्य में एक ही दुकान पर पान मसाला और तंबाकू की संयुक्त बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इस आदेश का उद्देश्य राज्य में तंबाकू और उससे संबंधित उत्पादों के सेवन को नियंत्रित करना और जनस्वास्थ्य को सुधारना है। राज्य सरकार ने इस आदेश को सख्ती से लागू करने का निर्देश जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2013 में उत्तर प्रदेश सरकार ने तंबाकू युक्त पान मसाले के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था। इस प्रतिबंध का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाना और तंबाकू सेवन के खिलाफ सख्त कदम उठाना था। हालांकि, कुछ कंपनियों ने इस प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए पान मसाले के साथ तंबाकू के पाउच की बिक्री जारी रखी। इन कंपनियों ने अलग-अलग पाउच में पान मसाला और तंबाकू बेचकर नियमों की अनदेखी की, जिससे यह आवश्यक हो गया कि सरकार इस दिशा में और कठोर कदम उठाए।

सरकार का यह नया आदेश उन दुकानों को प्रभावित करता है जो पान मसाला और तंबाकू दोनों को एक ही जगह पर बेच रही थी। इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन उत्पादों की उपलब्धता को कम करना और लोगों को तंबाकू सेवन की लत से छुटकारा दिलवाना है। यह प्रतिबंध राज्य के सभी जिलों में लागू होगा और इसका पालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि तंबाकू और पान मसाले का सेवन कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। सरकार के इस फैसले से इन उत्पादों की सहज उपलब्धता में कमी आएगी, जिससे इनसे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों में भी कमी आएगी। इस प्रतिबंध से विशेषकर युवाओं को तंबाकू सेवन से दूर रखने में मदद मिलेगी, जो अक्सर इन उत्पादों के सेवन की आदत में फंस जाते हैं।

सरकार के इस फैसले पर दुकानदारों और उपभोक्ताओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई दुकानदारों का कहना है कि इससे उनकी आमदनी पर असर पड़ेगा, जबकि कुछ का मानना है कि यह जन स्वास्थ्य के लिए एक सकारात्मक कदम है। उपभोक्ता भी इस फैसले को लेकर विभाजित हैं, कुछ लोग इस प्रतिबंध का समर्थन करते हैं जबकि अन्य इसे उनकी स्वतंत्रता पर अंकुश मानते हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस प्रतिबंध का सख्ती से पालन किया जाएगा और इसका उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, सरकार तंबाकू के सेवन के खिलाफ जन जागरूकता अभियान भी चलाने की योजना बना रही है, जिससे लोग इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक हो सकें।

पहले मतदान फिर जलपान का मंत्र साकार करेंगे मुख्यमंत्री

प्राथमिक विद्यालय कन्या गोरखनाथ पर सीएम योगी आदित्यनाथ आज सुबह करेंगे मतदान

गोरखपुर, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा क्षेत्र गोरखपुर के चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह 7 बजे पुराना गोरखपुर, स्थित नगर क्षेत्र के इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय गोरखनाथ (कन्या) के बूथ संख्या 223 पर मतदान करेंगे। पहले मतदान फिर जलपान के मंत्र को साकार करते हुए वह अपने मताधिकार का प्रयोग और लोकतांत्रिक कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

मुख्यमंत्री संभवतः अपने बूथ के पहले मतदाता भी बनेंगे। इसके पहले 2019 के लोकसभा, 2022 के विधानसभा चुनाव और 2023 के नगर निगम चुनाव में भी अपने बूथ के प्रथम मतदाता बने थे।

झूलेलाल मंदिर के निकट स्थित मतदान केंद्र पर सीएम योगी आदित्यनाथ को मतदान के लिए सुबह 7 बजे आएंगे। मतदान करने के बाद मतदान केंद्र के बाहर मीडिया कर्मियों को संबोधित कर सातवें चरण की सभी संसदीय क्षेत्रों के मतदाताओं से मतदान की अपील करेंगे।

मणिकर्णिका महाश्मशान में लगा शवों का महाजाम

घंटों इंतजार के बाद मिल रहा शवदाह का नंबर

वाराणसी, 31 मई (एजेंसियां)। वाराणसी के महाश्मशान मणिकर्णिका पर शवदाह के लिए महाजाम की स्थिति बन गई है। घाट से लेकर गलियों तक शव यात्रियों की भीड़ लगी हुई है। तीन दिनों में तापमान बढ़ने के बाद शवदाह के लिए आने वालों की संख्या में पांच गुना का इजाफा हुआ है। गुरुवार की मध्य रात्रि में तो शव यात्रियों की भीड़ ऐसी उमड़ी की घाट से लकड़ियां और पूजन सामग्री तक की किल्लत हो गई। बीती रात लगभग तीन सौ से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

शुक्रवार की दोपहर तक मणिकर्णिका घाट पर शवदाह के लिए अनवरत कतार लगी रही। तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी के बाद मणिकर्णिका घाट पर बीती रात शवदाह करने वालों की लंबी लाइन लग गई थी। हालत यह हो गई कि मैदागिन के साथ ही भैंसासुर घाट से लेकर मणिकर्णिका तक शवयात्री ही नजर आ रहे थे।

जगह कम होने और भीड़ अधिक होने के कारण एक शव को जलाने के लिए पांच से छह घंटे का इंतजार करना पड़ रहा था और दूसरी ओर से शव यात्रियों के आने का सिलसिला भी बना हुआ है। मशान नाथ सेवा समिति के संजय गुप्ता ने बताया कि भीड़ बढ़ने के कारण पहली बार मणिकर्णिका घाट से शवों को हरिश्चंद्र घाट के लिए रवाना कर दिया गया।

महाश्मशान नाथ सेवा समिति के महामंत्री बिहारी लाल गुप्ता ने बताया कि गरमी बढ़ने के कारण दो दिनों में शवदाह के लिए भीड़ का दबाव अचानक बढ़ गया है। बीती रात तो भीड़ अप्रत्याशित हो गई। मणिकर्णिका घाट की ओर जाने वाली गली में से हर दो मिनट में एक शव यात्रा गुजर रही थी।

घाट पर रहने वाले त्रिलोक नाथ भैरव ने बताया कि आम दिनों में शव यात्रियों की संख्या 50 से 60 होती है लेकिन बीती रात तीन सौ से अधिक शवयात्री घाट पर पहुंचे। आम दिनों की अपेक्षा पांच गुना अधिक संख्या बढ़ गई है। तापमान बढ़ने के कारण आसपास के जिलों में भी मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। डोम राजा ओम चौधरी ने बताया कि कोरोना काल के बाद यह पहला मौका है जब अचानक शवदाह करने वालों की भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ी है।

यूपी पुलिस ने तेज की कार्रवाई

आपा नेता अमानतुल्लाह की सम्पत्ति कुर्क होगी

नोएडा, 31 मई (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर 95 स्थित एक पेट्रोल पंप पर हुई मारपीट की घटना ने एक नया मोड़ ले लिया है। इस घटना में आम आदमी पार्टी (आपा) के विधायक अमानतुल्लाह खान के बेटे और उसके साथियों द्वारा किए गए हमले के चलते अब अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस मारपीट का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई में तेजी लाई है। अब जल्द ही पुलिस इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में जुट गई है।

घटना के अनुसार, अमानतुल्लाह खान के बेटे और उसके साथियों ने पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों के साथ मारपीट की। सीसीटीवी फुटेज में यह साफ दिख रहा है कि किस तरह हमलावरों ने कर्मचारियों को बुरी तरह पीटा। इसके बाद, अमानतुल्लाह खान खुद भी पेट्रोल पंप पर पहुंचे और वहां के कर्मचारियों को धमकाया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि अमानतुल्लाह खान के बेटे और उसके साथियों की भूमिका इस हमले में प्रमुख थी। वहीं घटना के बाद आपा विधायक अमानतुल्लाह खान भी घटनास्थल पर पहुंचे और पंप के कर्मचारियों को धमकाते हुए दिखाई दिए। इसी घटनाक्रम के चलते अमानतुल्लाह खान की भी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। वहीं पुलिस भी अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में जुट गई है, जिसमें विधायक अमानतुल्लाह खान की सम्पत्ति कुर्क करने की योजना भी शामिल है।

मोदी ने हर रैली में की योगी के जीरो टॉलरेंस नीति की तारीफ

यूपी में पीएम मोदी ने की 22 जनसभा, 5 रोड शो और 2 सम्मेलन, हर बार सराहा

कभी बोले, योगी जी जैसा साथी पाकर होता है गर्व, कभी कहा, अच्छे अच्छों की गर्मी शांत करने में एक्सपर्ट हैं योगी

अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा ने भी मुक्तकंठ से की सीएम योगी की तारीफ

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार का शोर थम चुका है। शनिवार को सातवें और अंतिम चरण के लिए प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। उल्लेखनीय है कि यूपी में अबतक हुए 6 चरणों के चुनाव में वोटिंग के दौरान कहीं से भी कोई अप्रिय घटना नहीं सुनाई दी और प्रदेश के इतिहास में पहली बार ये चुनाव पूरी तरह से माफिया मुक्त रहा। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल तक में हावी रहीं माफिया ताकतों का प्रभाव इसबार के लोकसभा चुनाव में कहीं नहीं दिखा। इस बात के लिए प्रशंसा खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी हर जनसभा में करते दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी में मेरठ से लेकर मऊ तक कुल 29 चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत की और उन्होंने कमोबेश हर कहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफों के पुल बांधे। पीएम मोदी ने यहां तक कहा कि वाराणसी से सांसद होने के नाते योगी उनके भी मुख्यमंत्री हैं और योगी जी जैसा साथी मिलना उनके लिए गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश में कुल 22 रैलियां, 5 रोड शो और 2 सम्मेलनों में हिस्सा लिया और तकरीबन अपनी हर रैली में इस बात का विशेष तौर पर उल्लेख किया कि सपा राज में प्रदेश में

जहां बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में होती थी। वहीं योगी जी के शासनकाल में कोई न तो किसी बेटी को छेड़ने की हिम्मत कर सकता है, न व्यापारियों को परेशान करने की किसी में हिम्मत है। प्रधानमंत्री ने वाराणसी में नारी वंदन सम्मेलन में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन की मानसिकता ही महिला विरोधी है, जहां इनकी सरकार आती है महिलाओं का जीना दूभर हो जाता है। सपा वाले बहुत बेशर्मी से कहते थे कि लड़के हैं, लड़कों से गलतियां हो जाती हैं, आज सपा के लड़के कोई गलती करके दिखाएं, योगी जी की सरकार उनका वो हाल करेगी, जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मार्च 2024 से यूपी में प्रचार की कमान संभाली। मेरठ में चौधरी चरण सिंह गौरव सम्मान सम्मेलन से शुरू हुआ उनका चुनावी कार्यक्रम प्रदेश में जैसे-जैसे आगे बढ़ा, उन्होंने राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के सुशासन की सराहना में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। सीएम योगी आदित्यनाथ की सबसे अधिक तारीफ उनके द्वारा बीते 7 साल से प्रदेश में चलाए जा रहे सतत ज़ीरो टॉलरेंस की नीति की हुई। प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा कि अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में हमारे योगी जी एक्सपर्ट हैं और जबसे उन्होंने यूपी की कमान संभाली है, यहां का मौसम और माहौल दोनों बदल गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इसबात के लिए भी तारीफ की कि प्रदेश में बीते सात साल में न तो कोई दंगा हुआ न कहीं कर्फ्यू लगाया गया। गाजीपुर की रैली में प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा राज में हर महीने दो से तीन दंगे हुआ करते थे और कर्फ्यू लगाए जाते थे। माफिया और दंगाई खुली जीप में हथियार लहराते हुए घूमते थे। इससे हर किसी को परेशानी होती थी, व्यापारियों का व्यापार चौपट होता था, मगर योगी राज में आज यूपी में दंगा भी बंद और दंगाई भी बंद हो चुके हैं।

अमित शाह, राजनाथ और जेपी नड्डा ने भी की खुलकर तारीफ

ऐसा नहीं है कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही मुख्यमंत्री की योगी के जीरो टॉलरेंस की नीति की तारीफ करते दिखे, बल्कि प्रदेश में चुनाव प्रचार करने आए हर छोटे-बड़े नेता ने भी सीएम योगी द्वारा प्रदेश में स्थापित किये गये कानून के शासन की मुक्तकंठ से तारीफ की। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने बलिया में कहा कि सपा शासन में जो माफिया जनता को परेशान करते थे, योगी जी की सरकार ने उलटा लटकाकर सीधा करने का काम किया है।

वहीं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने तो लखनऊ की एक जनसभा में यहां तक कह दिया कि मुख्यमंत्री के रूप में वो अपने कार्यकाल में भी उतना नहीं कर सके, जितना योगी आदित्यनाथ ने सीएम रहते इस प्रदेश में कर दिखाया है। इसके अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुशीनगर में यह कहते हुए योगी की तारीफ की कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में माफिया सरगनाओं को जमीन में गाड़ दिया गया है और उनके सहयोगी जेलों में हैं। आज व्यापारी अपना व्यापार कर रहे हैं और बेटियां अपने भविष्य को संवार रही हैं। इधर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) की रैली में योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि यूपी में सपा के कार्यकाल में गरमी दिखाने वाले माफिया तत्वों को योगी राज में हिमाचल (शिमला) की ठंड सताने लगी है।

प्रधानमंत्री ने बांसगांव की रैली में कहा कि योगी जी ने माफियाओं का राज खत्म किया है। माफियाओं ने जो लूटा है उसी पैसे से अब गरीबों के लिए घर बनवाए जा रहे हैं। सपा के जंगलराज में बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। मां-बाप मजबूर होकर बेटियों के स्कूल-कॉलेज छुड़वा देते थे। व्यापारी इसी खौफ में जीते थे कि अब कौन सा गुंडा फिरौती मांग लेगा। कब किसका प्लॉट कब्जा हो जाए। कब किसका खेत चला जाए। सरकारी जमीनों पर माफिया तत्वों ने महल खड़े कर दिये थे, लेकिन जब से योगी जी आए हैं माहौल ही बदल गया है।

आपका स्मार्टफोन भी बता सकता है कि कहीं आपको कैंसर तो नहीं

कैंसर उन खतरनाक बीमारियों में से एक है जिनका फर्स्ट स्टेज पर पता न चले तो मरीज की जान पर बन आती है। कैंसर कई तरह का होता है लेकिन खतरनाक कैंसर टाइप में से एक है स्किन कैंसर। स्किन कैंसर का पता आपको आपकी त्वचा के कलर से भी पता चल सकता है। आज हम आपको ऐसे एप के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक छोटे से टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि त्वचा का बदलाव कैंसर है या नहीं।

SkinVision एप :SkinVision नाम का ये एप अमेरिका और यूरोप में काफी चलन में है। ये एप एक अवेयरनेस मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो आपकी स्किन में आ रहे बदलाव को ट्रैक करने में आपकी मदद करता है। ये आपको समय-समय पर आपकी स्किन के पॉजिटिव और नेगेटिव बदलावों की जानकारी देता रहता है। हालांकि हम आपको बता दें कि ये सिर्फ इतना ही एक्यूरेट है कि कैंसर के रिस्क के बारे में बता सके, कन्फर्म कराने के लिए आपको टेस्ट तो कराने ही होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल : इस एप को ऑन करके फोन के कैमरे से स्किन के उस हिस्से की तस्वीर लें जहां आपको बदलाव नजर आ रहा है। इस फोटो का एनालिसिस करने के बाद एप आपको कई तरह के रेमेंडेशन देगा। बता दें कि SkinVision ऐप आपको पिक्चर्स आर्काइव करने की भी सुविधा देता है। इससे आप स्किन में आ रहे चेंजेस की फोटोज आर्काइव करके डॉक्टर को दिखा सकते हैं।

पोकेमोन गो भी टेक्सटिंग जितना ही खतरनाक हैः शोध

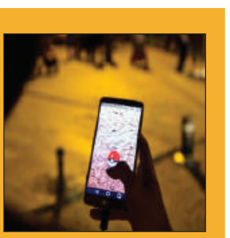

ह्यूस्टन। एक नए शोध में पता चला है कि रियलिटी गेम पोकेमोन गो खेलने से लोगों को उसी तरह के खतरे हो सकते हैं जिस तरह के टेक्सटिंग के दौरान पेश आते हैं। पोकेमोन गो इसी साल जुलाई में लॉन्च हुआ है। इसमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की मदद से खिलाड़ी पोकेमोन को खोजते हैं, उन्हें पकड़ते हैं, उनसे लड़ते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। ये पोकेमोन स्क्रीन पर इस तरह नजर आते हैं जैसे वे उसी असल दुनिया में हों जिसमें खिलाड़ी है।

यह गेम दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुआ है और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गेम के लॉन्च होने के बाद से ऐसी खबरें आने लगीं कि इसके खिलाड़ी गिर रहे हैं, चीजों से टकरा रहे हैं और यहां तक कि गेम खेलते हुए व्यस्त सड़कों पर पहुंच जा रहे हैं। अमेरिका की टेक्सास ए ऐंड एम यूनिवर्सिटी में शोध विज्ञानी कोनराड अर्नेस्ट ने कहा, मेरे खयाल से पोकेमोन गो के साथ परेशानी यह है कि यह बिलकुल ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां व्यक्ति की गति एकदम धीमी हो जाती है और लोग अपने पोकेमोन को पकड़ने के लिए विशेष दिशा में चलने लगते हैं।

बीते साल अर्नेस्ट ने चलते हुए टेक्सटिंग पर शोध किया था। इसमें पाया था कि बिना ध्यान भटकाए राहगीरों के मुकाबले टेक्सटिंग कर रहे और या संज्ञानात्मक रूप भटके राहगीरों की चलने की गति धीमी हो जाती है, वे अड़चनों से पार पाने के लिए ज्यादा और उंचे उंचे डग भरते हैं। अर्नेस्ट ने कहा, इसकी संभावना ज्यादा होती है कि जब क्रासवाक का संकेत साफ तौर पर जाने का नहीं होता है तो खिलाड़ी सड़क पार करें।

बारिश में भी महकता रहे घर

पहली बारिश की खुशबू तो सबको पसंद है, लेकिन लगातार बरसते पानी के कारण सीलन की गंध घरों में घुस ही जाती है। कपड़ों को भी धूप नहीं मिल पाती तो वे भी गंध छोड़ने लगते हैं, इसी तरह गार्डन में जमा पानी भी बदबू मारने लगता ह। कई वजह हैं जिनके कारण घरों में गंध समा जाती है। गंध को घर से भगाना कुछ मुश्किल नहीं है, सही वक्त

पर सही तरह की खुशबू को घर में रखेंगे तो ये मौसम और खुशनुमा हो जाएगा।

- लेमनग्रास, ऑरेंज जैसी सिट्रस खुशबू तरोताजा महसूस कराती हैं लेकिन इनका खास असर दिन के वक्त ही ज्यादा होता है।
- दिन के वक्त डिफ्यूजर का उपयोग लीविंग रूम्स और बाथरूम में कर सकते हैं। स्प्रे भी असर दिखाने वाले होते हैं।
- कपड़ों की गंध भगाने के लिए फेंग्रेंस सैशे का ही उनयोग करें, जिसे अलमारियों में रखा जा सकता है।
- शाम के वक्त वेपोराइजर्स का उपयोग करें। सेंटेड कैंडल्स भी माहौल में गर्माहट लाएंगी और बारिश की ठंडक को महसूस नहीं होने देंगी। बेडरूम्स में इनका प्रयोग किया जा सकता है।

सिर्फ आपको संगीत सुनाएंगे ये स्पीकर्स

कंपनी के यह स्पीकर कुछ अवॉर्ड्स भी जीत चुके हैं जबकि अभी तक ये प्री ऑर्डर स्टेज पर ही हैं। ये डायरेक्शनल ऑडियो डिवाइस है जो हाई फिडेलिटी साउंड को बाहर फेंकती है जिसे सिर्फ आप ही सुन सकते हैं। यह एक कम चौड़ी बीम के जरिए होता है जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर आप अपने बेडरूम में म्यूजिक सुनना चाह रहे हैं और पार्टनर को सोना है। हेडफोन की झंझट भी आपको नहीं चाहिए। आप असके स्पीकर को अपने कानों की कर दीजिए, जो साउंड बीम निकलेंगी वो सिर्फ आप तक ही पहुंचेंगी और पार्टनर को पता भी नहीं चलेगा कि कोई संगीत कमरे में बज रहा है। अस डायरेक्शनल साउंड कंट्रोल तकनीक से नॉइस पौल्यूशन भी नहीं होता है।

कंपनी ने तो बाकायदा नो मोर हेडफोन्स कैम्पेन भी चला रखा है।

akoustic-arts.com पर ये ए स्पीकर प्री ऑर्डर पर उपलब्ध हैं। ये दो आकार में मिल रहे हैं। जूनियर का आकार 9 बाय 9 सेमी है और बड़े का आकार 20 बाय 20 सेमी है। छोटे

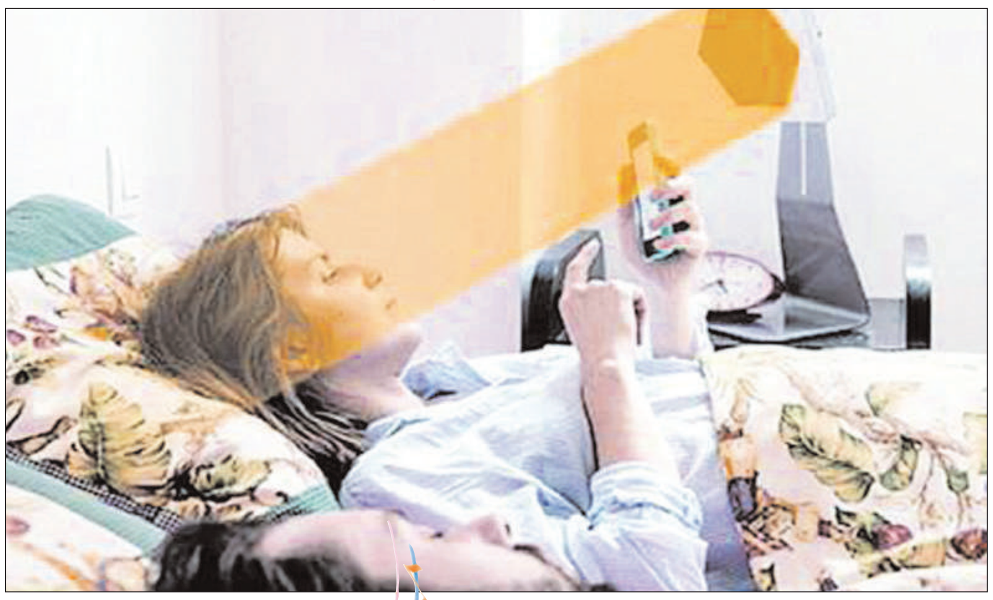

की कीमत 350 डॉलर है और बड़े की 550 डॉलर। जैसे ही यह कैम्पेन पूरा होगा इन दोनों की कीमत बढ़ना तय है। डिलवरी मिलने के बाद इन स्पीकर्स को सेट करना भी बेहद आसान है। सबसे पहले इनकी पैकिंग हटाइए, बैटरी कनेक्ट कीजिए, चार्जिंग केबल को स्पीकर में लगाइए और किसी भी डिवाइस(स्मार्टफोन, टेबलेट, लैपटॉप, स्टीरिओ, टीवी वगैरह) कनेक्ट कर दीजिए। ये कनेक्शन 3.5एमएम के मिनीजैक के जरिए होगा। ए स्पीकर के लिए ऐसेसरीज भी मिल रही हैं। जैसे एक स्टैंड के रिए आप इसे पास रखी मेज पर भी सेट कर सकते हैं। वॉल माउंट भी करवा सकते हैं। और तो और छत पर भी ये लग सकते हैं। ये ऐसेसरीज मात्र 50 डॉलर में प्री ऑर्डर कर 7 सकते हैं।

अब नहीं होगी दिक्कत बेल्ट खरीदने में

बेल्ट पहनना जितना आसान काम है, उतना ही मुश्किल उसे खरीदते वक्त चुनना है। ज्यादातर पुरुष नहीं जानते कि उन्हें बेल्ट खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दिक्कत को हल करती कुछ बातें...

बेल्ट की लंबाई : बेल्ट की लंबाई की उसकी सुंदरता तय करती है। हद से ज्यादा लंबे बल्ट कभी सुंदर नहीं लग सकते। बड़े ब्रांड तो कमर के नाप के हिसाब से ही प्रोडक्ट निकालते हैं। आप जाइए और शॉपकीपर को कमर का नाप बताइए वो पूरी रेंज सामने रख देगा। सही तरीका भी यही है। अगर ब्रांडेड बेल्ट नहीं खरीद रहे हैं तो यह ध्यान रखिये कि बेल्ट पहनने के बाद अतिरिक्त हिस्सा पैंट के लेफ्ट साइड के पहले बकल से थोड़ा ही ज्यादा होना चाहिए। यह बचा हिस्सा अगर दूसरे बकल तक पहुंच गया तो बात बिगड़ जाएगी।

बकल्स की चौड़ाई : जितना चौड़ा बकल आप लेंगे, उतना ही कम फॉर्मल यह लगेगा। बड़े बकल कैजुअल ड्रेसिंग पर ही अच्छे लगते हैं। पैंट्स पर तो कतई नहीं! बड़े बकल्स में राउंड शेप सबसे ज्यादा चलन में होता है, फिर चाहे आप इसे गोल्ड फिनिश में लें या सिल्वर फिनिश में। इन्हें स्टाइल करते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप जिस रंग की आपने कफलिंक्स, टाई पिन पहनी हो उसी से मैच करता हुआ बेल्ट का बकल होना चाहिए। यह जरूर ध्यान रखें कि वेडिंग रिंग से इसे कभी मैच नहीं करना है।

जितना पतला और सिंपल बकल होगा, उतना ही यह फॉर्मल लगेगा। ऑफिस के लिए यही ठीक रहते हैं। जीन्स पर यह कम अच्छे लगते हैं। जीन्स के लिए बड़े बकल ही बेहतर ऑप्शन हैं और यह उन्हें बेहतर ढंग से थामते भी हैं।

रंग की बात : लेदर का रंग हमेशा ही लेदर से मैच करता हुआ होना चाहिए। ब्लैक जूते पहने हैं तो ब्लैक बेल्ट पहन सकते हैं, ब्राउन लेदर शू पर ब्राउन बेल्ट ही सुंदर लगेगा। फिनि का भी आपको ध्यान रखना होगा। मैट फिनिश के शूज के साथ मैट फिनिश बेल्ट ही अच्छा लगेगा। इसी तरह ग्लॉसी बेल्ट्स के साथ शाइनी शू पहने होना चाहिए।

ये टिप्स भी हैं काम की...

- ब्रैडेड बेल्ट यानी चोटी की तरह गूंथे हुए बेल्ट में कभी भी बकल के लिए छेद न करवाएं। इसमें बीच में जो जगह होती है उसका उपयोग किया जाना चाहिए।
- ज्यादातर बेल्ट काल्फस्किन के बने होते हैं। जितना ज्यादा यह सॉफ्ट होगा, उतनी ही हाई क्वालिटी का होगा।
- कड़क बेल्ट में दरारें पड़ने का डर होता है। इन्हें खरीदने से बचा जाना चाहिए।
- अच्छे स्टोर पर बेल्ट काटकर भी दिए जाते हैं। आकार के हिसाब से यहां जानकार इसे काट देते हैं।
- बड़े ब्रांडों का नाम भी अक्सर बेल्ट पर उभरा रहता है लेकिन यह याद रखें कि बेल्ट इतने छोटे होते हैं कि इन्हें कोई भी दूर से नोटिस नहीं कर पाता है। बेहद छोटे नामों के पीछे खासी रकम खर्चने से बच सकते हैं। इसकी जगह तो क्वालिटी पर इनवेस्ट करना चाहिए।

अब तो अपना ही लीजिए साइकिल

कुछ के लिए यह विचार ही अजीब हो सकता लेकिन यकीं मानिये साइकिल को जीवन के किसी भी पड़ाव पर जिंदगी में शामिल करने के जबरदस्त फायदे हैं। फिट रहने का भी शौक रखते हैं तो ये सवारी वाकई आपकी है। पेश हैं कुछ कारण जो आपको साइकिल खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे।

इको फ्रेंडली राइड

प्रकृति की चिंता करने के लिए जरूरी नहीं कि किसी पर्यावरण संस्था से जुट जाएं। आपकी जरा-सी कोशिश से भी बड़ा फर्क आ सकता है। साइक्लिंग करें और एयर पॉल्यूशन कम करने की हर सम्भव कोशिश करें। कार चलाने की आदत कुछ दिन के लिए ही छोड़े और फर्क महसूस करें। यह खुशी इतनी बड़ी महसूस होने लगेगी की कि खुद-ब-खुद काम से काम कार चलाएंगे।

सबसे जरूरी सेहत

जब जिम में साइकिल शामिल कर ली गई है तो अंदाजा लगा सकते हैं कि सेहत के मामले में इसे चलाने के कितने फायदे हैं। साइकिल चलाना मजेदार तो है ही, इससे आपके शरीर के कई अंग एक साथ काम करते हैं। यह ब्लड सर्क्युलेशन बेहतर करती है और इसकी सवारी करने वालों को दिल की बीमारी होने के भी बेहद कम चांस होते हैं। आंखों की रोशनी बेहतर करना चाहते हैं तो भी रेग्युलर सायक्लिंग करें। सायक्लिंग से तनाव भी काफी कम होजाता है और इस तरह ये हमारे इमोशनल डेवलपमेंट में भी मदद देती है।

कई झंझट खत्म

साइकिल को अपनी सवारी बनाने के कई फायदे धन के गणित से भी जुड़े हैं। यह फाइनेंशियल बर्डन जरा नहीं है। इसकी सवारी से शहरों में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी आप बच सकते हैं। इस तरह हर जगह आप वक्त पर पहुंचेंगे। इसकी सवारी से आप खुद को ज्यादा डाइनैमिक मानने लगेंगे और काफी हद तक तनाव रहित महसूस करेंगे। मजेदार तो यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पत्ती और न ही टैक्स देना पत्ता है। इसलिए जल्द ही अपने लिए एक साइकिल खरीदें और लाइफ को आसान बनाएं। पेट्रोल का पैसा, रिपेयरिंग का खर्च वगैरह आप बचाएंगे वो अलग।

देखें दुनिया करीब से

कार या स्कूटर की सवारी काफी तेज होती है। इस गति की वजह से आप कई चीजें ठीक से देख भी नहीं पाते जो अक्सर आपके रास्ते में होती है। साइकिल से आप ये नजारे देख पाएंगे और नजदीक से महसूस कर पाएंगे। वैसे भी सायक्लिंग एक तरह की लत है। जिनको साइकिल चलाने की आदत है वे इसके बिना नहीं रह पाते। किसी भी संडे को अपने शहर में एक सायक्लिंग एडवेंचर प्लान करने से मजेदार क्या हो सकता है। हर शहर के पास ऐसी जगह होती ही हैं जहां साइकिल से जाया और आया जा सकता है। रास्ते में कई लैंडस्केप्स मिलते हैं जिन्हे पहले देखा ही नहीं होता है। याद रखिये कि साइकिल पर चलकर दुनिया को बिलकुल अलग नजर से देखा जा सकता है और ऐसी जगह घूम सकते हैं जहां पहले कभी नहीं गए।

हरी मिर्च खाने के ये फायदे चौंका देंगे आपको...

हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, लुटेन - जॅक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं. वैसे तो आमतौर पर इसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही किया जाता रहा है लेकिन हाल में हुए कई शोध इस बात का दावा करते हैं कि हरी मिर्च खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

1. हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है. विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है.
2. हरी मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा माध्यम है. हरी मिर्च में डाइट्री फाइबर्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुचारू बनी रहती है.
3. विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है.
4. हाल में हुई कुछ स्टडीज के अनुसार, हरी मिर्च ब्लड शुगर को कम करने में कारगर होती है .

इन बातों से बनेगा आपका दमदार व्यक्तित्व

अभी तक यह माना जाता था कि व्यक्तित्व जन्मजात होता है और वह बदला नहीं जा सकता है। पिछले कुछ सालों से कुछ विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया है कि अभ्यास और ट्रेनिंग से आपके व्यक्तित्व को बदला जा सकता है। इसके लिए आपको परिश्रम करना होगा और समर्पण के साथ प्रयास करने होंगे। तभी आप अपने व्यक्तित्व में ऐसे परिवर्तन ला पाएंगे जिनके सहारे आप एकेडमिक और व्यवसायिक सफलता हासिल पाएंगे। देखें क्या हैं वे जरूरी तत्व जो देते हैं हमें दमदार पर्सनैलिटी।

कॉन्फिडेंस : व्यक्तित्व आपकी संपूर्णता का ही एक हिस्सा है, इसलिए यह जरूरी है कि आप जिस दिशा में सोच रहे हैं, विश्वास कर रहे हैं और काम कर रहे हैं उसमें दृढ़ता दिखाएं। यह दूसरों के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए जरूरी है। फिर यह भी जरूरी है कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता पर विश्वास रखें और यह यकीन भी रखें कि आप हर उस बाधा को पार कर लेंगे जो आपके सामने आएगी। यदि आप एक टास्क को पूरा करने में लगे हुए हैं तो आप फिर से ड्राइंग बोर्ड की तरफ लौटें। अपनी योजना का एक प्लान बनाएं और उसमें आने वाले सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर पूरी तरह से विचार करें। 90 प्रतिशत मामलों में यदि आप अपने प्रयासों को लेकर आश्वस्त हैं असफलता की आशंका कम होती जाती है।

अक्सर यह बताया जाता है कि हरेक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट है और इसलिए दुनिया में उसके जैसा

कोई और हो ही नहीं सकता है। हालांकि यह हमें बहुत ही घिसा-पिटा लगता है लेकिन यह सही है। इसका संबंध हमारे विशिष्ट स्वभाव, राय या व्यवहार से है जो हमें दूसरों की नजर में इंट्रेस्टिंग बनाता है, और यही हमारे व्यक्तित्व का सबसे जरूरी हिस्सा भी होता है। अत: जरूरी है कि किसी की तरह होने की बजाए खुद हों। ज्यादातर मामलों में, सफलता पाने के लिए लोग दूसरों के विचारों और व्यवहारों की नकल करते हैं। जबकि ऐसी चीजें थोड़े समय के लिए लाभकारी हो सकती है, यह बाद में काम नहीं करती है। हां जरूरी यह है कि आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचानें और उन पर काम करें और फिर उस हिसाब से अपने व्यक्तित्व को ढालें।

अटायर : ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात पर यकीन करते हैं कि व्यक्तित्व प्रारंभिक तौर पर एक व्यक्ति की योग्यता, क्षमता से ही बनती है। लेकिन आपका अटायर या जो कपड़े आप पहनते हैं वह इस नियम का अपवाद है। आपकी भौतिक उपस्थिति की लोग अमूमन उपेक्षा करते हैं, यदि आपका अटायर इस बात को प्रभावित करता है कि आप लोगों के सामने कैसे जाते हैं? आपको हमेशा ऐसे कपड़े पहनना चाहिए जो आपके स्ट्रक्चर, आपके बॉडी टाइप और अवसर के अनुकूल हों।

बॉडी लैंग्वेज : आज के दौर में आपकी बॉडी लैंग्वेज आपके बारे में उससे ज्यादा कह देती है, जितना आप स्वयं कहकर या फिर अपने ज्ञान से नहीं कह सकते हैं। यहां तक कि आपके त्वरित हावभाव और आपका दिन-प्रतिदिन का व्यवहार जिसे आप उतना महत्व नहीं देते हैं लेकिन वही आपके व्यक्तित्व के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आप कैसे बैठते हैं, कैसे बोलते, हाथ मिलाते हैं या फिर अभिवादन करते हैं, किस तरह बातचीत के दौरान आप नजरें मिलाते हैं यह सब कुछ आपके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसलिए जरूरी है कि आप इसका अच्छे से अभ्यास करें।

वाकपटु स्वभाव : आपकी बॉडी लैंग्वेज, संवाद-कौशल चाहे लिखित हो या मौखिक आपके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकप्रिय विश्वास से अलग बातचीत भी एक तरह की कला है और यह शिष्टता, भद्रता और रचनात्मकता का मिलाजुला रूप है, तभी यह ज्यादा प्रभावोत्पादक हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, लोग औपचारिक लिखित कम्युनिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जैसे ही बात मौखिक होती है, उन्हें मुश्किल आती है। याद रखें यह भी आपके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। किस तरह से आप अपने विचार व्यक्त करते हैं, आपके शब्दों का चयन क्या होता है, बात करने का लहजा कैसा है, जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसमें आपकी सहभागिता कैसी है और आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है यह सब अच्छे कम्युनिकेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिष्ट व विनम्र स्वभाव : आपका व्यक्तित्व आपकी आदत और व्यवहार के पैटर्न से भी परिभाषित होता है। और यही आपके रोजमर्रा के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए आपका स्वभाव ऐसा होना चाहिए कि वह दूसरों पर गहरा प्रभाव डालें।

शिष्ट-शालीन और विनम्रता के साथ सहज व्यवहार अब भी फैशन से बाहर नहीं हुआ है। उल्टा, ये सारी चीजें आपके व्यक्तित्व में गिनी जाएंगी।

अपनी रुचि तराशें : अपने व्यक्तित्व के विस्तार के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्ञान का स्तर बढ़ाएं, ज्यादा से ज्यादा अनुभव लें। ज्यादा पढ़ें, कुछ नया सीखें। अपनी रुचि विकसित करें, क्योंकि जितना अधिक आपका एक्सपोजर होगा, आप उतना ज्यादा सीखेंगे। और यही आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगा जो आपके प्रतिस्पर्धी पर आपको बढ़त देगा।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला

विपक्षी दल अकसर आरोप लगाते हैं कि भाजपा 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की विरोधी है। जबकि इतिहास साक्षी है कि वर्तमान विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों की सरकारों ने ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला किया है। संविधान के अनुच्छेद 19 में संशोधन से लेकर आपातकाल और पत्रकारों के बहिष्कार से लेकर समाचारपत्र/चैनल पर प्रतिबंध लगाने तक अनेक उदाहरण हैं। विपक्षी गठबंधन के प्रमुख दल आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि उसने पंजाब में एक प्रमुख समाचार चैनल 'जी न्यूज' को प्रतिबंधित कर दिया है। चैनल ने खुद इसकी जानकारी दी है। चैनल ने कहा कि जी मीडिया के सभी चैनलों को पंजाब में बंद कर दिया गया है, वहाँ लोग अपने घर में जी के चैनल नहीं देख पा रहे हैं। मीडिया संस्थान ने इसे प्रेस की आज़ादी पर हमला बताते हुए कहा है कि उसे पंजाब में ब्लैकआउट कर दिया गया है। चोर की भाँति आम आदमी पार्टी की दाड़ी में भी तिनका इसलिए भी नजर आ रहा है क्योंकि इस मामले में पार्टी या पंजाब सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब अब तक नहीं आया है। दिन-रात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की दुहाई देनेवाली कांग्रेस भी पंजाब सरकार की चुप्पी पर प्रश्न नहीं उठा रही है। हालांकि कांग्रेस किस मुंह से इस मामले में बोलेगी क्योंकि कांग्रेस ने तो कुछ समय पर देश के लगभग 14 पत्रकारों की सूची जारी करके उनका सार्वजनिक बहिष्कार किया था। यह और बात है कि जनता के बीच अपनी बात पहुँचाने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता उन पत्रकारों के कार्यक्रम में लगातार जा रहे हैं। बीते दिन ही कांग्रेस के चेहरे राहुल गांधी ने एक वरिष्ठ पत्रकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने के उद्देश्य से उनके लिए 'चमची' शब्द का उपयोग किया। मीडिया और पत्रकारों के प्रति यह जो वातावरण कांग्रेस एवं विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से बनाया जा रहा है, वह किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस मानसिकता की जितनी आलोचना की जाए कम है। मीडिया को कभी 'गोदी मीडिया', चाटूकार, चम्मच, चमची इत्यादी उपमाएं देने का जो चलन विपक्ष की ओर से प्रारंभ हुआ है, वह घातक है। यह मानसिकता आपातकाल का स्मरण भी कराती है, जब कांग्रेस ने समाचारपत्रों की निगरानी के लिए सरकारी लोग बैठा दिए थे। उनको दिखाए बगैर कोई समाचार प्रकाशित नहीं हो सकता था। जो समाचार पत्र/पत्रिकाएं कांग्रेस के दमन के आगे झुके नहीं, उनकी स्वतंत्रता को बाधित करने के लिए सत्ता के इशारे पर बिजली काट दी गई। डर यह है कि जब कभी कांग्रेस और विपक्षी दल सत्ता के केंद्र में आएंगे, तब मीडिया के प्रति इनका आचरण किस प्रकार का होगा? यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि कई कांग्रेसी नेता पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों को चेतवनी देने हुए देखे जा सकते हैं। विपक्षी दलों के व्यवहार से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि ये केवल चुनावी लाभ के लिए ही लोकतंत्र, संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर बात करते हैं। इनकी सुरक्षा के संदर्भ में ये दल बहुत गंभीर नहीं है। जी मीडिया पर पंजाब में अघोषित प्रतिबंध लगाए जाने की सबको मिलकर निंदा करनी चाहिए। मीडिया की स्वतंत्रता भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

संविधान के अनुच्छेद 19 में संशोधन से लेकर आपातकाल और पत्रकारों के बहिष्कार से लेकर समाचारपत्र/चैनल पर प्रतिबंध लगाने तक अनेक उदाहरण हैं। विपक्षी गठबंधन के प्रमुख दल आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि उसने पंजाब में एक प्रमुख समाचार चैनल 'जी न्यूज' को प्रतिबंधित कर दिया है। चैनल ने खुद इसकी जानकारी दी है। चैनल ने कहा कि जी मीडिया के सभी चैनलों को पंजाब में बंद कर दिया गया है, वहाँ लोग अपने घर में जी के चैनल नहीं देख पा रहे हैं। मीडिया संस्थान ने इसे प्रेस की आज़ादी पर हमला बताते हुए कहा है कि उसे पंजाब में ब्लैकआउट कर दिया गया है। चोर की भाँति आम आदमी पार्टी की दाड़ी में भी तिनका इसलिए भी नजर आ रहा है क्योंकि इस मामले में पार्टी या पंजाब सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब अब तक नहीं आया है। दिन-रात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र की दुहाई देनेवाली कांग्रेस भी पंजाब सरकार की चुप्पी पर प्रश्न नहीं उठा रही है। हालांकि कांग्रेस किस मुंह से इस मामले में बोलेगी क्योंकि कांग्रेस ने तो कुछ समय पर देश के लगभग 14 पत्रकारों की सूची जारी करके उनका सार्वजनिक बहिष्कार किया था। यह और बात है कि जनता के बीच अपनी बात पहुँचाने के लिए कांग्रेस के प्रवक्ता उन पत्रकारों के कार्यक्रम में लगातार जा रहे हैं। बीते दिन ही कांग्रेस के चेहरे राहुल गांधी ने एक वरिष्ठ पत्रकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने के उद्देश्य से उनके लिए 'चमची' शब्द का उपयोग किया।

धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं

जरूरी है भावी पीढ़ी को तंबाकू उत्पादों से बचाना

योगेश कुमार गोयल

पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है।

तंबाकू उत्पादों को लेकर पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोध यह प्रमाणित कर चुके हैं कि धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं। ये शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देते है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनते हैं। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'तंबाकू उद्योग के दखल से बच्चों की रक्षा करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है ताकि भविष्य की

पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

दृष्टि कोण

मुस्लिम साझेदारी सुधारने का सवाल

अठारहवें लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या में गौरतलब गिरावट भारतीय चुनावी राजनीति की दो दिलचस्प दिशाओं को रेखांकित करती है। अव्वल तो यही लगता है कि सियासी दल वास्तव में पेशेवर हो गए हैं। उन्होंने जीतने की क्षमता को ही प्रत्याशी चयन का पैमाना बना लिया है। दलों की टिकट वितरण व्यवस्था अब किसी वैचारिक प्रतिबद्धता से निर्देशित नहीं होती है। इसके बजाय, जाति, धर्म को ज्यादा महत्व दिया जाता है। सिर्फ राजनीतिक साख के लिए किसी मुस्लिम को टिकट देना अब व्यावहारिक रूप से कठिन हो गया है। दूसरी, राजनीति के प्रमुख आख्यान के रूप में हिंदुत्व-संचालित राष्ट्रवाद के उद्भव ने गैर-भाजपा दलों पर भी असर डाला है। ये दल खासकर राजनीतिक सदंर्भों में महज मुस्लिम पहचान या छवि से बचने लगे हैं। भाजपा अपने अब तक के प्रयासों से यह धारणा बनाने में सफल रही है कि अतीत में विपक्षी दलों ने मुसलमानों का तुष्टीकरण किया है और इससे हिंदू हित कमजोर हुआ है। कोई भी पार्टी नहीं चाहेगी कि वह सिर्फ मुस्लिम समर्थक के रूप में पहचानी जाए। वैसे, आज के भारत में मुसलमानों के सियासी हाशिये पर होने का जवाब तलाशते हुए उनकी समाजशास्त्रीय विविधता के साथ-साथ कानूनी-सांविधानिक ढांचे पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। एक समय था, जब जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में उत्तर-औपनिवेशिक सरकार इस मोर्चे पर स्पष्ट थी। वह मुसलमानों को सांविधानिक अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता देने और उनकी रक्षा करते हुए सांप्रदायिक राजनीति से छुटकारा पाने की इच्छुक थी। सांप्रदायिक राजनीति की वजह से ही देश विभाजित हुआ था। इस परस्पर विरोधी लगने वाले मुद्दे से निपटने के लिए एक अलिखित मानदंड बनाया गया था। नागरिकों के एक समूह को 'मतदाता' के रूप में देखते हुए प्रतिनिधित्व की धर्मनिरपेक्ष अवधारणा बनाई गई थी। वैसे, जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 साफ कहता है कि धर्म को चुनावी प्रक्रियाओं से अलग रखना चाहिए। असंख्य मतदाताओं की धर्मनिरपेक्ष सोच ने कम से कम सैद्धांतिक रूप से एक संभावना पैदा की कि मुस्लिम मतदाता सिर्फ मुस्लिम उम्मीदवारों को वोट नहीं करेंगे। दूसरे शब्दों में कहें, तो नेहरूवादी सरकार ने निर्वाचित निकायों में पृथक मुस्लिम प्रतिनिधित्व को दृढ़ता से हतोत्साहित किया था। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि सामूहिक मुस्लिम हितों की अनदेखी की गई। धर्मनिरपेक्ष भारत में मुस्लिम भागीदारी के लिए दो महत्वपूर्ण तंत्र अपनाए गए। सबसे पहले, राज्यसभा और राज्य विधान परिषदों से मुस्लिम नेताओं को लाने का तरीका आजमाया गया। बाद में भारतीय जनसंघ और भाजपा भी अपने मुस्लिम नेताओं को राज्यसभा के रास्ते ही आगे लेकर आई। दूसरा, धर्मनिरपेक्ष भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न पहलू के रूप में मुस्लिम उपस्थिति की सराहना की गई। संविधान में अल्पसंख्यक को दिए गए अधिकारों के प्रावधान के साथ यह अच्छा हुआ। सरकारों ने भी देश के धर्मनिरपेक्ष लोकाचार को दर्शाने के लिए मुस्लिम तहजीब और विरासत को सामने पेश किया। निर्वाचित निकायों में अलग मुस्लिम प्रतिनिधित्व से इनकार और सार्वजनिक जीवन में सकारात्मक मुस्लिम उपस्थिति के बीच का समीकरण बहुत नाजुक था। सियासी दल चुनावी गणना से निर्देशित होते थे। ऐसे में, जरूरी था कि वे चुनावी मुद्दे के रूप में मुस्लिम हितों को सामने लाएं। नेहरू के निधन के ठीक बाद यही हुआ। इंदिरा गांधी ने धर्म की एक नई राजनीति शुरू की, जिसने मुस्लिम प्रतिनिधित्व और मुस्लिम भागीदारी के बीच संतुलन की पूरी तरह उपेक्षा की। वास्तव में, 2006 में सच्चर आयोग की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर बहस को नवजीवन मिला। मुस्लिमों की उपेक्षा और पिछड़ापन नीतिगत मुद्दों के रूप में उभरे, जबकि सामाजिक समावेशन का खाका चुनावी राजनीति का मार्गदर्शक सिद्धांत था। मुस्लिम भागीदारी और मुस्लिम प्रतिनिधित्व के मिश्रण ने यह धारणा बनाई कि सांविधानिक धर्मनिरपेक्षता एक अलग मुस्लिम सियासी पहचान की रक्षा से संबंधित है। इस अस्पष्ट स्थिति ने हिंदुत्व की राजनीति की इस दलील को मजबूत किया कि मुस्लिम पिछड़ेपन व भागीदारी पर कोई चर्चा अलगाववाद को ही जन्म देगी। 2024 में भाजपा का चुनावी अभियान स्पष्ट रूप से इसी तर्क की अभिव्यक्ति है। अब सवाल उठता है : हमें मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में कैसे बात करनी चाहिए, खासकर अब जब मुस्लिम पहचान गैर-भाजपा दलों के लिए भी राजनीतिक समस्या बन गई है? मैं इससे निपटने के लिए एक प्रस्ताव करता हूं। सबसे पहले, प्रतिनिधित्व के विचार को ही लोकतांत्रिक बनाने की जरूरत है। मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर किसी भी चर्चा में मुस्लिम दलितों, मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों की चिंताओं को स्वीकार किया जाना चाहिए। इसमें पसमांदा राजनीति का योगदान बहुत खास है। दूसरा, व्यापक संस्थागत व्यवस्था का लोकतंत्रीकरण। हमें मुस्लिम प्रतिनिधित्व का मूल्यांकन करने के लिए सिर्फ संसद और विधानसभाओं को ही नहीं देखना चाहिए।

कुछ अलग

छायादार पेड़ों की कटाई, सब पर अब पड़ रही है भारी

इस साल मई के अंतिम सप्ताह में उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश शहरों में तापमान ने पिछले कई सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया। मई के अंतिम दिनों में सूर्य ने रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश किया। आम बोलचाल की भाषा में ये नौतपा के दिन कहे जाते हैं और मान्यता है कि नौतपा के दौरान तापमान सामान्य से अधिक होना अच्छे मानसून का संकेत होता है। लेकिन इन दिनों धरती जिस तरह तप रही है, वह असामान्य है। एक बड़ा कारण यह भी है कि हमारे शहरों से छायादार वृक्ष तेजी से गायब होते जा रहे हैं। छायादार पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल हमें फल और औषधि देते हैं, अपितु अनेक जीवों को अपने आश्रय में स्थान देकर पर्यावरण के संरक्षण में भी योगदान करते हैं। क्या आपने कभी ग़ौर किया कि हमारे घरों के आसपास हमेशा फुदकने वाली गौरैया की चहचहाट अचानक कहां गुमने लगी है या गुम हो गई है? छायादार पेड़ों का कटना जैव विविधता की दृष्टि से बड़ी चुनौती बन गया है। पिछले दिनों डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के कुछ शोधार्थियों ने भारत के साठ करोड़ पेड़ों का एक मानचित्र बनाया और उनके बारे में अध्ययन किया। इस अध्ययन की रिपोर्ट नेचर सस्टेनेबिलिटी नामक एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में छपी है। इस अध्ययन में सामने आया है कि सन् 2018 से 2022 के बीच भारत के खेतों से 53 लाख छायादार पेड गायब हो गए हैं। आम, नीम, पीपल, बरगद, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी, शीशम, नारियल जैसे पेड़ हैं जिनमें से कई पेड़ों का मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे भी अधिक था। इस वर्ष मई के तीसरे सप्ताह में ही जिस तरह से पश्चिम और मध्य भारत के शहरी इलाके तपने लगे, उसने आम आदमी में यह चिंता जगा दी है कि आने वाले समय में गर्मी कितनी कठिन होगी। हमारे पूर्वज पेड़ों के महत्त्व को समझते थे। इसीलिए भारतीय वांग्मय में छायादार पेड़ों को बहुत पवित्र माना गया है। गीता में तो कृष्ण स्वयं को पेड़ों में अश्वत्थ यानी पीपल बताते हैं। पुराने ग्रंथों में पीपल, बड़ जैसे पेड़ों की महत्ता विस्तार से लिखी गई है। वनस्पति के प्रति भारतीय मानस के मन में सम्मान की परंपरा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब किसी काम से पेड़ की लकड़ी के एक हिस्से या थोड़ी सी जड़ भी लेनी होती थी तो शास्त्रों का निर्देश था कि पहले पेड़ की पूजा करो और फिर क्षमा मांग कर उस चीज को प्राप्त करो। पेड़ों की पूजा किसी दकियानूसी मानसिकता का परिणाम नहीं था बल्कि प्रकृति की उस रचना के प्रति मनुष्य का आभार व्यक्त करना था जो फल, छाया, लकड़ी, गोंद जैसी कितनी ही चीजों के साथ हमारे कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहती है। कोपनहेगन विश्वविद्यालय के जिन शोधार्थियों ने यह पाया है कि 1918 से सन् 1922 के बीच भारतीय खेतों से 53 लाख से भी अधिक छायादार पेड़ कट गए, उन्होंने अपने अध्ययन में उन वृक्षों का तो जिक्र ही नहीं किया जो खेतों से इतर जगहों पर थे और विकास के नाम पर नेस्तनाबूद कर दिये गए। रिपोर्ट के अनुसार कुछ इलाकों में तो एक किलोमीटर में पचास से अधिक पेड़ की दर से घने छायादार पेड़ काटे गए हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को डरा सकती है। शहरीकरण के कारण पिछले कुछ सालों में कृषि भूमि पर अंधाधुंध निर्माण हुआ है और इसी क्रम में घने छायादार पेड़ों को भी निर्ममता से काटा गया है।

देश दुनिया से

झुलसाती हवाओं का बढ़ता इलाका

जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है।

हर साल मई के आखिरी पखवाड़े से लेकर जून के अंत तक, जब तक मानसून गंगा के मैदानी इलाकों में नहीं आ जाता, उत्तर भारत में गरमी सामान्य मौसमी परिघटना है। इन दिनों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे तमाम राज्य तपते रहते हैं। यह मानसून में तेजी लाने के लिए आवश्यक भी माना जाता है, क्योंकि गरमी जितनी तेज होती है, अरब सागर से उतना ही मजबूत मानसून भारत को भिगोता है। मगर अब जरूरत से अधिक गरमी पड़ने लगी है और तापमान 50 डिग्री के पार जाने लगा है। भारत के कई शहर तो पहले से अधिक गरम हो चले हैं। आखिर क्यों? दरअसल, इसकी बड़ी वजह जलवायु में लगातार हो रहा बदलाव है। जलवायु परिवर्तन के कारण अब हर मौसम पिछला रिकॉर्ड तोड़ता नजर आता है। इसी साल जनवरी पिछले वर्ष के जनवरी माह से अधिक गरम था। फरवरी, मार्च या अप्रैल महीने की भी यही कहानी रही। स्थिति यह है कि वैश्विक गरमी 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान की सीमा को पार कर चुकी है, जबकि समुद्र तटों के किनारे के देश साल 2100 तक वैश्विक गरमी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के हिमायती हैं। पेरिस समझौते में भी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस कम करने पर सहमति बनी थी, लेकिन नतीजा अब भी सिफर ही दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का कहना है कि जब तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होती है, तो हीट वेव की आवृत्ति (आने की दर), समय और प्रभाव में कम से कम दोगुना का इजाफा होता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में हीट वेव आने की दर बढ़ गई है। पहले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र जैसे राज्य ही इसकी चपेट में आते थे, लेकिन अब तेलंगाना, उत्तरी कर्नाटक जैसे इलाके भी मार्च-अप्रैल से ही बेहिसाब गरमी झेलने को मजबूर हैं। सरकारों ने तो पहले से ही इससे लड़ने की तैयारियां शुरू कर दी थीं। बहरहाल, तापमान का बढ़ना और गरमी की तपन महसूस करना, दोनों अलग चीजे हैं। आपने खबरों में भी देखा होगा कि कहीं तापमान तो कम होता है, लेकिन गरमी अधिक महसूस होती है। यह काफी हद तक नमी पर निर्भर करता है। यदि वातावरण में नमी कम हो, तो शुष्क, यानी सूखी गरमी पड़ती है, जिसमें कूलर, पंखा आदि से राहत मिल जाती है। मगर जब तापमान के साथ नमी भी होती है, तो हमारे शरीर से काफी ज्यादा पसीना निकलने लगता है और 35-36 डिग्री सेल्सियस तापमान भी 40 डिग्री के समान महसूस होने लगता है। ऐसी उमस में एयर कंडिशनर ही कारगर साबित होता है। उल्लेखनीय है कि तापमान मापने का तरीका बिल्कुल सामान्य है। शहर की कुछ जगहों पर इसकी मशीनें लगाई जाती हैं, जिनमें थर्मामीटर की तरह तापमान मापने वाला यंत्र होता है। वही हवा की गति भी माप लेता है। अभी विशेषकर उत्तर भारत में तापमान में जो उछाल दिखने को मिल रहा है, उसमें जल्द ही कुछ राहत मिल सकती है। अगले तीन-चार दिनों में जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ आ सकता है। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में तो बुधवार की शाम हल्की बारिश भी हुई। इस विक्षोभ से राजस्थान को छोड़कर शेष मैदानी इलाकों में कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, इसका असर भी तीन-चार दिनों तक ही रहेगा, फिर सूरज पहले की तरह आग बरसाने लगेगा। यह स्थिति कमोबेश मानसून आने तक बनी रहेगी। बढ़ती गरमी मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाती है। जिस तरह 98.5 फारेनहाइट तापमान के बाद शरीर में हलचल तेज हो जाती है, उसी तरह 37 डिग्री से अधिक का तापमान शरीर को बेचैन कर सकता है। इसके बाद मुख्यतः बेहतर प्रतिरोधक क्षमता ही गरमी का मुकाबला करती है। चूंकि बच्चे और बुजुर्गों में यह क्षमता कम होती है, इसलिए उनके साथ-साथ उन लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, जो पहले से बीमार होते हैं। हालांकि, सावधानी सामान्य आदमी को भी रखनी चाहिए, क्योंकि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है, तो शरीर में पानी घटने लगता है और शारीरिक क्षमता घटकर आधी रह जाती है। यही कारण है कि गरमी के महीने में पानी अधिकाधिक पीने और मौसमी फलों का सेवन करने को कहा जाता है। नारियल, खीरा, तरबूज, ककड़ी, खरबूजा जैसे फल शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सक्षम होते हैं। एक यह सावधानी भी बरतने को कहा जाता है कि सुबह 11 बजे से लेकर शाम चार बजे तक धूप के 'एक्सपोजर' से बचना चाहिए।

आप का नजरिया

छोटी नदियों को जिंदा रखने की मुहिम

छोटी नदियों के संगम से बनी गंगा 2,550 किलोमीटर, ब्रह्मपुत्र और सिंधु भारत में क्रमशः 916 और 1,114 किलोमीटर लंबी हैं। लगभग सभी बड़ी नदियों के उद्गम ग्लेशियरों से हैं। इनके बहाव क्षेत्र में जंगल, तराई, मैदान और बीहड़ क्षेत्रों से छोटी-छोटी नदियां बड़ी नदियों में मिल रही हैं। भारत की सबसे छोटी नदी अरवरी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर राजस्थान के अलवर जिले में बहती है। यमुना सबसे बड़ी सहायक नदी है। यमुना में भी टौंस, हिंडन, चंबल, बेतवा आदि मिलती हैं। छोटी नदियां बड़ी नदियों के प्रवाह बढ़ाने के साथ उन्हें भूजल पुनर्भरण में सक्षम बनाती हैं। मिट्टी की नमी बनाए रखती और जैव विविधता में सुधार करती हैं। सूखे और बाढ़ का सामना करने में मदद करती हैं, लेकिन सूख रही छोटी नदियों का कायाकल्प समुदाय के बिना संभव नहीं है। इन सहायक और छोटी नदियों में निरंतर घटती जल राशि चिंता का विषय है। ग्लेशियरों के सूखने से हिमपोषित नदियां भी सूख रही हैं। भीषण गर्मी से बुंदेलखंड की कई नदियां सूख गई हैं। गंगा-यमुना की छोटी नदियां और जल स्रोत सूख गए हैं। हर वर्ष हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन-धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है, जहां तालाब, जोहड़ जैसी जल संरचनाएं होती थीं। अब उन स्थानों पर बहुमंजिला इमारतें बन गई हैं। खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत असर डाला है। भूजल बहुत नीचे चला गया है। इन चुनौतियों के बावजूद आज भी भारत के गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन से जल की व्यवस्था करते हैं, जिससे विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत किए हैं कि सूखी छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। अलवर में तरुण भारत संघ ने सूखी नदियों को जिंदा कर दिया है। लोग वहां नदियों के पुनर्जीवन के सामाजिक और पर्यावरणीय तरीके सीख रहे हैं। बुंदेलखंड में परमार्थ समाजसेवी संस्थान ने छोटी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जोरदार अभियान चला रखा है। उन्होंने अब तक विलुप्त होती बछेड़ी, कनेरा, बारगी, खूडर, घुरारी नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थानीय राज-समाज के साथ मिलकर महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। मध्य प्रदेश के खजुराहो में हाल ही में जल जन जोड़ो अभियान और परमार्थ समाजसेवी संस्थान द्वारा आयोजित एक संवाद में 15 राज्यों से 50 नदी प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि 51 नदियों के पुनर्जीवन हेतु यात्रा का आयोजन होगा। जलपुरुष राजेंद्र सिंह की अगुवाई में देश भर से आए जल विशेषज्ञों ने मांग की है कि केंद्र सरकार नदियों के लिए एक स्पष्ट नदी नीति बनाए। नदियों के लिए काम करने वाले लोग मानते हैं कि छोटी नदियों का समुदाय की खाद्य सुरक्षा, उनका सम्मानजनक जीवन और उनके आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है।

अडाणी ग्रुप फिर से कारोबार विस्तार के ट्रैक पर लौटा : जेफरीज

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां) ।

वित्त वर्ष 2024 में अडानी ग्रुप के ईबीआईटीडीए में सालाना आधार पर 40 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। साथ ही प्रवर्तकों ने कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई है। ग्रुप की ओर से इक्विटी, डेट और रणनीतिक निवेशकों से फंड जुटाया गया है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक जेफरीज की रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2023 की शुरुआत में शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण ग्रुप के बाजार पूंजीकरण में हुई बड़ी गिरावट के बाद भी पिछले वित्त वर्ष में ग्रुप का ईबीआईटीडीए 40 प्रतिशत बढ़कर 66,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

जेफरीज के मुताबिक, अदाणी ग्रुप एक बार फिर से तेजी से विस्तार के रास्ते पर आ गया है। अगले दशक में ग्रुप की योजना 90 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजीगत व्यय करने की है।

रिपोर्ट में बताया गया कि ग्रुप का ईबीआईटीडीए सालाना 27 प्रतिशत के सीएजीआर से बढ़ रहा है। वहीं, ग्रुप की कंपनियों का ईबीआईटीडीए 16 से 33 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के ईबीआईटीडीए की वृद्धि दर 29 प्रतिशत है। अडानी न्यू इंडस्ट्रीज, सोलर और एयरपोर्ट बिजनेस इसी कंपनी के तहत आता है।

अंबुजा सीमेंट के ईबीआईटीडीए में भी तेजी दर्ज की गई है। वॉल्यूम में वृद्धि के कारण अदाणी पोर्ट का ईबीआईटीडीए 24 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

2.8 गीगावाट की क्षमता के जुड़ने और उच्च क्षमता उपयोग के कारण अदाणी ग्रीन का ईबीआईटीडीए 33 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

इंडिया रेटिंग्स और रिसर्च (आईएनडी-आरए) की ओर से अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की लंबी-अवधि की रेटिंग को अपग्रेड कर आईएनडी ए+ से आईएनडी एए- कर दिया गया। साथ ही कहा था कि कंपनी का आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

नई लाइन के जुड़ने के कारण अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का ईबीआईटीडीए 16 प्रतिशत और लागत कम होने और 15 प्रतिशत वॉल्यूम बढ़ने के कारण अदाणी टोटल गैस का ईबीआईटीडीए 27 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

अदाणी विल्मर के ईबीआईटीए में सालाना आधार पर गिरावट हुई है। इसकी वजह तेल की कीमत में कमी आना है।

रिपोर्ट में जेफरीज के एनालिस्ट ने कहा, अदाणी एंटरप्राइजेज अपनी क्षमता को बढ़ा रही है और वित्त वर्ष 2027 तक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन शुरू कर सकता है। वहीं, नवी मुंबई एयरपोर्ट भी वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही से शुरू हो सकता है। इसके अलावा डेटा सेंटर्स प्रोजेक्ट्स भी तेजी पकड़ रहे हैं।

अदाणी ग्रीन की ओर से 2030 क्षमता विस्तार के लक्ष्य को 45 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को एयर इंडिया विमान 24 घंटे लेट, बिना एसी यात्रियों को बिठाया, लोग होने लगे बेहोश

नई दिल्ली । सैन फ्रांसिस्को जा रहे एयर इंडिया के एक विमान के यात्रियों को दिल्ली हवाई अड्डे पर मुश्किल का सामना करना पड़ा क्योंकि विमान तकनीकी खराबी के कारण उड़ान नहीं भर सका। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि एआई 183 विमान का संचालन बोइंग 777 विमान से किया जाना था और जो करीब साढ़े तीन बजे उड़ान भरने वाली थी, अब उसके समय में बदलाव किया गया है और अब यह उड़ान भरेगी। विमान के कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर देरी की शिकायत की और उनमें से एक ने कहा कि विमान में कोई एयर कंडीशनिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, अगर निजीकरण की कोई कहानी विफल हुई है तो वह है एयर इंडिया। श्वेता पुंज नामक एक पत्रकार ने डीजीसीए और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग कर लिखा, एआई 183 की उड़ान में 8 घंटे से अधिक की देरी हुई, यात्रियों को बिना एयर कंडीशनिंग के विमान में चढ़ाया गया, और फिर उड़ान में कुछ लोगों के बेहोश होने के बाद विमान से उतार दिया गया। यह अमानवीय है! उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे पर फर्श पर बैठे यात्रियों की एक तस्वीर भी साझा की। एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी और इसकी इंजीनियरिंग जांच की गई।

500 रुपए के 5.16 लाख नोट चलन में, हिस्सेदारी मार्च 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली। चलन में मौजूद कुल मुद्रा में 500 रुपये मूल्य के नोटों की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी पहुंच गई।एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 फीसदी थी। इस दौरान 2,000 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी 10.8 फीसदी से घटकर सिर्फ 0.2 फीसदी रह गई। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, पिछले साल मई में 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के कारण500 के नोटों का चलन बढ़ा है।वहीं, 2,000 रुपये के नोटों के चलन में गिरावट आई है।रिपोर्ट में साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक मात्रा के हिसाब से 500 रुपये के सबसे ज्यादा 5.16 लाख नोट चलन मौजूद थे।इस अवधि तक 10 रुपये के नोट 2.49 लाख संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बैंक नोटों के मूल्य में 3.9 फीसदी बढ़ोतरी 2023-24 में चलन में मौजूद नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 फीसदी व 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि क्रमशः 7.8 फीसदी व 4.4 फीसदी थी। मूल्य के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में वृद्धि हाल के वर्षों में सबसे कम है। 2,000 के 26,000 से अधिक नकली नोट पकड़े गए।एक साल पहले 9,806 नकली नोट चिह्नित किए गए थे।

यूनियन बैंक के 6 अफसरों पर केस दर्ज 94 करोड़ की हेराफेरी का मामला

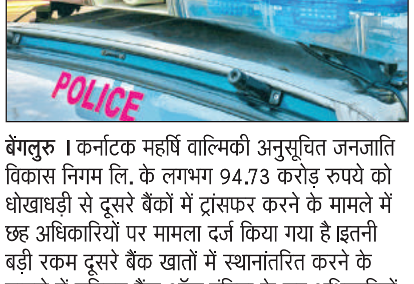

बेंगलुरु । कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम लि. के लगभग 94.73 करोड़ रुपये को धोखाधड़ी से दूसरे बैंकों में ट्रांसफर करने के मामले में छह अधिकारियों पर मामला दर्ज किया गया है।इतनी बड़ी रकम दूसरे बैंक खातों में स्थानांतरित करने के मामले में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के छह अधिकारियों के खिलाफ कर्नाटक में केस दर्ज किया गया है। सुसाइड नोट में अधिकारियों के नाम लिखे कार्रवाई निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद हुई। अधिकारी ने सुसाइड नोट में प्रबंध निदेशक जेजी पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी दुरुगन्नावे और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल का नाम लिखा था। एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद हुई कार्रवाई दरअसल, 28 मई को दायर शिकायत में निगम के महाप्रबंधक ए राजशेखर ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा के प्रबंधन और अन्य पक्षों पर गंभीर धोखाधड़ी गतिविधियों का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को निगम ने अपना खाता वसंतनगर शाखा से राष्ट्रीय बैंक की एमजी रोड शाखा में ट्रांसफर कर दिया। विभिन्न बैंकों और राज्य हुजूर ट्रेजरी खजाने-दो से कुल 187.33 करोड़ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा के बचत बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

2014 से 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संकटग्रस्त ऋण वसूले गए, वित्त मंत्री ने किया दावा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां) ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा कि कि मोदी सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर शासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र को बदल दिया है। सरकार की पहल के कारण बैंकों ने 2014 और 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संकटग्रस्त ऋण की वसूली की है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी के करीब 1,105 मामलों की जांच की है, जिसके परिणामस्वरूप 64,920 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की की गई। दिसंबर 2023 तक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस कर दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है, हाल ही में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने तीन लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर अपना अब तक का सर्वाधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के कारण बैंकिंग क्षेत्र में कायापलट हुआ। हमारी सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में संप्रग सरकार के पापों के लिए व्यापक और दीर्घकालिक सुधारों के माध्यम से प्रायश्चित किया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत फंसे कर्ज की वसूली में कोई नरमी नहीं बरती जा रही, खासकर बड़े डिफॉल्टरों के मामले में और यह प्रक्रिया जारी है। यह 2014 से पहले की स्थिति के विपरीत है, जब कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के भंवर में पहुंचा दिया था। उन्होंने कहा, यह अफ़सोस की बात है कि विपक्षी नेता अब भी राइट-ऑफ और छूट के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं।

अरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार राइट-ऑफ के बाद, बैंक सक्रिय रूप से खराब ऋणों की वसूली का प्रयास करते हैं और, किसी भी उद्योगपति का ऋण माफ नहीं किया गया है। 2014 और 2023 के बीच, बैंकों ने संकटग्रस्त ऋणों से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की।

कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के कार्यकाल पर इस क्षेत्र के कुप्रबंधन की आलोचना करते हुए सीतारमण ने कहा कि एनपीए संकट के बीज कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग युग में फोन बैंकिंग के जरिए बोए गए थे जब संप्रग नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों के दबाव में अयोग्य कारोबारियों को ऋण दिए गए।

उन्होंने कहा, संप्रग के कार्यकाल में बैंकों से कर्ज लेना अक्सर मजबूत कारोबारी प्रस्ताव के बजाय शक्तिशाली संपर्कों पर निर्भर करता था। बैंकों को इन ऋणों को मंजूरी देने से पहले उचित परिश्रम और जोखिम मूल्यांकन की उपेक्षा करने के लिए मजबूर किया गया था।

सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता में आने के बाद एनपीए की पारदर्शी रूप से पहचान, समाधान और वसूली, पीएसबी के पुनर्पूंजीकरण और सुधारों की व्यापक 4आर रणनीति लागू की। उन्होंने कहा, हमारे सुधारों में क्रेडिट अनुशासन, दबाव को पहचानना और समाधान करना, जिम्मेदार ऋण देना और बेहतर प्रशासन शामिल है। हमने बैंकों पर राजनीतिक हस्तक्षेप की समस्या को पेशेवर ईमानदारी और स्वतंत्रता से बदल दिया।

सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार बैंकिंग प्रणाली को मजबूत और स्थिर करने के लिए निर्णायक उपाय करना जारी रखेगी, सरकार सुनिश्चित करेगी कि बैंक 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की यात्रा में मदद करें।

उन्होंने कहा, वंशवादी दलों के प्रभुत्व वाले संप्रग गठबंधन ने बैंकों का इस्तेमाल अपने परिवार कल्याण के लिए किया। इसके विपरीत, हमारी सरकार ने जन कल्याण के लिए बैंकों का लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद कांग्रेस के सीमित कार्यों के कारण भारत में बैंकिंग के विस्तार के प्रयास दशकों तक लड़खड़ा गए, जिससे मुख्य रूप से शिक्षित और अभिजात वर्ग लाभान्वित हुआ। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बैंकिंग की पहुंच काफी हद तक शहरों तक ही सीमित थी। सीतारमण ने कहा, हम वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत चार वर्षों में 2.4 प्रतिशत घटकर 5.2 फीसदी पहुंची, बैंकों पर 86 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली, 31 मई ।

देश के परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत पिछले चार वर्षों में 2.4 फीसदी घट गई है। हालांकि, उनकी भौतिक संपत्तियों में तेजी आई है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2019-20 में परिवारों की सकल वित्तीय बचत ग्रॉस नेशनल डिस्पोजेबल इनकम (जीएनडीआई) की तुलना में 11.4 फीसदी थी जो 2023-24 में घटकर 10.9 फीसदी रह गई। इसी दौरान शुद्ध वित्तीय बचत भी 7.6 फीसदी से घटकर 5.2 फीसदी पर आ गई।

रिपोर्ट के अनुसार, सकल वित्तीय बचत 2020-21 में 15.2 फीसदी रही जबकि 2021-22 में यह घटकर 10.9 फीसदी रह गई थी। शुद्ध वित्तीय बचत भी इसी दौरान 11.6 फीसदी से घटकर 7.2 फीसदी पर रह गई। भौतिक संपत्तियों में बचत 2019-20 में जीएनडीआई का 11 फीसदी रही जो 2020-21 में घटकर 10.6 फीसदी रह गई। 2021-22 में यह बढ़कर 12.4 फीसदी और पिछले वित्त वर्ष में 12.7 फीसदी पर पहुंच गई।

बैंकों पर 281 मामलों में 86 करोड़ जुर्माना

आरबीआई ने तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में 2023-24 में बैंकों पर 281 बार कार्रवाई की है। इसके एवज में 86.11 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 16 बार सरकारी बैंकों पर हुई। इन पर जुर्माना 23.68 करोड़ रुपये लगा। निजी बैंकों पर 12 बार कार्रवाई हुई, लेकिन जुर्माने की रकम 24.90 करोड़ रुपये रही। सहकारी बैंकों पर 215 बार कार्रवाई की गई और 12 करोड़ का दंड लगाया गया। एनबीएफसी पर 22 कार्रवाई में 11.53 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा।

किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया 10.9 प्रतिशत बढ़ा

सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड की कुल संख्या 2022-23 में 2.83 करोड़ थी, जो 2023-24 में बढ़कर 2.98 करोड़ पर पहुंच गई। इसी दौरान इस पर बकाया रकम 5.19 लाख करोड़ से 10.9 फीसदी बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपये हो गई।

जियो फायनेंसियल ने जियोफायनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लीकेशन शुरू किया

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई (एनबीएफसी) जियो फाइनैंशियल सर्विसेस ने जियोफाइनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया है। इस ऐप की मदद से कंपनी ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय सेवाएं देगी और भविष्य में म्युचुअल फंडों एवं अन्य वित्तीय साधन गिरवी लेकर ऋण की भी पेशकश करेगी। यह ऐप डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई के माध्यम से लेनदेन, बिल निपटान, बीमा सलाह आदि खंडों में सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस ऐप में ग्राहक अपने खाते एवं बचत से जुड़ी जानकारियां भी देख पाएंगे। कंपनी आने वाले समय मे ऋण सुविधा भी देगी और इसकी शुरुआत म्युचुअल

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां) ।

ऐप में डिजिटल खाते तत्काल खोले जा सकेंगे। यह ऐप बीटा संस्करण में शुरू किया जा रहा है। कंपनी इसके उपयोगकर्ताओं से उनकी प्रतिक्रिया लेकर ऐप को और बेहतर बनाने में करेगी। इस बारे में कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मूल लक्ष्य वित्त से जुड़ी हरेक चीजों को सरल बनाना है और

यह काम एक ही ऐप के माध्यम से होगा। इस ऐप की मदद से ऋण आवंटन, निवेश, बीमा, भुगतान एवं लेनदेन की सुविधाएं दी जाएंगी। कुल मिलाकर हम वित्तीय सेवाएं अधिक पारदर्शी और कम खर्च पर उपलब्ध कराएंगे। इस समय आदित्य बिड़ला कैपिटल अपने ऐप्लिकेशन आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल पर कई किस्म की वित्तीय सेवाएं ग्राहकों को दे रही है। यह ऐप अप्रैल 2024 में शुरू हुआ है। बजाज फिनसर्व ने भी बजाज फिनसर्व ऐप के नाम से ऐप शुरू किया है जो उधारी एवं निवेश से जुड़ी सेवाओं की पेशकश करता है।

शेयर बाजार में लगातार पांच दिन की गिरावट के बाद लौटी तेजी

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर यूटिलिटीज, रियल्टी, पावर, दूरसंचार, धातु और सर्विसेज समेत चौदह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में पिछले लगातार पांच दिन की गिरावट बाद आज तेजी लौट आई।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 75.71 अंक की बढ़त लेकर 73,961.31 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 42.05 अंक चढ़कर 22,530.70 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 0.06 प्रतिशत 42,852.69 अंक और स्मॉलकैप 0.76 प्रतिशत उछलकर 47,263.66 अंक हो गया।इस दौरान बीएसई में कुल 3915 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2004 में तेजी जबकि 1820 में गिरावट रही वहीं 91 में

कोई बदलाव नहीं हुआ। इस तरह निफ्टी की 26 कंपनियों में लिवाली जबकि 24 में बिकवाली हुई। बीएसई के 14 समूहों का रुझान सकारात्मक रहा। इससे कमोडिटीज 0.91, ऊर्जा 0.83, वित्तीय सेवाएं 0.56, इंडस्ट्रियल्स 0.77, दूरसंचार 1.18, यूटिलिटीज 2.10, बैंकिंग 0.30, कैपिटल गुड्स 0.91, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.53, धातु 1.28, तेल एवं गैस 0.56, पावर 1.80, रियल्टी 2.02 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.60 प्रतिशत मजबूत रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.25 और जापान का निक्केई 1.14 प्रतिशत उछल गया। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.10, हांगकांग का हैंगसेंग 0.83 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.16 प्रतिशत गिर गया।शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 323 अंक की तेजी के साथ 74,208.53 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 74,478.89 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में यह कारोबार के अंतिम चरण में 73,765.15 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 73,885.60 अंक के मुकाबले 0.10 प्रतिशत उठकर 73,961.31 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी भी 79 अंक की बढ़त के साथ 22,568.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,653.75 अंक के उच्चतम जबकि 22,465.10 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,488.65 अंक की तुलना में 0.19 प्रतिशत मजबूत होकर 22,530.70 अंक पर बंद हुआ।

सरकारी कर्मचारियों को राहत, 25 लाख रुपए की ग्रेच्युटी पर पेंशन मंत्रालय का ये आदेश

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार में सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा, जिसे 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था, अब इस बाबत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने अहम आदेश जारी किया है। सरकार के आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया था कि सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की संशोधित सीमा 01 जनवरी 2024 से लागू होगी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 30 मई को जारी सभी मंत्रालयों/विभागों से अनुरोध किया है कि वे इस आदेश में कही गई बातों को लेखा नियंत्रक/वेतन एवं लेखा कार्यालयों और उनके अधीन संलग्न या अधीनस्थ कार्यालयों के ध्यान में लाकर उनका पालन सुनिश्चित करें।

औपचारिक संशोधन, अलग से होगा अधिसूचित - कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के मुताबिक, यह कार्यालय ज्ञापन आईडी नोट संख्या 1(8)/ईवी/2024 दिनांक 27.05.2024 के माध्यम से वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के परामर्श से जारी किया गया है। सभी मंत्रालयों/विभागों से यह अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश को लेखा नियंत्रक/वेतन और लेखा कार्यालयों और उनके अधीन संलग्न या अधीनस्थ कार्यालयों की मदद से लागू करें। योग्य लोगों को समय पर इसका लाभ मिले। जहां तक भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों का संबंध है, उनके लिए यह आदेश भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के परामर्श से जारी किए जाने का नियम है। सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 और सीसीएस (एनपीएस के तहत ग्रेच्युटी का भुगतान) नियम, 2021 में औपचारिक संशोधन को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये - सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की दर 50 फीसदी तक पहुंचने पर ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि का प्रावधान है।

इस वृद्धि के बाद पेंशन ग्रेच्युटी/पारिवारिक पेंशन/विकलांगता पेंशन व अनुग्रह एकमुश्त के समायोजन को विनियमित करने वाले प्रावधान लागू किए जाते हैं। सातवें सीपीसी की सिफारिशों के कार्यान्वयन में सरकार के निर्णयों के अनुसार, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 या केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन स्कीम के तहत ग्रेच्युटी का भुगतान), इसके लिए सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में एक जनवरी 2024 से 25 फीसदी इजाफा किया गया है। यानी इस सीमा को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया है।

2018 में पारित हुआ ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक - ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) अधिनियम, 2018 29 मार्च, 2018 को लागू हुआ था। ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक, 2018 को लोकसभा द्वारा 15 मार्च, 2018 को तथा राज्य सभा द्वारा 22 मार्च, 2018 को पारित किया गया। इसे 29 मार्च 2018 से लागू कर दिया गया था। ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 उन प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, जिनमें 10 या उससे अधिक व्यक्ति काम करते हैं। इस अधिनियम को लागू करने का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, चाहे सेवानिवृत्ति का कारण कोई भी हो। इसमें शारीरिक विकलांगता या शरीर के महत्वपूर्ण अंग की क्षति होना, यह भी शामिल है। ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 उद्योगों, कारखानों और प्रतिष्ठानों में मजदूरी कमाने वाली आबादी के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कानून है।

पहले अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये थी - अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी राशि की वर्तमान ऊपरी सीमा 10 लाख रुपये रखी गई थी। केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के तहत ग्रेच्युटी के संबंध में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए प्रावधान भी समान हैं। 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन से पहले, सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के तहत अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये थी। हालांकि, 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन के साथ, सरकारी कर्मचारियों के मामले में, अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई थी। निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के मामले में भी महंगाई और वेतन वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने निर्णय लिया कि ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में भी ग्रेच्युटी की पात्रता को संशोधित किया जाना चाहिए। तदनुसार, सरकार ने ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 में संशोधन की प्रक्रिया शुरू की, ताकि ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को उस राशि तक बढ़ाया जा सके, जिसे केंद्र सरकार समय-समय पर अधिसूचित कर सकती है। साल 2018 में सरकार ने अधिसूचना जारी कर ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को 20 लाख रुपये तक निर्दिष्ट किया है।

अफगानिस्तान टीम ने अच्छे अच्छों का किया खेल खराब टी-20 वर्ल्ड कप में मजबूत टीम के तौर देखा जा रहा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की टीम क्रिकेट जगत में दिन ब दिन एक मजबूत टीम के रुप में उभर रही है। अफगान टीम ने पिछले कुछ सालों से खास तौर से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि 2 जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को एक मजबूत टीम रूप में देखा जा रहा है जो बड़ी-बड़ी टीमों को टक्कर दे सकती है। ऐसा अफगान टीम ने भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के साथ किया भी था। अफगानिस्तान पांच खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में बड़ी-बड़ी टीमों का खेल बिगाड़ सकते हैं। दुनिया के सबसे खतरनाक स्पिनर्स में एक राशिद खान अपनी टीम के लिए टी20 विश्व कप में कुछ नया कारनामा कर सकते हैं।

राशिद ने अपनी फिरकी गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशानी में डाल रखा है जो आज तक उनकी फिरकी को समझ नहीं पा रहे हैं। खास तौर से टी20 फॉर्मेट में उनका कोई जवाब नहीं है। इस फॉर्मेट में 85 टी20 मैच में 138 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। अफगानिस्तान टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टी20 विश्व कप में अपनी तूफानी बैटिंग के साथ गेंदबाजी में धमाल मचा सकते हैं।

बेहतरीन फिरकी गेंदबाजी के साथ नबी ने बल्लेबाजी में भी खूब धूम मचाई है। टी20 फॉर्मेट में उन्होंने 121 मुकाबलों में 6 फिफ्टी के साथ 2109 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 93 विकेट लिए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को कम नहीं आंका जा सकता। नई गेंद से गुरबाज बहुत ही विस्फोट अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। हाल ही में आईपीएल फाइनल में भी गुरबाज ने केकेआर के लिए बेहतरीन खेला था। टी20 फॉर्मेट में गुरबाज ने 55 मैचों में 1376 रन बनाए हैं। वहीं टीम के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई अपनी तेज गेंदबाजी से बड़ी बड़ी टीमों का खेल खराब कर सकते हैं। उमरजई अब तक 36 मैचों में 26 विकेट ले चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे रॉबर्टो कार्बालेस को एकतरफा अंदाज में दी शिकस्त

पेरिस। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉबर्टो कार्बालेस बेयना को एकतरफा अंदाज में हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। जोकोविच ने इस मैच में किसी समय अपने प्रतिद्वंद्वी को हावी होने का मौका नहीं दिया और स्पेन के इस खिलाड़ी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 6-4, 6-1, 6-2 से हराया।मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंचे पुरुष वर्ग के एक अन्य मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनिल मेदवेदेव भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह रूसी खिलाड़ी जब 6-1, 5-0 से आगे चल रहा था तब उनके प्रतिद्वंद्वी मिओमिर केकमैनोविच ने मैच से हटने का फैसला किया। राफेल नडाल को हराने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपना विजय अभियान जारी रखा। उन्होंने डेविड गोफिन को 7-6 (4), 6-2, 6-2 से हराया। तीसरे दिन भी बारिश ने डाली बाधा खराब मौसम के कारण सिर्फ नौ मैच पूरे हो सके और विजेताओं में कोको गॉफ, ओन्स जेब्युर, सोफिया केनिन, कार्लोस अल्कारेज, स्टेफानोस सितसिपास और आंद्रे रूबलेव भी शामिल रहे। बारिश के कारण लगातार तीसरे दिन मैच प्रभावित हुए लेकिन इस बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अरिना सबालेंका भी जापान की क्वालीफायर मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-2 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रहीं।

सचिन और संजीत ने पेरिस ओलंपिक के लिए बढ़ाए कदम, अगले दौर में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों ने विश्व क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए कदम बढ़ा दिए हैं। सचिन सिवाच (57 किग्रा) और संजीत कुमार (92 किग्रा) ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है। सचिन को पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए दो और मुकाबले जीतने होंगे क्योंकि उनके 57 किग्रा वर्ग से सिर्फ तीन मुक्केबाजों को ओलंपिक में जगह मिलेगी। राउंड ऑफ 64 में संजीत को बाई मिली थी और उन्हें भी अब दो और मुक्केबाजों को हराना होगा क्योंकि उनके वजन वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले चारों मुक्केबाजों को पेरिस खेलों का कोटा मिलेगा। सचिन-संजीत का बेहतरीन प्रदर्शन सचिन ने प्री क्वार्टर फाइनल में तुर्किये के ओलंपियन बटुहान सिफ्टसी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। संजीत ने राउंड ऑफ 32 में वेनेजुएला के लुई सांचेज को इसी अंतर से मात दी।

कैरोलिना मारिन की चुनौती से पार नहीं पा सकीं सिंधू, त्रिसा-गायत्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिंगापुर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के हाथों हार कर समाप्त हो गया। चोट के बाद वापसी करने वाली सिंधू को महिला सिंगल्स के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सिंधू ने एक समय मारिन के खिलाफ 18-15 की बढ़त बना ली थी, लेकिन यह भारतीय खिलाड़ी लय बरकरार नहीं रख सकी। दूसरी ओर, त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला डबल्स जोड़ी ने दुनिया की दूसरे नंबर की दक्षिण कोरियाई जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिंधू और मारिन के बीच सात महीने बाद हुआ मुकाबला पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने एक घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का यह मुकाबला 21-13, 11-20, 20-22 से गंवाया। डेनमार्क ओपन सेमीफाइनल में हुई बहस के बाद दोनों खिलाड़ी सात महीने में पहली बार एक दूसरे का सामना कर रही थीं। पिछड़ने के बाद मारिन ने की वापसी पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी मारिन ने शानदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक बनाए और 17-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद सिंधू को वापसी का मौका नहीं देकर मैच को निर्णायक गेम तक खींचा। निर्णायक गेम में सिंधू ने बढ़त बनाई लेकिन मारिन ने वापसी करके जीत दर्ज की।

टी-20 विश्वकप 2024 : एक नजर में भारत के मुकाबले

क्रिकेट इतिहास में पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगी 20 टीमें

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार एक सीजन में 20 टीम भाग ले रही है जो एक इतिहास होगा। इंग्लैंड की कप्तानी जोस बटलर करेंगे, जबकि 50 ओवर के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की कमान मिचेल मार्श संभालेंगे। दक्षिण एशिया की दो ताकतवर टीम भारत और पाकिस्तान अपने अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा और बाबर आजम की कप्तानी में खेलेंगी।

इस टी-20 विश्व कप में पहले राउंड के लिए 20 टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा है। सुपर-आठ में क्वालीफाई करने से पहले हर टीम चार-चार मैच खेलेगी। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में पहुंचेंगी जबकि निचली टीमें बाहर हो जाएंगी। इन आठ टीम को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीम सेमीफाइनल खेलेंगी। फाइनल मैच 29 जून को बारबाडोस में खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। आईपीएल के दौरान गर्मी में अपने 90फीसदी मैच फ्लड लाइट में खेलने के बाद खिलाड़ियों को अब सुबह अमेरिका में चलने वाली तेज हवाओं के साथ तालमेल बैठाना होगा, जहां तापमान बहुत कम आर्द्रता के साथ 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्की हवा में सफेद कूकाबूरा गेंद चुनौती पैदा कर सकती है और इसकी तैयारी के लिए जेट-लैग वाले खिलाड़ियों को सुबह के माहौल में खेलने की जरूरत है।

भारत, पाकिस्तान, मेजबान संयुक्त राज्य अमेरिका, आयरलैंड और कनाडा 2 जून से शुरू होने वाले पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप ए में शामिल हैं। टीमें एकल-राउंड रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ग्रुप ए के सभी मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाएंगे, जबकि वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में 2 जून को डलास, टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में कनाडा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका का मुकाबला होगा।

भारत का ग्रुप स्टेज शेड्यूल

- 5 जून: भारत-आयरलैंड, न्यूयॉर्क - 08: 00 पीएम आईएसटी (09: 30 एएम स्थानीय)
- 9 जून: भारत-पाकिस्तान, न्यूयॉर्क - 08: 00 पीएम आईएसटी (09: 30 एएम स्थानीय)
- 12 जून: यूएसए-भारत, न्यूयॉर्क - 08: 00 पीएम आईएसटी (09: 30 एएम स्थानीय)
- 15 जून: भारत-कनाडा, फ्लोरिडा - 08: 00 पीएम आईएसटी (10: 30 एएम स्थानीय)

टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्युकमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

- रिजर्व: शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को चौथा टी20 मैच भी हराया, सीरीज जीती

नई दिल्ली। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भी हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पाकिस्तान टीम ने सीरीज गंवा दी है। इंग्लैंड-आयरलैंड दौरा पाकिस्तान टीम के लिए बहुत ही खराब रहा है। बाबर ब्रिगेड इंग्लैंड में एक भी मैच नहीं जीत पाई और सीरीज के 2 मैच इंग्लैंड ने जीते और 2 मैच बारिश के कारण नहीं हो सके। आयरलैंड ने भी पाकिस्तान को हराया था। पाकिस्तान और इंग्लैंड का चौथा टी20 मैच लंदन के द ओवल में खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 157 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में ही 3 विकेट खोकर आसानी से मैच जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से फिल सॉल्ट टॉप स्कोरर रहे। फिल सॉल्ट ने 24 गेंद पर 45 रन बनाए। वहीं जॉस बटलर ने 21 गेंद पर 39 रन की पारी खेली। कप्तान बटलर और फिल सॉल्ट ने महज 6.6 ओवर में 82 रन की पार्टनरशिप की। बटलर और फिल सॉल्ट के आउट होने के बाद जॉनी बेयरस्टो और विल जैक्स खेलने आए। बेयरस्टो ने 16 गेंद पर 28 और विल जैक्स ने 18 गेंद पर 20 रन बनाए। विल जैक्स के आउट होने के बाद हैरी ब्रूक ने 14 गेंद पर 17 रन की नाबाद पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से हैरिस रऊफ ही विकेट ले सके। उन्होंने 3.3 ओवर में 38 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने धो डाला

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से वेस्टइंडीज पहुंची ऑस्ट्रेलिया टीम को जोरदार झटका लगा है। मेजबान वेस्टइंडीज ने वॉर्मअप मैच में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह हराया है। ऑस्ट्रेलिया को हार से ज्यादा इस बात की चिंता सता रही है कि गेंदबाजों की बुरी तरह पिटाई हुई। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 विकेट पर 257 रन बनाए। निकलस पूरन के बल्ले ने मैदान पर तहलका मचा दिया। पूरन ने 25 गेंद में 75 रन ठोके। उन्होंने 25 में से 13 गेंदों को बाउंड्री पार कराई, जिसमें 8 छक्के शामिल थे।

टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से महज दो दिन पहले मेजबान वेस्टइंडीज ने अपनी तैयारियों का ट्रेलर दिखा दिया। विंडीज की टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्मअप मैच में 257 रन बनाए जिसमें पूरन को कप्तान रोवमन पॉवेल का साथ मिला। पॉवेल ने 25 गेंद पर 50 रन बनाए। शेरफन रदरफोर्ड ने 18 गेंद पर 42 और जॉनसन चार्ल्स ने 31 गेंद पर 40 रन की पारी खेली। शिमरन हेटमायर 18 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मुकाबले में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क के बिना उतरी थी उनकी कमी टीम को खली। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट पर एडम जम्पा ने लिए इसके लिए उन्हें 62 रन देने पड़े। एश्टन एगर और टिम डेविड ने एक-एक विकेट लिया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरे मैच में कभी भी जीत के करीब नहीं दिखी। उसके ओपनर डेविड वॉर्नर ने 6 गेंद पर 15 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन ज्यादा नहीं खेल पाए। दूसरे ओपनर एश्टन एगर 13 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। तीसरे नंबर पर मैदान में उतरे कप्तान मिचेल मार्श 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 60 रन में 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियन टीम की ओर सिर्फ जोश इंग्लिस (55) ही अर्धशतक बना पाए। टिम डेविड और मैथ्यू वेड 25-25 रन बना पाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विवेकानंद के..

ने आम लोगों की तकलीफ, दर्द, गरीबी, आत्म सम्मान और शिक्षा की कमी को नजदीक से जाना था। समुद्र तट से करीब 500 मीटर दूर स्थित चट्टान पर विवेकानंद 24 दिसंबर 1892 को तैर कर पहुंचे थे। 25 से 27 दिसंबर तक उन्होंने इसी चट्टान पर ध्यान किया था। यह वही जगह है, जहां उन्हें भारत माता के दर्शन हुए थे। इसी स्थान पर उन्होंने अपना बाकी जीवन लोगों को समर्पित करने का संकल्प लिया था। विवेकानंद शिला पर विवेकानंद स्मारक बनाने के लिए भी लंबा संघर्ष चला। इसमें एकनाथ रानाडे ने बड़ी भूमिका निभाई थी।ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी। पीएम मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। वहां उन्होंने भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी के इस आध्यात्मिक प्रवास को लेकर कन्याकुमारी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनकी सुरक्षा में 2000 हजार से ज्यादा पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। कहा जा रहा है जितने समय तक पीएम मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल रहेंगे तब तक किसी भी आम टूरिस्ट को वहां जाने की अनुमति नहीं होगी। पीएम मोदी की सुरक्षा में एनएसजी कमांडो की तैनाती भी किए जाने की खबर है।कन्याकुमारी कई मायनों में भारत के लिए खास है। यहीं पर भारत की पूर्वी और पश्चिमी तटीय रेखा मिलती है। कन्याकुमारी में ही अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी का मिलन होता है। कन्याकुमारी जाकर एक तरह से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है। आम चुनाव का प्रचार थमने के बाद पीएम मोदी हर बार आध्यात्मिक यात्रा पर जाते हैं। 2019 के चुनाव प्रचार के बाद वे केदारनाथ गए थे। साल 2014 में वे शिवाजी महाराज से जुड़े स्थल प्रतापगढ़ गए थे।पीएम मोदी ने गुरुवार को पंजाब के होशियारपुर में रैली के साथ अपने चुनाव प्रचार का समापन किया। अब सातवें और आखिरी चरण के लिए 1 जून को मतदान होगा। भाजपा को एक बार फिर सत्ता में लाने के लिए पीएम मोदी ने धुआंधार प्रचार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 मार्च को कन्याकुमारी से ही अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी। बीते 75 दिनों में प्रधानमंत्री ने 183 चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत की। इनमें चुनावी रैलियां-रोड शो शामिल हैं। इनके अलावा पीएम मोदी ने विभिन्न मीडिया संस्थानों को 80 के करीब इंटरव्यू भी दिए, जिनमें सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर चर्चा की। साथ ही विपक्षी पार्टियों को विभिन्न मुद्दों जैसे धर्म के आधार पर आरक्षण, सीएए, अयोध्या के राम मंदिर और अनुच्छेद 370 के मुद्दों पर घेरा।

पीएम के लिए ...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ममता बनर्जी चुनावी व्यस्तताओं के कारण बैठक में हिस्सा नहीं ले पा रही हैं।

बैठक में राहुल गांधी, शरद पवार, सपा से अखिलेश यादव, राजद से तेजस्वी यादव, पीडीपी से महबूबा मुफ्ती, नेकां से फारूक अब्दुल्ला, डीएमके से टीआर बालू, झारखंड मुक्ति मोर्चा से चंपई सोरेन और कल्पना सोरेन शरीक होंगे। शिवसेना यूबीटी से उद्धव ठाकरे देश से बाहर हैं, लिहाजा उनका प्रतिनिधि शामिल होगा।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आम आदमी पार्टी से अरविंद केजरीवाल के अलावा सहयोगी पार्टियां हिस्सा होंगी। बैठक में मतगणना तैयारियों और फार्म 17 सी को लेकर कार्यकर्ताओं को सचेत किया जाएगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, बहुमत तय होने के बाद सभी सहयोगी दल 48 घंटे से भी कम समय में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन कर लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का भाग्य लगभग तय है।

उधर, कांग्रेस पार्टी ने ऐलान किया है कि एक जून को शाम छह बजे के मतदान के बाद होने वाले एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी का कोई भी प्रवक्ता शामिल नहीं होगा। सातवें चरण में मतदान समाप्त होने के बाद अलग-अलग टीवी चैनलों, सोशल और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होने वाले एग्जिट पोल डिबेट में कांग्रेस पार्टी अपने प्रवक्ताओं को नहीं भेजेगी। कांग्रेस पार्टी ने चुनावी नतीजों से पहले एग्जिट पोल का हिस्सा नहीं बनने का फैसला इसलिए लिया है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा फिर ईवीएम का राग अलापने पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने कहा, इनका हारना तय है इसलिए ममता बनर्जी अभी से ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रही हैं। उनकी नौटंकी अभी से शुरू हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इसी वजह से विपक्षी नेताओं में घबराहट बढ़ती जा रहा है।उल्लेखनीय है कि सातवें और अंतिम चरण के लोकसभा चुनाव में आठ राज्यों और केंद्र शासित राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, बिहार की आठ, ओड़ीशा की छह, झारखंड की तीन, हिमाचल प्रदेश की चार, पश्चिम बंगाल की नौ और चंडीगढ़ की एक सीट शामिल हैं। बता दें कि गुजरात की एक सीट पर निर्विरोध भाजपा प्रत्याशी का निर्वाचन हो चुका है। ऐसे में मतदान समाप्त होने के बाद चार जून को 542 लोकसभा सीटों और कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आएंगे। पूर्वोत्तर के दो राज्यों में विधानसभा चुनाव की मतगणना दो जून को ही होगी।

क्षेत्रीय सुरक्षा के....

भी काफी आगे है। भारतीय नौसेना ने रॉयल थाई नौसेना, आसियान और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की नौसेनाओं के साथ भी अभ्यास कर चुकी है। इसके अलावा, भारतीय नौसेना भारत-इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया और भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय अभ्यास में भी शामिल हो चुकी है। भारतीय नौसेना हिंद महासागर और दक्षिण पूर्व एशिया में संयुक्त अभ्यासों से रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। 2023 में भारतीय नौसेना ने ऑस्ट्रेलिया, मालदीव, अमेरिका और वियतनाम सहित कई देशों के साथ सैन्य अभ्यास किए हैं। अभ्यासों के साथ-साथ भारतीय नौसेना बंदरगाहों की यात्रा को लेकर भी काफी सक्रिय है। 2023 में नौसेना ने 51 बंदरगाहों पर यात्राएं कीं। वहीं, 2022 में 39, 2021 में 24 और 2019 में 25 बंदरगाहों पर यात्राएं कीं। अगस्त 2023 में ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पनडुब्बी की पहली तैनाती हुई। फरवरी 2023 में इंडोनेशिया में भारतीय पनडुब्बी ने पहली यात्रा की। सितंबर 2023 में भारतीय पनडुब्बी ने सिंगापुर का भी दौरा किया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस के साथ संयुक्त गश्ती भी की है।

भारतीय वायुसेना की एक टुकड़ी गुरुवार को अमेरिका के अलास्का में 16 दिवसीय बहुराष्ट्रीय मेगा सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेने पहुंची। इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य एक नकली युद्ध वातावरण में यथार्थवादी प्रशिक्षण प्रदान करना है। भारतीय वायुसेना ने 30 मई से 14 जून तक चलने वाले रेड फ्लैग अलास्का अभ्यास के लिए राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात किया है। अमेरिका की प्रशांत वायु सेना ने कहा कि अभ्यास के दौरान लगभग 3100 सेवा सदस्यों द्वारा 100 से अधिक विमानों को उड़ाने, रखरखाव करने की उम्मीद है।भारतीय वायुसेना ने कहा, भारतीय वायुसेना की एक टुकड़ी आज बहुराष्ट्रीय अभ्यास रेड फ्लैग 24 के आगामी संस्करण में भाग लेने के लिए अमेरिका के अलास्का स्थित ईल्सन एयरफोर्स बेस पर पहुंची। वायुसेना ने अपने एयर टू एयर रिफ्यूलर आईएल-78 विमानों और सी-17 विमानों की मदद से राफेल लड़ाकू विमानों ने ग्रीस और पुर्तगाल में पड़ाव लेते हुए ट्रांसअटलांटिक उड़ान भरी।अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि रेड फ्लैग-अलास्का को एक नकली युद्ध वातावरण में यथार्थवादी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे संयुक्त बलों को रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके और युद्धाभ्यास में शामिल बलों के साथ अंतर-संचालन में सुधार हो सके। इस युद्धाभ्यास के दौरान 77 हजार वर्ग मील से अधिक हवाई क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा। यह सबसे बड़ी लड़ाकू प्रशिक्षण रेंज है।

जेल जाने के...

का व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। जल्द ही 360 गांवों की पंचायत बुलाई जाएगी और सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज किया जाएगा। वहीं, पालम 360 ग्राम के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि एक तरफ दिल्ली में पानी को लेकर हाहाकार मचा है। वहीं, द्वारका के रामफल चौक पर पेयजल की लाइन कई दिन से टूटी हुई है।

प्रदेश भाजपा ने दिल्ली सरकार को पानी की किल्लत पर कठघरे में खड़ा किया है। बृहस्पतिवार को कथित जल संकट को लेकर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने जलमंत्री आतिशी मारलेना के निवास के समीप मटका फोड़ प्रदर्शन किया। शुक्रवार को भी प्रदेश भाजपा ने दिल्ली सचिवालय के सामने विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा का कहना है कि दिल्ली सरकार ने कृत्रिम जलसंकट उत्पन्न किया है। जलबोर्ड के पूर्व सदस्य जयप्रकाश जेपी ने भी पानी की समस्या पर जल बोर्ड को पत्र लिखकर विरोध दर्ज किया है। महिलाओं का कहना था कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार के कारण उत्पन्न हुए जल संकट से पूरी दिल्ली परेशान है। मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि महिलाएं 52 डिग्री तापमान में भी घर से बाहर सिर्फ पानी संकट को लेकर निकलने को मजबूर हुई हैं।

केजरीवाल का झूठ...

गया था तो उस दौरान वो 65 किलो के थे, 29 अप्रैल को आप के दावे के विपरीत केजरीवाल का वजन एक किलो बढ़कर 66 किलो हो गया था। वहीं जब 9 मई को जब केजरीवाल के वजन को नापा गया था तो वह 64 किलो के थे।गौरतलब है कि दिल्ली शराब घोटाले के मामले में अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार किया था, तभी से वह तिहाड़ जेल में बंद थे। पहले तो आम आदमी पार्टी ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया। फिर जेल का जबाव वोट से कैंपेन चलाया। लेकिन जब आम आदमी पार्टी का ये हथकंडा भी फेल हो गया तो आम आदमी पार्टी ने एक नया शिगूफा शुरू कर दिया। आपा ने प्रचार किया कि केजरीवाल को शुगर है, उनका शुगर लेवल लगातार बढ़ रहा है और उनका वजन लगातार घट रहा है। मोदी सरकार केजरीवाल की जेल में ही हत्या करवाना चाहती है।इस तरह के तमाम बेबुनियाद दावे आम आदमी पार्टी की ओर से किए गए। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी मारलेना ने दावा किया था कि ईडी की हिरासत के दौरान केजरीवाल का 6-7 किलो वजन कम हो गया है। आतिशी का कहना था कि बिना किसी कारण से वजन का गिरना किसी न कसी बीमारी का कारण हो सकता है।तिहाड़ जेल प्रशासन की रिपोर्ट जारी होने के बाद केजरीवाल एंड कंपनी के झूठ का पुलिंदा खुल गया है। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अंतरिम जमानत को 7 दिन और बढ़ाने के लिए याचिका दायर की है। हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट से उनकी उम्मीदों को तब झटका लगा था, जब सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार ने उनकी अंतरिम जमानत को और आगे बढ़ाने की याचिका को त्वरित सुनवाई के लिए लिस्टेड करने से इंकार कर दिया था।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, अरविंद केजरीवाल जी ने कहा है कि उन्हें बहुत गंभीर बीमारी है और मैं इस बात से सहमत हूं। उन्हें बहुत गंभीर बीमारी है वो है झूठ बोलने की बीमारी जिससे वो बाज नहीं आ रहे हैं।

2 जून को सरेंडर...

74 किलो से 64 किलो वजन हो गया है। डॉक्टर ने इसे बड़ी बीमारी का संकेत बताया है। 2 जून को मैं वापस तिहाड़ जेल चला जाऊंगा। इस बार मैं कब तक जेल में रहूंगा, इसका नहीं पता, लेकिन मेरे हौसले बुलंद हैं। जब मैं जेल में था तो मुझे कई तरह से प्रताड़ित किया गया।

आतंक और यौन...

मदरसों का सर्वेक्षण कराने को कहा। इसमें मदरसों के बुनियादी ढांचे, उसके प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा आदि की जानकारी ली जा रही है। इसी कड़ी में सरकारी स्कूल के एक शिक्षक संजीव पटेल 18 मई को अमदाबाद के दरियापुर में स्थित एक मदरसे का सर्वेक्षण करने गए थे। जब वे मदरसे का चित्र खींच रहे थे, तभी उनके पास मुसलमानों की भीड़ जमा हो गई। संजीव ने उस भीड़ को पूरी बात बताई कि वे सरकार के आदेश पर इस मदरसे का सर्वेक्षण कर रहे हैं, लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी और उनके साथ मार-पीट की गई। पटेल ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने भीड़ पर सरकारी काम में बाधा डालने और अपने साथ लूटपाट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक दो हमलावर गिरफ्तार हुए हैं।23 सितंबर 2023 को भी ऐसी ही एक घटना पूर्वी चंपारण के मेहसी से सामने आई थी। मेहसी के कटहां स्थित सरकारी मदरसे में एक लड़की पढ़ने जाती थी। यहां मौलाना जमशेद आलम ने पीड़िता का अश्लील फोटो खींच लिया। बाद में वह लड़की को झांसे में लेकर 18 महीने तक उसका यौन शोषण करता रहा। लड़की द्वारा विरोध करने पर वह सोशल मीडिया में फोटो वायरल करने की धमकी देता था। इससे पहले जनवरी 2023 के प्रथम सप्ताह में नवादा पुलिस ने 27 साल के मौलवी मो. शहादत हुसैन को अश्लील वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कौआकोल थाना क्षेत्र के मदरसा नूरी मस्जिद के मौलवी पर 12 साल की छात्रा ने गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़िता उस मदरसे में पढ़ती थी। आरोप है कि मौलवी ने धोखे से उसके अश्लील फोटो खींचे और वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वह उसका यौन शोषण करने लगा।इसी प्रकार की एक घटना 8 जनवरी 2022 को सामने आई थी। सीतामढ़ी के एक मदरसे के मौलवी ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी थीं। आरोपी मौलवी तबरेज ने पढ़ाने के बहाने एक नाबालिग छात्रा के साथ अवैध संबंध बनाए। जब छात्रा गर्भवती हो गई तो यह मामला प्रकाश में आया। ऐसे ही 31 अक्टूबर 2021 को बेतिया जिले के एक मदरसे में नाबालिग से बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया था। यह मदरसा नरकटियागंज शिकारपुर थाना क्षेत्र का था। जब कुछ बच्चे मदरसे में पढ़ने गए तो उन्होंने बच्ची का शव देखा। तब यह मामला उजागर हुआ। शेखपुरा में 14 जनवरी 2020 को एक अन्य मामला सामने आया था। यहां एक मदरसे का मौलवी कथित तौर पर 13 साल की लड़की के साथ पिछले छह महीने से बलात्कार कर रहा था। लड़की जब पढ़ने के लिए मदरसा जाने से मना करने लगी तब मामले का खुलासा हुआ।ऐसे ही 25 नवंबर 2018 को नालंदा जिला स्थित बिहारशरीफ शहर के इस्लामिया मदरसा में वहां के मौलवी ने एक छात्र का यौन शोषण किया। उस समय यह मामला खूब चर्चित हुआ था। यह मदरसा नालंदा महिला कॉलेज के पास स्थित है। मार्च 2016 में रोहतास जिले के डेहरी में संचालित एक आवासीय मदरसे के छात्रों ने मौलवी पर अप्राकृतिक यौनाचार करने का आरोप लगाया था। बिहार के बाहर भी यहां के मौलवी अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे। कुछ समय पहले हैदराबाद में एक मदरसा शिक्षक (मौलवी) को छह नाबालिग लड़कों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह बिहार के मूल निवासी 44 वर्षीय आरोपी रहमान अंसारी को एक लड़के के माता-पिता की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था।इसी प्रकार महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाला मामला 28 जुलाई 2018 को सामने आया। आरोप के अनुसार मदरसे के मौलवी ने कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में पुलिस ने भागलपुर के रहने वाले एक मौलाना को पकड़ा था। इन घटनाओं को देखते हुए ही यह आवाज उठती रही है कि मदरसों में सुधार की आवश्यकता है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हूती के हमलों का अमेरिका-ब्रिटेन ने दिया करारा जवाब, यमन में 13 ठिकानों को किया तबाह

वॉशिंगटन, 31 मई (एजेंसियां) ।

इजराइल और हमास युद्ध के बीच यमन के हूती लड़ाके लाल सागर में आतंक फैला रहे हैं। इस बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में 13 हूती ठिकानों पर हमला किया। दोनों देशों ने लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों पर हुए हाल के हमलों का जवाब दिया। हूती के आठ मानवरहित हवाई वाहनों पर भी हमला एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी और ब्रिटिश लड़ाकू विमानों और अमेरिकी जहाजों ने कई भूमिगत सुविधाओं, मिसाइल लॉन्चरों, कमांड और नियंत्रण स्थलों, एक हूती पोत और अन्य सुविधाओं पर हमला किया। हूती नियंत्रित क्षेत्रों में अमेरिका ने आठ मानवरहित हवाई वाहनों पर भी हमला किया। यह जहाज अमेरिका सहित अन्य देशों के लिए खतरा साबित हो सकते थे। अमेरिकी एफ/ए-18 लड़ाकू जेट विमानों ने लाल सागर में यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहावर विमानवाहक पोत से लॉन्च किया। युद्ध में अमेरिकी युद्धपोतों ने भी भाग लिया। इसी सप्ताह जहाज पर हुआ था हमला इस सप्ताह की शुरुआत में मिसाइली हमलों से लाल सागर में मार्शल द्वीप-ध्वजांकित, ग्रीक के मालिकाना वाला जहाज दो बार क्षतिग्रस्त कर दिया। एक निजी सुरक्षा फर्म ने बताया कि रेडियो ट्रैफिक की मदद से जानकारी मिली है कि हमले के बाद जहाज में पानी भर गया था। हालांकि किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली लेकिन संदेह है कि हूती ने ही इस हमले को अंजाम दिया है। बता दें, 12 जनवरी के बाद से यह पांचवी बार है, जब अमेरिकी और ब्रिटिश सेनाओं ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ हाथ मिलाया हो। यह दोनों देशों का संयुक्त अभियान था। हालांकि, अमेरिकी हूती लक्ष्यों पर आए दिन हमला करता है, जिसमें जहाज, मिसाइल, ड्रोन, लॉन्च पैड्स शामिल हैं। अमेरिका आगे भी हमलों का जवाब देंगे बता दें, व्हाइट हाउस के अधिकारी जॉन किर्बी ने पहले ही कहा था कि अगर समूह आगे भी हमले जारी रखेगा तो अमेरिका उनका मुकाबला करेगा। किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें पता है कि समूह के पास अब भी सैन्य शक्ति है। अब उनको तय करना है कि वह इन शक्ति का इस्तेमाल कैसे करेंगे। अगर वे हमले जारी रखेंगे तो हम भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे और उनका उचित मुकाबला करेंगे। जैसा हम करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मालवेयर के विरुद्ध सबसे बड़ा साइबर पुलिस अभियान, चार संदिग्ध गिरफ्तार किए

बर्लिन/ द हेग । यूरोपीय संघ की यूरोजस्ट कानून प्रवर्तन एजेंसी ने कहा कि मालवेयर के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले साइबर ढांचे को लक्षित करने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के समन्वित अभियान में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में 100 से अधिक इंटरनेट सर्वर बंद किए गए और 2,000 से ज्यादा डोमेन पर नियंत्रण किया गया। तीन दिनों में 'बॉटनेट' के विरुद्ध चलाया गया यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान है। ये बॉटनेट रैंसमवेयर की तैनाती में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ऑपरेशन एंडगेम नामक स्टिंग की शुरुआत और नेतृत्व फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड ने किया, जिसमें ब्रिटेन, अमेरिका और कई अन्य देश भी शामिल हैं। यूरोपीय संघ की न्यायिक सहयोग एजेंसी, यूरोजस्ट ने कहा कि पुलिस ने चार उच्च स्तर की हैकिंग करने वाले संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ईमेल में फैलाया ड्रॉपर सॉफ्टवेयर संदिग्धों ने ड्रॉपर नामक एक दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर से संक्रमित लिंक, शिपिंग चालान जैसे अनुलग्नकों वाले ईमेल में फैलाया। डच नेशनल पुलिस के स्टेन डुइजफ व जर्मनी संघीय आपराधिक पुलिस कार्यालय की उप प्रमुख मार्टिना लिंक ने इसे अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय साइबर पुलिस अभियान बताया।

रूसी क्षेत्रों में कम दूरी के हमलों के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल करेगा यूक्रेन, बाइडन ने दी मंजूरी

वॉशिंगटन । रूस-यूक्रेन जंग बीते दो साल से ज्यादा समय से जारी है। इस बीच राष्ट्रपति जो बाइडन ने

यूक्रेन को खारकीव की रक्षा के सीमित उद्देश्य के लिए रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। मामले से जुड़े दो अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यूक्रेन से रूस के अंदर आक्रामक तरीके से हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रदान की जाने वाली लंबी दूरी की मिसाइलों और अन्य हथिारों का इस्तेमाल न करने की अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बाइडन ने यह कदम तब उठाया है, जब यूक्रेनी अधिकारियों ने अमेरिकी प्रशासन से अपने बलों को रूसी क्षेत्र से होने वाले हमलों के खिलाफ खुद का बचाव करने के लिए इन हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। बाइडन के फैसले की रिपोर्ट सबसे पहले पोलिटको में प्रकाशित हुई। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नाटो के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान गलत सूचना के साथ लोकतंत्र में कलह पैदा करने की रूसी कोशिशों की आलोचना की। उन्होंने संकेत दिया था कि बाइडन प्रशासन जल्द ही यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकता है।

पाकिस्तान ने चीन की मदद से अंतरिक्ष में भेजा पाकसेट एमएम 1 उपग्रह, बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी का दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने चीन की मदद से तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए अंतरिक्ष में एक संचार उपग्रह को प्रक्षेपित किया है। इसके साथ ही पाकिस्तान ने एक महीने के भीतर अंतरिक्ष की कक्षा में दूसरा उपग्रह भेज दिया है। इस बहु मिशन संचार उपग्रह को पाकसेट एमएम 1 नाम दिया गया है। इस उपग्रह को जिचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया है। 'बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविट प्रदान करेगा पाकसेट एमएम 1' एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उपग्रह में अंतरिक्ष की कक्षा में प्रवेश कर लिया है। पाकिस्तान का कहना है कि यह उपग्रह सबसे बेहतर इंटरनेट सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही इसकी मदद से टीवी प्रसारण, दूरभाष और अन्य सेवाओं को सुधारने में मदद मिलेगी। दावा किया गया है कि इस वर्ष अगस्त महीने से पाकसेट एमएम 1 ये तमाम सेवाएं प्रदान करना शुरू करेगा। पीएम शहबाज शरीफ ने जताई खुशी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस उपग्रह के प्रक्षेपण पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसकी मदद से पूरे पाकिस्तान को तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा 'मैं पाकसेट एमएम 1 को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इससे पूरे पाकिस्तान को बेहतरीन इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। यह उपग्रह हमारे डिजिटल परिदृश्य में क्रांति लाने और पूरे देश में सबसे तेज इंटरनेट सुविधा प्रदान करने में मदद करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप को दोषी ठहराए जाने पर भड़का रिपब्लिकन नेताओं का गुस्सा, फैसला बदलने की मांग की

वॉशिंगटन, 31 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क के गुप्त धन मामले के सभी 34 आरोपों में दोषी पाया गया है। ट्रंप को दोषी ठहराए जाने के फैसले का उनकी रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों ने विरोध किया और अपने पूर्व राष्ट्रपति का समर्थन किया।

यह है मामला

बता दें कि 77 साल के ट्रंप पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जिन्हें अपराधी घोषित किया गया है। हालांकि, ट्रंप ने अपने खिलाफ चलाए जा रहे इस मुकदमे को अपमानजनक और धांधलीपूर्ण बताया। उन पर साल 2016 में व्हाइट हाउस में आने से पहले पूर्व पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अपने यौन संबंधों को छिपाने के लिए व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इस मामले में 34 आरोप, 11 चालान, 12 वाउचर और 11 चेक पेश किए गए।

फैसले का असर उल्टा पड़ेगा

12 सदस्यीय जूरी के सर्वसम्मति से हश मनी आपराधिक मामले में फैसले पर पहुंची। इसके बाद रिपब्लिकन के सदस्यों ने ट्रंप के लिए समर्थन जाहिर किया। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप के करीबी सहयोगी और विश्वासपात्र के रूप में उभरे भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने कहा कि इस फैसले का असर उल्टा पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा, अभियोजक एक राजनेता हैं, जिन्होंने ट्रंप को बर्बाद करने की धमकी दी थी। न्यायाधीश की बेटी एक डेमोक्रेट हैं, जिन्होंने मुकदमे से कई डॉलर जुटाए हैं। जबकि उनके पिता ने इसकी अध्यक्षता की। जूरी के निर्देशों में कहा गया है कि उन्हें दोषी ठहराए जाने के लिए अपराध पर सहमत होने की जरूरत नहीं है।

पहले फैसला सुनाकर बचा सकते थे समय

लुइसियाना के पूर्व भारतीय-अमेरिकी गवर्नर बॉबी जिंदल ने कहा, डेम्स पहले फैसला सुनाकर और फिर सुनवाई करके बहुत समय बचा सकते थे। बहुत साफ चाल है कि वही डेम डीए जो हिंसक अपराधों को गायब कर देता है, उसने इन अपराधों को गढ़ा है।

अमेरिकी इतिहास का शर्मनाक दिन

प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने इसे अमेरिकी इतिहास का शर्मनाक दिन बताया। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट्स ने खुशी मनाई क्योंकि उन्होंने विरोधी पार्टी के नेता को हास्यास्पद आरोपों पर दोषी ठहराया, जो एक बर्खास्त, दोषी अपराधी की गवाही पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह साफ-साफ राजनीति है। यह पूरी तरह से राजनीतिक कवायद थी, कानूनी नहीं। हमारी न्याय प्रणाली का शस्त्रीकरण बाइडन प्रशासन की पहचान रही है। आज का फैसला इस बात का और सबूत है कि डेमोक्रेट असहमति को दबाने और अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को पकड़ने के प्रयास में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि फैसला एक कानूनी प्रक्रिया की परिणति का प्रतिनिधित्व करता है जो इसमें शामिल लोगों की राजनीतिक इच्छा के लिए झुका हुआ है।

एक वामपंथी अभियोजक, एक पक्षपातपूर्ण न्यायाधीश और अमेरिका में सबसे उदार एन्क्लेव में से एक को प्रतिबिंबित करने वाली जूरी- ये सभी डोनाल्ड ट्रंप को पकड़ने के प्रयास में हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला करीब एक दशक पहले से कथित दुष्कर्म व्यापार रिकॉर्ड उल्लंघन से जुड़ा हुआ था - यहां तक कि न्यूयॉर्क शहर जैसी जगहों पर न्याय प्रणाली के राजनीतिक पतन के लिए एक वसीयतनामा भी लाया गया था। यह विशेष रूप से सच है कि यह वही जिला अटॉर्नी नियमित रूप से आपराधिक आचरण का बहाना करता है, जिसने अपने अधिकार क्षेत्र में कानून का पालन करने वाले नागरिकों को खतरे में डाल दिया है।

सुनवाई मात्र एक दिखावा थी

सीनेटर टेड क्रूज ने कहा कि यह अमेरिका के लिए काला दिन है। सुनवाई मात्र एक दिखावा थी और यह राजनीतिक उत्पीड़न से ज्यादा कुछ नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप पर मुकदमा चलाने का एकमात्र कारण यह है कि डेमोक्रेट डरे हुए हैं कि वह फिर से चुनाव जीत जाएंगे। यह शर्मनाक निर्णय कानूनी रूप से निराधार है और अपील पर इसे तुरंत पलट दिया जाना चाहिए।

क्रूज ने कहा, जरा भी सत्यनिष्ठा रखने वाला कोई भी न्यायाधीश यह मान लेगा कि यह पूरा मुकदमा पूरी तरह से धोखाधड़ी का है।

अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री शरीफ, सीपीईसी के दूसरे चरण को शुरू करने पर होगी चर्चा

इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की आर्थिक हालात किसी से छिपे हुए नहीं है। यहां महंगाई ने सभी सीमाएं तोड़ दी हैं। इस बीच, इस्लामाबाद एक बार फिर अपने दोस्त बीजिंग के साथ नजदीकियां बढ़ाने लगा है। दरअसल, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे।

पांच दिवसीय होने वाली यात्रा

विदेश कार्यालय ने एलान किया की शरीफ चीन की यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा पांच दिवसीय होने वाली है। बता दें, दोनों देश अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत सहयोग को उन्नत करना चाहते हैं।

इस दिन जाएंगे पीएम

विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने बताया कि शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन में रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाना है, क्योंकि दोनों पक्ष परियोजना के दूसरे चरण को शुरू करने के लिए तत्पर हैं।

इस्लामाबाद में एक बैठक की

प्रधानमंत्री ने अपनी आगामी चीन यात्रा को लेकर इस्लामाबाद में एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने चीनी कंपनियों को पाकिस्तान में उद्योग स्थापित करने को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही आश्वासन दिया गया कि पाकिस्तान चीनी उद्योगपतियों और निवेशकों को हर संभव सुविधाएं प्रदान करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री को चीन की यात्रा की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान चीनी शहर शेनझेन की यात्रा के दौरान पाकिस्तान के उद्योगपतियों, निवेशकों और उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ होगा।प्रतिनिधिमंडल चीनी व्यापार समुदाय से मुलाकात करेगा।

ताइवान की आजादी का मतलब युद्ध चीन सेना की चेतावनी से बढ़ा तनाव

बीजिंग, 31 मई (एजेंसियां) ।

चीन की सेना ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान की आजादी का मतलब सिर्फ युद्ध है और ताइवान में अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले किसी भी विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ वह सख्त कार्रवाई के लिए तैयार हैं। चीन की सेना के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चीन का एकीकरण इतिहास की ऐसी घटना है, जिसे टाला नहीं जा सकता।

पीएलए की ताइवान को चेतावनी

ताइवान में बीती 20 मई को ही नए राष्ट्रपति ने पद संभाला है। नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ताइवान की आजादी के समर्थन में भाषण दिया। लाई चिंग ते के इसी भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी सेना के कर्नल वू कियान ने यह बात कही। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने पूर्व राष्ट्रपति साई इंग वेन की जगह ली है। जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव में ताइवान की आजादी की समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने जीत हासिल की थी। चीन, ताइवान को एक विद्रोही राज्य मानता है और वह चीन के साथ ताइवान के एकीकरण पर अड़ा है। वहीं ताइवान की सत्ताधारी पार्टी डीपीपी मानती है कि ताइवान एक संप्रभु राष्ट्र है। अपने भाषण में लाई ने कहा कि चीन को ताइवान को धमकाना बंद करना चाहिए। उन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य में यथास्थिति बरकरार रखने और चीन के साथ मिलकर शांति के लिए काम करने की बात कही।

ताइवान चीन के बीच बढ़ा तनाव

कर्नल वू ने लाई चिंग ते के भाषण पर कहा कि लाई का भाषण उनकी बलपूर्वक विदेशी ताकतों की मदद से ताइवान की आजादी लेने की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने कहा कि पीएलए ऐसी किसी भी कोशिश का पूरी सख्ती से जवाब देगी। कर्नल वू ने कहा कि अलगाववादी गतिविधियों द्वारा ताइवान की आजादी की मांग करना ताइवान की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

सैन्य पुरस्कार मिला तो मेजर सेन ने इसे बताया बेहद खास पल, सर्वोच्च बलिदान देने वाले नाइक धनंजय भी सम्मानित

न्यूयॉर्क, 31 मई (एजेंसियां) ।

कांगो में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मिशन में सेवा दे चुकी भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन और नाइक धनंजय कुमार सिंह को सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पुरस्कार से सम्मानित किया। इस पुस्कार को लेकर राधिका सेन ने कहा कि उनके लिए यह पुरस्कार बेहद खास है।

बता दें, आज अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर मेजर राधिका सेन को 2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया।

यह पुरस्कार मेरे लिए खास: राधिका सेन

मेजर राधिका सेन ने कहा, यह पुरस्कार मेरे लिए खास है क्योंकि यह यूनेस्को के चुनौतीपूर्ण माहौल में काम करने वाले सभी शांति सैनिकों द्वारा की गई कड़ी मेहनत को मान्यता देता है। मैं संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों को प्रोत्साहित करता हूं कि वे इस पुरस्कार द्वारा बनाए गए समृद्ध नेटवर्क का लाभ उठाएं।

नाइक धनंजय कुमार सिंह को सम्मान मिलने पर कंबोज

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, महासचिव गुटेरेस ने नाइक धनंजय कुमार सिंह को डैग हैमरस्क्जोंल्ड मेडल से सम्मानित किया, जिन्होंने अपने कर्तव्य के दौरान कई बलिदान दिए। उनकी व्यावसायिकता और समर्पण को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। हम उनके परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और शांति के लिए उनकी सेवा की विरासत का सम्मान करते हैं।

कौन हैं मेजर सेन

बता दें कि मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं। वह मूल रूप से हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उनका जन्म 1993 में हुआ था और वह आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुई थीं।

जर्मनी पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की कमी 2026 से करेगा पूरी

बर्लिन, 31 मई (एजेंसियां)।

जर्मनी सतह से हवा में मार करने वाली पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की कमी को 2026 से पूरा करना शुरू कर देगा। जर्मनी ने यूक्रेन को ये मिसाइल प्रणाली भेजी हैं और आगे भी इनकी आपूर्ति करते रहने का वादा किया है।

जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने वायु रक्षा सैनिकों के निरीक्षण के दौरान एक समाचार सम्मेलन में कहा, अप्रैल के मध्य में, हमने यूक्रेन को तीसरा पैट्रियट सिस्टम भेजने का फैसला किया। यह जानते हुए कि हम अपनी पैट्रियट क्षमता का एक चौथाई हिस्सा दे देंगे, लेकिन यह सही और आवश्यक है। इससे हमारे अपने भंडार में कमी क्यों न आ जाए?

उन्होंने कहा कि कुछ सप्ताह पहले मंत्रालय ने जर्मन सैन्य बल बुंडेसवेहर को चार प्रणालियों की आपूर्ति के लिए एक नये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये, जिसमें 2028 से चार और प्रणालियों की आपूर्ति के लिए एक रूपरेखा समझौता भी तैयार किया जा रहा है। श्री पिस्टोरियस ने कहा, इस प्रकार, जब 2026 से डिलीवरी शुरू होगी, हम धीरे-धीरे स्टॉक की भरपाई कर लेंगे। इससे पहले, स्थानीय टैबलॉयड बिल्ड ने अपने सूत्रों के हवाले से बताया कि यूक्रेनी सेना ने कम से कम एक बार अनधिकृत रूप से जर्मनी द्वारा आपूर्ति की गई पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियों में से एक का इस्तेमाल रूसी लक्ष्यों पर हमला करने के लिए किया था। रूस 24 फरवरी, 2022 से यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान चला रहा है।

पाकिस्तान से दो दिन में 900 से ज्यादा अफगानिस्तानी शरणार्थी स्वदेश लौटे

काबुल, 31 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से पिछले दो दिन में 900 से ज्यादा अफगानिस्तानी शरणार्थी स्वदेश लौट आए हैं। देश के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, शरणार्थी तोरखम और स्पिन बोल्डक सीमा से स्वदेश वापस लौटे।

इसमें कहा गया कि अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने क्रॉसिंग प्वाइंट पर लौटने वाले परिवारों को अस्थायी आश्रयों और सहायता पैकेज सहित आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में 21 मार्च, 2023 से 19 मार्च, 2024 तक पड़ोसी देश पाकिस्तान और ईरान से 15 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी वापस लौटे हैं। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने विदेशों में निवास कर रहे अफगान प्रवासियों से स्वदेश वापस लौटने और युद्ध प्रभावित देश के पुनर्निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की है।

कल रखा जाएगा अपरा एकादशी व्रत

सभी पापों से मुक्ति दिलाता है अपरा एकादशी का व्रत

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। इस साल अपरा एकादशी 02 जून को है। इसे अचला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। अपरा एकादशी व्रत धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण व्रत है। ये व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दिन व्रत रखा जाता है और विधि-विधान से श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। अपरा एकादशी तिथि का आरंभ 02 जून को सुबह 5:05 बजे होगा और इस तिथि का समापन 03 जून को सुबह 2:41 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 2 जून को ही अपरा एकादशी व्रत रखना उचित होगा। मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है और स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं जल्द पूर्ण होती हैं। साथ ही सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैसे तो प्रत्येक एकादशी का अपना महत्व होता है लेकिन अपरा एकादशी विशेष रूप से शुभ और लाभकारी मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की कृष्ण पक्ष पर पड़ने वाली एकादशी तिथि को अपरा एकादशी कहा जाता है।

भगवान विष्णु की विशेष आराधना के लिए समर्पित अपरा एकादशी का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना करने से वे जल्दी प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि जो भी यह व्रत रखता है उसको जीवन में अपार तरक्की मिलती है साथ ही मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। हिंदी में 'अपार' शब्द का अर्थ 'असीमित' है, क्योंकि इस व्रत को करने से व्यक्ति को असीमित धन की भी प्राप्ति होती है, इस कारण से ही इस एकादशी को 'अपरा एकादशी' कहा जाता है। इस एकादशी का एक और अर्थ यह है कि यह अपने उपासक को असीमित लाभ देती है। अपरा एकादशी का महत्व 'ब्रह्म पुराण' में बताया गया है। अपरा एकादशी पूरे देश में पूरी प्रतिबद्धता के साथ मनाई जाती है। इसे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर और हरियाणा राज्य में, अपरा एकादशी को 'भद्रकाली एकादशी' के रूप में मनाया जाता है और इस दिन देवी भद्रा काली की पूजा करना शुभ माना जाता है। उड़ीसा में इसे 'जलक्रीड़ा एकादशी' के रूप में जाना जाता है और भगवान जगन्नाथ के सम्मान में मनाया जाता है।

शुभ मुहूर्त – हिंदू पंचांग के मुताबिक, अपरा एकादशी तिथि का आरंभ 02 जून को सुबह 5:05 बजे होगा और इस तिथि का समापन 03 जून को सुबह 2:41 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 2 जून को ही अपरा एकादशी व्रत रखना उचित होगा। अपरा एकादशी व्रत के पारण का समय 03 जून को सुबह 8:06 बजे से सुबह 8:24 बजे तक किया जा सकता है।

न करें ये गलतियां– तामसिक आहार और बुरे विचार से दूर रहें। बिना भगवान कृष्ण की उपासना के दिन की शुरुआत न करें। मन को ज्यादा से ज्यादा ईश्वर भक्ति में लगाए रखें। एकादशी के दिन चावल और जड़ों में उगने वाली सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन बाल और नाखून काटने से बचना चाहिए. इस दिन सुबह देर तक नहीं सोना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

महत्व – धार्मिक मान्यता के अनुसार अपरा एकादशी का व्रत रखने से सभी पाप धुल जाते हैं, साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। भगवान विष्णु की आराधने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। यदि आप आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं तो एकादशी के दिन विष्णु जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी पूजा करें। ऐसा करने से आप आर्थिक तौर पर संपन्न होते हैं। एकादशी का व्रत रखने से शरीर रोग मुक्त भी रहता है।

कथा – भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर द्वारा पूछे जाने पर अपरा एकादशी के महत्व के बारे में बताया और कहा कि अपरा एकादशी व्रत को करने से प्रेत योनि, ब्रह्म हत्या आदि से मुक्ति मिलती है। पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में महीध्वज नामक एक धर्मात्मा राजा था। वहीं उसका छोटा भाई वज्रध्वज बड़ा ही क्रूर, अधर्मी तथा अन्यायी था, जो अपने बड़े भाई महीध्वज से घृणा और द्वेष करता था। राज्य पर अपना आधिपत्य जमाने के लिए एक रात उसने बड़े भाई की हत्या कर दी और उसकी देह को जंगल में पीपल के नीचे गाड़ दिया।

पीपल में प्रेतात्मा – राजा महीध्वज, अकाल मृत्यु के कारण प्रेत योनि में प्रेतात्मा बनकर उस पीपल के पेड़ पर रहने लगे और फिर बड़ा ही उत्पात मचाने लगे। एक बार धौम्य ऋषि ने प्रेत को देख लिया और माया से उसके बारे में सबकुछ पता कर लिया। ऋषि ने उस प्रेत को पेड़ से उतारा तथा परलोक विद्या का उपदेश दिया। उनकी मुक्ति के लिए ऋषि ने अपरा एकादशी व्रत रखा और श्रीहरि विष्णु से राजा के लिए कामना की। इस पुण्य के प्रभाव से राजा की प्रेत योनि से मुक्ति हो गई। राजा बहुत खुश हुआ और वह ऋषि को धन्यवाद देता हुआ स्वर्ग लोग में चला गया।

पूजा विधि – इस दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन यदि आप व्रत रखते हैं तो प्रातः उठकर, स्नान से मुक्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। फिर श्रीहरि विष्णु को केला, आम, पीले फूल, पीला चंदन, पीले वस्त्र चढ़ाएं और ऊं नमो भगवते वासुदेवाय का जाप करें। श्रीहरि को केसर का तिलक लगाएं और फिर स्वंय भी टीका करें। फिर विष्णु सहस्रनाम का पाठ जरूर करें और एकादशी व्रत कथा पढ़ें या सुनें। यदि आप कथा करते या सुनते हैं तो आपको भगवान विष्णु को पंचामृत और आटे की पंजीरी का भोग जरूर लगाएं। साथ ही विष्णु जी को लगने वाले भोग में तुलसी दल अवश्य अर्पित करें।

जून में जन्मे बच्चों में होती हैं ये खूबियां इस करियर में बनाते हैं अपनी पहचान

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि प्रत्येक व्यक्ति की जन्मतिथि और उसका जन्म का महीना उस व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ बता सकता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, जून में जन्मे लोगों पर बुध और चंद्रमा का प्रभाव सबसे अधिक देखने को मिलता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि जून में जन्मे लोगों में कौन-सी खूबियां और कमियां पाई जाती हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं।

ऐसा होता है स्वभाव

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि जून के महीने में जिन लोगों का जन्म हुआ है उन लोगों का व्यक्तित्व काफी अच्छा होता है। लेकिन ये लोग काफी जिद्दी भी माने जाते हैं। इन्हें अपनी शर्तों पर काम करना पसंद होता है।

होती है ये खासियत

जून में जन्मे लोग अपने आसपास के लोगों में काफी लोकप्रिय होते हैं। यह अपने व्यक्तित्व से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं। साथ ही यह लोग दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। स्वास्थ्य के मामले में ये लोग काफी जागरूक भी होते हैं।

जून में जन्मे लोगों की करियर

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो अपने व्यक्तित्व के आधार पर जून में जन्में लोग प्राय: चिकित्सक, शिक्षक, अधिकारी, प्रबंधक, पत्रकार आदि क्षेत्रों में अधिक सफल होते हैं। साथ ही इन्हें कला का भी शौक होता है इसलिए ये लोग खेल, सिंगिंग डांस आदि में यह अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

ये होता है लकी नंबर

इस लोगों के लिए 4, 6 और 9 लकी नंबर होता है। वहीं लकी कलर की बात करें तो वह – ऑरेंज, मैजेंटा और पीला रंग होता है। साथ ही मंगलवार, शुक्रवार और शनिवार इसके लिए शुभ दिन माने गए हैं।

ज्येष्ठ अमावस्या पर पितरों के निमित्त करें ये उपाय, पितृ दोष होगा समाप्त

ज्येष्ठ माह की अमावस्या बहुत महत्व-पूर्ण मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि यह दिन पूजा-पाठ के लिए बहुत खास होता है। वहीं, यह तिथि गंगा स्नान और पितरों का तर्पण के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है। इस बार अमावस्या (गूशीहींहर -र्रींरिूर 2024) 6 जून, 2024 को मनाई जाएगी।

ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को लेकर काफी नियम बताए गए हैं, जिनका पालन हर किसी को करना चाहिए, तो आइए पितरों को प्रसन्न का आसान उपाय जानते हैं, जो इस प्रकार है।

काले तिल करें अर्पित

ऐसा माना जाता है कि ज्येष्ठ अमावस्या पर काले तिल से पितरों का तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है, क्योंकि तिल को पितरों का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में अगर आप गंगी नदी में स्नान के बाद काले तिल को उसमें प्रवाहित करते हैं, तो आपके पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। साथ ही वे खुश होते हैं।

कुशा के जरिए करें पितरों की पूजा

पितरों की पूजा बिना कुशा के पूर्ण नहीं होती है। ऐसे में अगर आप ज्येष्ठ अमावस्या पर अपने पितरों का तर्पण व पिंडदान करते हैं, तो आपको पितरों के निमित्त कुशा का उपयोग जरूर करना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि कुशा के माध्यम से पितरों को कुछ भी अर्पित किया जाए, तो वह बेहद खुश होते हैं। साथ ही कुंडली से पितृ दोष समाप्त होता है।

ज्येष्ठ अमावस्या तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या 5 जून, 2024 रात्रि 07 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 6 जून, 2024 शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए ज्येष्ठ अमावस्या 6 जून, 2024 को मनाई जाएगी।

इस गांव में अब तक नहीं आया है कलयुग सदियों पुराने दौर में ले जाता है ये स्थान

21वीं सदी में आज देश के कोने-कोने तक आधुनिकता ने अपना स्थान बना लिया है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, इस कलयुग में बहुत कम लोग ऐसे मिलते हैं, जो सरल व सादा जीवन जीना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आपसे ऐसा कहा जाए कि एक ऐसा गांव हैं, जहां लोग आज भी आधुनिक उपकरणों से दूर रहते हैं। आज हम आपको उत्तर प्रदेश के एक अनोखे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाकर आपको अनुभव होगा कि आप कई शताब्दियों पहले के युग में चले गए हैं।

इसलिए खास है टटिया स्थान

असल में टटिया स्थान स्वामी हरिदास संप्रदाय से जुड़ा है। यह स्थान ललित किशोरी के सातवें अनुयायी हरिदास जी का ध्यान स्थल था। स्वामी हरिदास को बांके बिहारी जी का परम भक्त माना जाता है। उन्होंने वृन्दावन के पक्षियों, फूलों और पेड़ों से प्रेम और दिव्य संगीत की शिक्षा ली।

पूरे वृंदावन क्षेत्र में टटिया गांव अपना विशेष स्थान रखता है, क्योंकि इस स्थान पर संत आदि पूरी दुनिया से विरक्त होकर भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन रहते हैं। यहां ठाकुर जी की सेवा के साथ-साथ संतसेवा, गोसेवा आदि भी की जाती है। वृंदावन में टटिया स्थान एकमात्र ऐसा स्थान है जो भक्तों को प्रकृति से जोड़ता है।

क्या है मान्यता

टटिया के स्थानीय लोगों का मानना है कि आज भी यहां ठाकुर जी निवास करते हैं। इस स्थान के निवासियों द्वारा अप्राकृतिक साधनों को चुनने की बजाय ईश्वरीयता को चुनने की मान्यता है। जहां आज के समय में लोगों का -उ के बिना गुजारा करना मुश्किल है, वहां आज भी टटिया स्थान के लोग बिना पंखे के गुजारा करते हैं। सूर्यास्त के बाद यहां लोग बल्ब की जगह मोमबत्तियां जलाते हैं। इस स्थान पर राधा अष्टमी का पर्व प्रसिद्ध त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

कैसे पड़ा टटिया नाम

यह स्थान बांस के डंडों से घिरा हुआ है और स्थानीय भाषा में बांस को टटिया कहा जाता है। इसलिए इस स्थान का नाम टटिया पड़ गया। मान्यताओं के अनुसार, हरिदास जी और उनके अनुयायी निधिवन में ध्यान और अनुष्ठान किया करते थे। लेकिन ललित किशोरी जी, जो सातवें आचार्य थे उन्होंने निधिवन छोड़कर इस स्थान पर ध्यान करने लगे। क्योंकि यह स्थान वृंदावन के दूसरे हिस्सों से अलग था। साथ ही इस स्थान से यमुना नदी भी बेहद पास है। तभी से इस स्थान की दिव्यता और भी बढ़ गई।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर इन 3 चीजों का दान दिलाएगा अपार धन-दौलत

ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि को बेहद खास माना जाता है, क्योंकि इस तिथि पर चंद्र देव अपने पूर्ण रूप में होते हैं। यह प्रति माह में एक बार आती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य, सत्यनारायण व्रत, चंद्रमा को अर्घ्य देना शुभ माना जाता है। इस साल ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा 22 जून, 2024 को मनाई जाएगी, तो आइए इस दिन क्या दान करना शुभ माना जाता है उसके बारे में जानते हैं ?

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें चावल का दान

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चावल का दान बहुत ही शुभ माना जाता है। चावल को देवी लक्ष्मी और शुभता का प्रतीक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसका दान करने से व्यक्ति के जीवन में कभी धन और वैभव की कमी नहीं रहती है। साथ ही जीवन खुशियों व संपन्नता से भरा रहता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें कमल का दान

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कमल का दान भी अच्छा माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि देवी लक्ष्मी की पूजा के बाद उनके चरणों में कमल का फूल चढ़ाकर उसे किसी नदी में प्रवाहित किया जाए, तो इससे घर की दरिद्रता दूर होती है। साथ ही जीवन भर पैसों की कमी नहीं रहती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें सफेद मिठाई का दान

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन सफेद मिठाई का दान बेहद फलदायी माना जाता है। इसलिए लोगों को सफेद मिठाई का दान अवश्य करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिन मिठाई का दान करने से घर में खुशहाली आती है। हालांकि ऐसा कहा जाता है कि दान किसी गरीब या जरूरतमंद को ही किया जाना चाहिए।

बड़े मंगल पर करें ये चमत्कारी उपाय खुशियों से भरा रहेगा पूरा साल

हिंदू वर्ष का तीसरा महीना ज्येष्ठ होता है। यह महीना अपने आप में बेहद शुभ और महत्वपूर्ण होता है। वहीं, इस माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार भी बहुत विशेष माने जाते हैं। इस दौरान पड़ने वाले सभी मंगलवार को बड़ा या बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है। यह दिन संकटमोचन हनुमान की पूजा के लिए समर्पित है।

ऐसा माना जाता है कि जो साधक इस दिन (इरवर चरप-सरश्र 2024) का उपवास करते हैं उनसे रामभक्त हनुमान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को लेकर कई असरदार उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से आपको बेहतर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

बड़ा मंगल ज्योतिष उपाय

* सुबह जल्दी उठकर पवित्र स्नान करें।
* भगवान हनुमान का ध्यान करते हुए एक दीपक जलाएं।
* मंदिर जाएं और पवन पुत्र की विधि अनुसार पूजा करें।
* व्रती भगवान हनुमान को चमेली का तेल, सिन्दूर और चोला चढ़ाएं, ऐसा करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है।
* इस दिन बजरंगबली को नारियल चढ़ाने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं।
* जो लोग नकारात्मकता से पीड़ित हैं उन्हें घर पर विशेष रूप से शाम के समय 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।
* इस दिन हनुमान जी का आशीर्वाद पाने के लिए सुंदर कांड का पाठ बेहद फलदायी माना जाता है।
* मान्यताओं के अनुसार, प्रत्येक बड़ा मंगल व प्रतिदिन रामायण का पाठ करना बहुत ही अच्छा माना जाता है, इससे जीवन की समस्त बाधाएं दूर होती हैं।
* हनुमान जी के वैदिक मंत्रों का जाप 108 बार करें, इससे सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
* शाम के समय हनुमान जी को बूंदी के लड्डू, छेना का प्रसाद या फिर बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं, इससे उनकी कृपा मिलती है।

हनुमान जी पूजन मंत्र

1. ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमितविक्रमाय प्रकट-पराक्रमाय महाबलाय सूर्यकोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।।

धक्का देने की घटना के बाद अंजलि ने बताया नंदमुरी बालकृष्ण को अच्छा दोस्त

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण हाल ही में अपने एक वीडियो को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर आ गए थे। दरअसल फिल्म 'गैंग्स ऑफ गोदावरी' के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान नंदमुरी ने स्टेज पर एक्ट्रेस अंजलि को गुस्से में धक्का दे दिया था, जिससे एक्ट्रेस गिरते-गिरते बची थीं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद नंदमुरी को काफी ट्रोल किया गया, साथ ही सोशल मीडिया पर एक्टर को काफी खरी-खोटी भी सुननी पड़ी थी। वहीं इस घटना के बाद एक्ट्रेस अंजलि ने एक ट्वीट किया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। एक्ट्रेस अंजलि ने अपने ट्विटर हैंडल पर इवेंट का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अंजलि और नंदमुरी बालकृष्ण इवेंट में जमकर मस्ती करती नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है, मैं गैंग्स ऑफ गोदावरी के प्री-रिलीज इवेंट में अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाने के लिए बालकृष्ण गारू को थैंक्य कहना चाहता हूं। इसके साथ ही मैं यह भी बताना चाहती हूं कि बालकृष्ण गारू और मैंने हमेशा एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान बनाए रखा है और हमारे बीच काफी लंबे समय से बहुत ही अच्छी दोस्ती है। उनके साथ दोबारा मंच को साझा करना बहुत अद्भुत था।

एक्ट्रेस अंजलि को किया जा रहा ट्रोल

हालांकि इस ट्वीट के सामने आने के बाद एक्ट्रेस अंजलि को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने अंजलि के पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, अब उसका बचाव करने में बहुत ही देर हो चुकी है। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, यह झूठ की तरह महसूस हो रहा है डियर एक यूजर ने तो अंजलि को मदद की सलाह देते हुए लिखा, अंजलि अगर आपको मदद चाहिए तो जल्दी से अपनी आंखों को दो बार ब्लिंक कर दीजिए। एक और यूजर ने अंजलि पर निशाना साधते हुए लिखा, तुमने अपनी सेल्फ रिस्पेक्ट को मार दिया है। एक और यूजर ने लिखा, एक और ट्वीट, यह आपकी पसंद है। लेकिन अंदर ही अंदर आप भी जानती हो कि क्या हुआ है।

नयनतारा को वेकेशन से बच्चों संग तस्वीरें शेयर करना पड़ा भारी

लोग बोले- बस एक ही बेटे को चाहती हो क्या?

शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' में अपने जबरदस्त एक्शन से फैंस के होश उड़ाने वाली एक्ट्रेस नयनतारा इन दिनों अपने पति और बच्चों के साथ हांगकांग में छुट्टियां बिता रही हैं। नयनतारा लगातार अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए वेकेशन की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कर रही हैं। इन तस्वीरों में नयनतारा अपने पति और बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस नयनतारा अपने बेटे संग नजर आ रही हैं। फोटो में नयनतारा अपने परिवार के साथ समुद्र के किनारे एंजॉय करती दिख रही हैं। नयनतारा अपनी गोद में बेटे को लिए नजर आ रही हैं। फोटो में नयनतारा काफी खुश लग रही हैं। खिलखिलाकर हंसती नजर आ रही हैं। बेटे संग नयनतारा की यह तस्वीरें काफी क्यूट लग रही हैं। नयनतारा अपने बेटों के साथ ट्विनिंग करती नजर आ रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि मां के साथ-साथ बेटों ने ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ है।नयनतारा के इन फोटोज पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बहुत क्यूट तस्वीरें। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, पहली और चौथी पिक्स बहुत प्यारी हैं।तस्वीरों के सामने आने के बाद वहीं कुछ लोग एक्ट्रेस नयनतारा पर यह भी आरोप लगा रहे हैं कि वह हमेशा केवल अपने एक बच्चे के साथ ही फोटो क्यों खिंचवाती हैं। एक यूजर ने लिखा, ये हमेशा अपने एक ही बच्चे के साथ फोटो क्यों खिंचवाती है। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, ये अपने केवल उस बच्चे के साथ फोटो खिंचवाती है, जो बचपन से ही उनके जैसा दिखता है। यह अपने दूसरे बच्चे के साथ फोटो नहीं खिंचवाती। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, तुम अपने केवल एक ही बच्चे को चाहती हो क्या? बता दें कि एक्ट्रेस नयनतारा 9 अक्टूबर साल 2022 में मां बनी थीं। उनके घर सेरोगेसी के जरिए दो बेटों ने जन्म लिया था।बता दें कि सेरोगेसी के लिए माता-पिता बनने को लेकर नयनतारा और विघ्नेस को काफी ट्रोल किया गया था। हालांकि आखिर में नयनतारा ने हर किसी को मुंहतोड़ जवाब दिया था।

रिवीलिंग साड़ी पहन सुरभि चंदना ने बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने खूबसूरत और स्टनिंग फिगर के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो हर वक्त अपनी तस्वीरों से फैंस को अपनी ओर अट्रेक्ट करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस का बेहद ही दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है।टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही लोगों के बीच बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने रिवीलिंग साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। साथ ही उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थक रहे हैं।गले में नेकलेस, ग्लैम मेकअप और बाल खोलकर एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।सुरभि चंदना फोटोशूट के दौरान कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई फोटोज क्लिक करवा रही हैं।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। सुरभि चंदना का हर एक अवतार देखकर अक्सर फैंस अपना दिल हार जाते हैं।

माटी से बंधी डोर में अपने किरदार को कर रही खूब एन्जॉय : रुतुजा बागवे

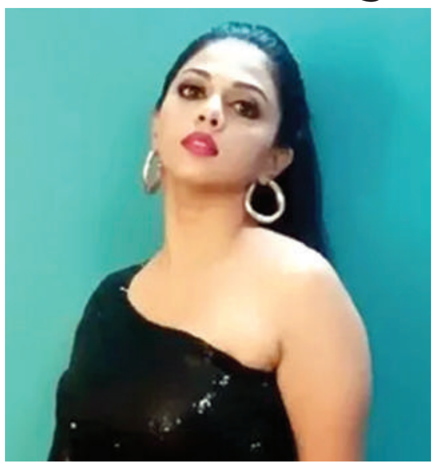

माटी से बंधी डोर में वैजनाती (वैजू) के रोल में नजर आने वाली रुतुजा बागवे ने बताया कि वह महाराष्ट्र की होने के चलते अपने किरदार को खूब एन्जॉय कर रही हैं।रुतुजा ने कहा, असल जिंदगी में महाराष्ट्र की होने के चलते मुझे वैजू का किरदार निभाने में मजा आ रहा है, क्योंकि वैजू खुद एक मराठी मुलगी है।

दर्शकों को वैजू के किरदार में रुतुजा की कुछ झलक देखने को मिलेगी।रुतुजा ने कहा, बेशक! मैं हिंदी शो कर रही हूं, लेकिन मैं अपने डायलॉग में मराठी टच देती हूं। मुझे वैजू का किरदार बेहद पसंद है। वह दबंग, मजबूत और निडर है। मैं असल जिंदगी में भी वैजू के किरदार से जुड़ाव महसूस करती हूं। रुतुजा चंद्र आहे साक्षीला, नंदा सौख्य भरे और स्वामिनी जैसे शो के लिए जानी जाती हैं।एक्ट्रेस ने आगे कहा, वैजू के किरदार से मुझे सीख मिलती है कि जो सही है उसके लिए लड़ते रहो।

आत्मनिर्भर बनो और निडर रहो।शो में अंकित गुप्ता रणविजय की भूमिका में हैं।

नेहा शर्मा की वेब सीरीज 36 डेज का ट्रेलर जारी

एक्ट्रेस नेहा शर्मा की मोस्ट पॉपुलर सीरीज इल्लीगल का सीजन 3 आज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के दो सीजन काफी हिट रहे थे वहीं तीसरे सीजन को भी काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं नेहा शर्मा की एक और अपकमिंग सस्पेंस-थ्रिलर सीरीज 36 डेज़- सीक्रेट इज इंजूरियस टू हेल्थ का ऑफिशियल ट्रेलर भी आज रिलीज कर दिया गया गैय।।सीरीज में नेहा एक रहस्मय महिला के किरदार मे हैं। ट्रेलर की शुरुआत बैकग्राउंड से आवाज आती है हमारी नई टेनेंट मिली थी मुझे। ये सुनकर कोई और पूछता है कैसी है। इसके बाद नेहा शर्मा बिकिनी पहने हुए पूल में उतरती हुई नजर आती हैं। वहीं कुछ पड़ोस के मर्द उन्हें घूरते हुए नजर आते हैं। इसके बाद शो में शारिब हाशमी की एंट्री होती है और वे नेहा से मुलाकात करने के बाद कहते हैं मैं ऋषिकेश जयकर।इसके बाद फिर बैकग्राउंड से एक फीमेल वॉइस आती है जो कहती है तू भी हर किसी की तरह उसे घास डालने की सोच रहा है क्या। इसके बाद शुरू होती है सस्पेंस से भरी कहानी। नेहा कहती नजर आती हैं किसी को खोने का दर्ज मुझसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। सीरीज में नेहा का नाम फराह है। ट्रेलर में आगे नेहा गन लिए हुए नजर आती हैं।

एल्विश यादव को मिली जान से मारने की धमकी

राफा का विरोध करने पर बुरे फंसे यूट्यूबर

'बिग बॉस ओटीटी 2' विनर एल्विश यादव का कंट्रोवर्सी से गहरा नाता है। आए दिन एल्विश यादव किसी न किसी विवाद में फंस जाते हैं। अब एक बार फिर से यूट्यूबर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल एल्विश यादव को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। दरअसल एल्विश यादव ने 'ऑल आईज ऑन राफा' का समर्थन करने वाले लोगों के विरोध में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'ऑल आईज ऑन पीओके' का पोस्ट साझा किया था। जिसको लेकर एल्विश यादव को सोशल मीडिया पर डेथ थ्रेट्स मिल रही हैं।

एल्विश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा था, मैं किसी भी धर्म के लोगों की हत्या की निंदा करता हूं लेकिन फिर भी मेरी आंखें पीओके की तरफ हैं। हालांकि एल्विश यादव के इस पोस्ट को देखकर जहां कुछ लोग यूट्यूबर का समर्थन कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोगों को उनके पोस्ट से मिर्ची लग गई है। केवल इतना ही नहीं कई लोग सोशल मीडिया पर एल्विश यादव को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, तुझे क्या लगता है कि तू राफा की जगह पीओके लिखेगा तो कूल लगेगा। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, कुर्बानी आ रही है।

एल्विश यादव ने धमकी के पोस्ट को साझा करते हुए लिखा, अभी से डेथ थ्रेट्स मिलने लगी हैं मतलब कुछ तो बात है तो मिर्ची लग गई इनको। बता दें कि इजरायल और फिलिस्तीन के बीच कुछ महीनों से जंग चल रही है। इजरायल ने फिलिस्तीन के राफा में कुछ दिनों पहले हवाई हमला किया था, जिसमें बच्चों और महिलाओं समेत 45 लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में आलिया भट्ट से लेकर रणबीर कपूर, स्वरा भास्कर, रणबीर कपूर, करीना कपूर समेत बॉलीवुड के लगभग सभी सेलेब्रिटीज ने इस हमले का विरोध किया। हालांकि एल्विश यादव ने राफा का समर्थन करने वाले सेलेब्स पर अपने पोस्ट के जरिए जमकर गुस्सा निकाला।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव में भाजपा की हैट्रिक पर सभी की निगाह

जयपुर,31 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 की मतगणना के महज तीन-चार दिन शेष हैं और इस बार सभी की निगाहे सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हैट्रिक पर लगी हुई हैं।

राजस्थान में 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए मतदान गत 19 एवं 26 अप्रैल को दो चरणों में संपन्न हुए और अब इनकी मतगणना चार जून को होनी हैं। जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं और खासकर पिछले दो लोकसभा चुनावों में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने वाली भाजपा के इस बार हैट्रिक लगा पायेगी या नहीं, इस पर भी लोगों की नजरे टिकी हुई। हालांकि भाजपा और उसके नेताओं द्वारा मोदी की गारंटी के बल पर शुरु से ही इस बार भी प्रदेश में भाजपा के सभी सीटें जीतने का दावा किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की पिछले दस साल की उपलब्धियों एवं मोदी की गारंटी के कारण पार्टी इस बार भी सभी पच्चीस सीटें जीतने में कामयाब रहेगी। उधर कांग्रेस एवं उसके नेता इस बार परिणाम चौंकाने वाले आने का दावा कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेता इस बार मोदी लहर का असर नहीं होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर दी जा रही है और कांग्रेस आधे से भी ज्यादा सीटें जीतने जा रही है।

राजस्थान में हुए पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक दस बार अधिक सीटें जीतकर कांग्रेस ने अपना राजनीतिक दबदबा रखा लेकिन जबसे प्रतिद्वंद्वी के रुप में उसके सामने आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गत नौ लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक पांच बार ज्यादा सीटें जीतकर न केवल राजनीतिक दबदबा कायम किया बल्कि सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी पच्चीस सीटें जीतने के बाद वह इस बार हैट्रिक पर खड़ी है।

प्रदेश में कांग्रेस लोकसभा के पहले चुनाव वर्ष 1952 से लेकर 1971 तक पांच चुनावों में लगातार ज्यादा सीटें जीत कर अपना राजनीतिक दबदबा कायम किया लेकिन जून 1975 में देश में लगे आपातकाल के बाद हुए वर्ष 1977 की छठी लोकसभा के चुनाव में प्रदेश में जनता कांग्रेस को पसंद नहीं किया और उसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा और केवल नागौर से उसके वरिष्ठ नेता नाथूराम मिर्धा ही चुनाव जीत सके। इस

चुनाव में जनता पार्टी को जबरदस्त लोगों का समर्थन मिला और उसने प्रदेश की 25 में से 24 सीटें जीतकर प्रदेश में अपना परचम पहराया।

पहले लोकसभा से पांचवें चुनाव तक कांग्रेस के सामने कोई राजनीतिक पार्टी नहीं टिक पाई लेकिन पहले चुनाव में छह निर्दलीयों के साथ तीन आरआरपी एवं केएलपी के एक उम्मीदवार ने भी जीत दर्ज की। इसी तरह वर्ष 1967 में स्वतंत्र पार्टी ने आठ सीटें जीती जबकि जनसंघ ने तीन सीटों पर कब्जा जमाया। इसी तरह वर्ष 1971 एवं 1980 में भी जनसंघ चार-चार सीटें जीती।

कांग्रेस ने वर्ष 1977 के चुनाव में मात खाने के बाद वर्ष 1980 में हुए सातवें लोकसभा चुनाव में फिर वापसी करते हुए सर्वाधिक 18 सीटें जीतकर फिर अपना राजनीतिक दबदबा कायम किया और इसके अगले ही वर्ष 1984 में आठवें लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जनता में उपजी सहानुभूति लहर का पूरा फायदा मिला और वह पहली बार प्रदेश की सभी सीटें जीतने में कामयाब रही। हालांकि वह इसके अगले ही चुनाव वर्ष 1989 में हुए नौवें लोकसभा चुनाव में भाजपा एवं जनता दल के गठबंधन के आगे बुरी तरह मात खाई और उसे सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इसमें भाजपा ने 13 एवं जनता दल ने 11 सीटें जीती जबकि एक सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार ने जीती। इसके बाद वर्ष 1991 के दसवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 13 सीटें जीतकर कांग्रेस ने फिर अपनी साख कायम करने में सफल रही जबकि भाजपा ने 12 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी बरकरार रखी। वर्ष 1996 के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों ने 12-12 सीटें जीतकर बराबर पर रही जबकि एक सीट एआईआईसी (टी) ने जीती। इसके बाद वर्ष 1998 में हुए चुनाव में कांग्रेस ने फिर दम दिखाते हुए 18 सीटें जीती जबकि भाजपा को केवल पांच सीटें जीतकर ही संतोष करना पड़ा। वर्ष 1999 में हुए 13वीं लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सर्वाधिक 16 सीटें जीती जबकि कांग्रेस ने नौ सीटें जीती। इसके बाद वर्ष 2004 के 14वीं लोकसभा के चुनाव में भाजपा ने फिर बाजी मारते हुए 21 सीटें जीती जबकि कांग्रेस को केवल चार सीटों पर संतोष करना पड़ा।

वर्ष 2009 में कांग्रेस ने 20 सीटें जीतकर फिर अपना दबदबा कायम किया जबकि भाजपा ने चार एवं एक निर्दलीय ने जीत दर्ज की। इसके बाद वर्ष 2014 एवं 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार दो बार सभी सीटें जीतकर अपना जोरदार राजनीतिक दबदबा कायम किया और इस बार वह हैट्रिक पर हैं।

पुष्कर सरोवर में डूबने से युवक की मौत

अजमेर,31 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर के पवित्र सरोवर में डूबने से शुक्रवार को एक युवक की मौत हो गयी।

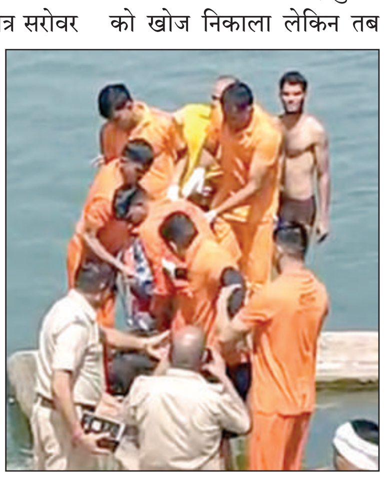

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनगढ़ में हाउसिंग बोर्ड राजा रेड्डी कालोनी निवासी जीतेंद्र रैगर अपने तीन दोस्तों के साथ आज सुबह पुष्कर पहुंचा।

पुष्कर सरोवर में नहाने के दौरान हाथ में पकड़ी रस्सी से छूट जाने के चलते गहरे पानी में चला गया। दो घंटों तक दोस्तों, अन्यों एवं तीर्थ पुरोहितों ने कोशिश की, सफलता नहीं मिलने पर पुष्कर थानापुलिस, सिविल डिफेंस तथा एसडीआरएफ को बुलवाया गया। पवित्र सरोवर के बावरी घाट पर घटी इस घटना में युवक 30 फुट गहरे पानी में चला गया। एसडीआरएफ दल ने दो घंटे की मशक्कत के बाद युवक को खोज निकाला लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि मृतक का एक जून को जन्मदिन था। उसे शनिवार को छुट्टी नहीं होने से आज ही दोस्तों के साथ पुष्कर का कार्यक्रम बना लिया। आज ही वापस किशनगढ़ लौटना था, लेकिन अब जितेंद्र रैगर का शव पुष्कर लौटेगा। पुष्कर थाना पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता में राजस्थान देश में अव्वल

जयपुर,31 मई (एजेंसियां)।
निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सोशल मीडिया रैंकिंग में राजस्थान एवं झारखंड ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। आयोग द्वारा देशभर में सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर यह रैंकिंग जारी गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी है। श्री गुप्ता ने बताया कि आयोग द्वारा गत अप्रैल में सोशल मीडिया के प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग में राजस्थान और झारखंड ने संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया है। सीईओ राजस्थान के एक्स, इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब अकाउंट्स पर अप्रैल में करीब 11 लाख इम्प्रेशन मिले हैं। सबसे अधिक 6.83 लाख इम्प्रेशन एक्स पर मिले हैं। इस दौरान एक्स पर पोस्टिंग 240 फीसदी तक बढ़ाई गई। इम्प्रेशन भी 188 फीसदी बढ़ गए। एक्स, इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब अकाउंट्स पर 66 हजार 700 से अधिक फॉलोवर थे और अप्रैल में इनकी संख्या 3400 बढ़ गई।

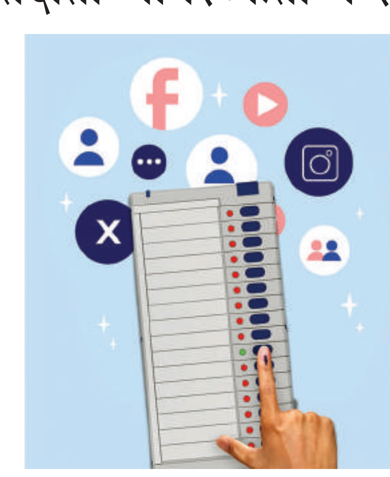

उन्होंने बताया कि लोकसभा आम चुनाव के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई गई। सीईओ राजस्थान के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रीजनल कंटेंट को मोटिवेशनल स्लोग्नस के साथ पोस्ट किया गया। मतदान प्रक्रिया सहित सभी अन्य आवश्यक जानकारी को मतदाताओं तक पहुंचाया गया। राज्य में मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विशेष 'मीम' सीरीज भी चलाई गई। सोशल मीडिया पर पोस्ट के लिए विशेष एसओपी बनाकर जिला स्तर तक भेजी गई। साथ ही, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए हैशटैग के साथ पोस्ट किए गए। इसमें सी-विजिल, वीएचए, केवाईसी, सक्षम, सुविधा एप और मतदान के लिए निर्धारित वैकल्पिक दस्तावेज, मतदान दिवस एवं समय सहित अन्य जागरुकता गतिविधियों से जुड़ी पोस्ट्स की गई।

गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के सोशल मीडिया हैंडल्स की 500 से अधिक पोस्ट को राजस्थान के हैंडल्स पर पुनः प्रभावी तरीके से रीपोस्ट किया गया। निर्वाचन विभाग के सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अप्रैल माह में दोनों चरणों के मतदान के दौरान करीब 500 क्रिएटिव डिजाइन सहित लगभग 2500 पोस्ट की गईं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सीईओ राजस्थान के हैंडल पर पोस्ट किए गए कई क्रिएटिव डिजाइन, ग्राफिक और फोटोग्राफ्स को भारत निर्वाचन आयोग के हैंडल्स ने भी रिपोस्ट किया।

सोशल मीडिया पर रैंकिंग में झारखंड एवं राजस्थान संयुक्त रूप से पहले स्थान पर जबकि कर्नाटक दूसरे, उत्तराखंड तीसरे, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब संयुक्त रूप से चौथे, मध्य प्रदेश पांचवें, बिहार एवं केरल संयुक्त रूप से से छठें, आंध्र प्रदेश सातवें, गुजरात एवं ओडिशा संयुक्त रूप से आठवें, पश्चिम बंगाल एवं चंडीगढ़ संयुक्त रूप से नौवे तथा त्रिपुरा दसवें स्थान पर रहा।

राज्य के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (डीआईपीआर) की सोशल मीडिया सेल ने आयोग के निर्देशों को आम मतदाता तक पहुंचाने के लिए करीब 500 क्रिएटिव, ग्राफिक, इन्फोग्राफिक, वीडियो, रील आदि तैयार किए। इसके अलावा मतदान दिवसों के दौरान आकर्षक, प्रेरणादायी और महत्व-पूर्ण तस्वीरों को भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया।

लॉरेंस गैंग ने चावल व्यापारी से मांगी एक करोड़ की फिरौती

आरोपी ने भानू राणा बताया अपना नाम, दी धमकी

करनाल,31 मई (एजेंसियां)।
लॉरेंस बिश्नोई गैंग का अपने आपको सदस्य बताने वाले एक व्यक्ति ने अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से शहर के एक चावल व्यापारी से एक करोड़ की फिरौती मांगी है। वहीं फिरौती की रकम न देने पर उसके व उसके परिवार के सदस्यों को सात दिनों में जान से मारने की धमकी भी दी है। कॉल के बाद व्यापारी का पूरा परिवार में डर का माहौल है। व्यापारी ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-13 निवासी अमरीक सिंह ने सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह चावल का दलाल का काम करता है। 11 मई की सुबह लगभग साढ़े 10 बजे अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर से एक व्हाट्सएप कॉल आई और कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम भानु राणा बताया और अपने आपको लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया। आरोपी ने उससे एक करोड़ रुपये की फिरौती मांग की है।

ऐसा न करने पर वह सात दिनों के भीतर उसके या उसके परिवार के सदस्यों को गोली मार देगा, जो घर या कार्यालय में उपस्थित होंगे। इसके बाद 18 मई को सुबह करीब साढ़े 10 बजे उसके मोबाइल नंबर पर एक अन्य नंबर से अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप कॉल प्राप्त हुई और उस समय वह अपने कार्यालय में मौजूद नहीं था तो उसका फोन एक कर्मचारी ने उठा लिया।

कॉल करने वाले व्यक्ति ने फिर से एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की और जब स्टाफ सदस्यों ने बताया कि अमरीक सिंह घर पर मौजूद नहीं है तो उसने कहा कि उसे बता देना कि भानू राणा का फोन आया था। अमरीक सिंह को एक करोड़ रुपये देने होंगे और नहीं तो उसका समय पूरा हो गया है। आरोपी ने धमकी दी है कि वह अमरीक सिंह और उसके परिवार के सदस्यों या कार्यालय में मौजूद किसी भी व्यक्ति को किसी भी समय गोली मार देगा। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत देकर उसकी जान, माल की सुरक्षा करने की गुहार लगाई है।

राजस्थान में साइबर ठगी के मामले में 25 बदमाश गिरफ्तार

अलवर,31 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान के खैरथल तिजारा जिले में पुलिस ने साइबर फ्रॉड के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले दो दिनों में 25 बदमाशों को गिरफ्तार कर 38 मोबाइल बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार चौधरी के नेतृत्व में पिछले दो दिनों से 10 पुलिस की टीम में साइबर फ्रॉड में लिप्त शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में लगी हुई थी। चौधरी ने बताया कि साइबर फ्रॉड में लिप्त बदमाश या तो टटलू बाजी का धंधा छोड़ दें या फिर गांव छोड़ दें उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने इस मामले में कुल 38 मोबाइल, एक बोलेरो गाड़ी, क्रेटा कार और 7 मोटरसाइकिलें जब्त की है।

उन्होंने बताया कि 30-मई को ग्राम रावका एवं एवं मेदावास थाना किशनगढबास के खेतों में अलग-2 दो जगहो पर नौ व्यक्तियो द्वारा झुण्ड बनाकर बैठकर ऑनलाइन ठगी कर लोगों से धोखाधड़ी कर पैसे ऑनलाइन लेने का पुलिस में मामला दर्ज कराया गया था। इस घटना क्रम में 10 मोबाइल, 1 हुण्डाई क्रेटा गाडी उपयोग में लेने पर प्रकरण में पुलिस ने मौसम और मौसमदीन मेव, सुनील कुमार मेघवाल, आसिफ उर्फ पिटी उर्फ अप्पा मेव, सोनू प्रजापत, दीपक, सोमदेव प्रजापत, जुल्फान मेव, ताहिर मेव, सैकुल मेव, शरीफ उर्फ शरी पुत्र अली मोहम्मद मेव को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व 29 मई को 16 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया था।

डाडम के खनन कारोबारी वेदपाल तंवर को ईडी ने हिरासत में लिया

नोटिस पर जवाब देने गए थे दिल्ली

भिवानी,31 मई (एजेंसियां)।
भिवानी के गांव छपार निवासी व डाडम के बड़े खनन व्यापारी वेदपाल तंवर को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने दिल्ली में हिरासत में लिया है। वेदपाल तंवर का भिवानी के डाडम में खनन का बड़ा कारोबारी था। सूत्रों के अनुसार वेदवाल तंवर ईडी के नोटिस का जवाब देने दिल्ली गए थे, मगर ईडी ने उसी दौरान ही वेदपाल तंवर को हिरासत में ले लिया।

करीब 9 माह पहले 3 अगस्त 2023 को वेदपाल तंवर के हिसार के सेक्टर 15 स्थित आवास पर ईडी ने छापा मारा था। इस दौरान ईडी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले थे। इन दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों की हेराफेरी का आरोप था। इसके बाद ईडी ने नोटिस जारी कर कई बिंदुओं पर वेदपाल तंवर से जवाब मांगा था। ईडी के जबाब देने में देरी के कारण भी उनको हिरासत में ले लिया।

लूटपाट के आरोपी ने पेशी के दौरान कोर्ट की चौथी मंजिल से कूदकर दी जान, श्रमिकों पर किया था हमला

पानीपत,31 मई (एजेंसियां)।
प्रवासियों के साथ मारपीट कर लूटपाट करने के आरोपी ने कोर्ट में पेशी के दौरान पानीपत कोर्ट की चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी ने सब इंस्पेक्टर से हाथ छुड़ाकर छलांग लगाई। इसको एसआई ने पकड़ने का भी किया लेकिन उसके हाथ से आरोपी का हाथ फिसल गया। नीचे गिरने से ही आर-ोपी की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी सतीश वत्स, डीएसपी सुरेश सैनी, तहसील कैंप पुलिस थाना प्रभारी व शहर थाना पुलिस प्रभारी जिला नागारिक अस्पताल में पहुंचे। शव को जिला नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। मृतक युवक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

सेक्टर 29 थाना पुलिस ने वीरवार रात को गुप्त सूचना पर लूटपाट के आरोपी सौंदापुर निवासी सौरव को गिरफ्तार कर लिया था। सेक्टर 29 पुलिस थाना के एसआई संदीप ने शुक्रवार को जिला नागरिक अस्पताल में उसका पूरा मेडिकल प्रशिक्षण कराया। डॉ. जैसमीन के फिट घोषित करने के बाद उसे कोर्ट की चौथी मंजिल स्थित एडीजे आरके मेहता की कोर्ट में पेश किया। इसके बाद सौरव को कोर्ट से बाहर लाया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे ।
शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह
आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह-शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज सुबह माता-पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा । मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूं का भूसा खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी । जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी।
शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज आप को मनोबल बढाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
अपने कारोबार को बढाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी । परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए । नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें । आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल-दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा । साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देंगी।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 01 जून 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रात: 07:26 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 03:16 तक
योग : प्रीति दोपहर 03:09 तक
करण : गर प्रात: 07:26 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 06:16 से उत्तर रात्रि 05:05 तक , पंचक चालू है , गण्डमूल उत्तर रात्रि 03:16 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजद प्रवक्ता का बड़ा आरोप, बोले–

राजभवन में ईवीएम हैकर ठहरे हैं

पटना (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने बड़ा आर-ोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि राजभवन में दो ईवीएम हैकर ठहरे हैं।

इतना ही नहीं शक्ति यादव के पोस्ट को आगे बढ़ाते हुए राजद के आईटी सेल के इंचार्ज नीतेश कार्तिकेन ने एक और पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा कि भारत के गृह मंत्री अमित शाह के इशारों पर राजभवन पटना में दो ईवीएम हैकरों को रुकवाया गया है।

इस पोस्ट के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर भड़क गए। इसके बाद राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल. चोंग्थू ने आर्थिक अपराध इकाई से इसकी शिकायत कर दी।

प्रधान सचिव ने कहा कि यह पोस्ट भ्रामक और तथ्यहीन हैं। यह राजभवन को बदनाम करने की साजिश है। इसके बाद ईओयू ने इस मामले को गंभीरता से लिया। फौरन एसआईटी का गठन किया है।

टीम में जांच के बाद नीतेश कार्तिकेन पर केस दर्ज कर लिया। अब केस दर्ज होने के बाद नीतेश ने फिर से पोस्ट किया है। उसने लिखा कि राज्यपाल ने हमारे ऊपर केस दर्ज किया है। अगर कोई चर्चा चौक-चौराहों पर मत मूल्यवान है अगर कोई चर्चा चौक चौराहों पर मत के साथ छेड़छाड़ कि होने लगे तो सहज प्रहरी होने के नाते लोकतांत्रिक मूल्य एवम मौलिक अधिकार की रक्षा हेतु सवाल को जनता के बीच में रखना एक नागरिक के तौर पर नैतिक जिम्मेदारी है। सत्य और असत्य कि पहचान करना शासन कि जिम्मेवारी है। कर्तव्य के निर्वहन करने के बजाय प्राथमिकी की धमकी भरा पत्र पत्राचार करना एक संदेह को और जन्म देता है, पर सत्य तो सत्य ही होता है न? ये बिहार है लोग यहां के सजग हैं नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन अगर करते हैं तो किसी तरह के दवाब से निपटने का जज्बा भी रखते हैं, चुकी मैं बिहारी हूं , हम तो कर्तव्य निभायेंगे जी।

चर्चा है कि दो संदिग्ध व्यक्ति जिसका नाम पी कश्यप और डॉ. एमके भाई है। यह दोनों व्यक्ति राजभवन में ठहरा हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री ही यहां के गृह मंत्री हैं, अब ऐसे में नीतीश कुमार जी को जवाब देना चाहिए कि राज्य भवन में ये दोनों व्यक्ति किस हैसियत से ठहरा हुआ है। क्या ये कोई आईएएस है या कोई विभाग का अधिकारी हैं?

इसका जवाब मुख्यमंत्री देंगे या चुनाव आयोग देगा? सूचना यह भी है कि यह दोनों व्यक्ति ईवीएम मशीनों की हैकिंग के विशेषज्ञ हैं। एक जून को पटना के नजदीक पाटलिपुत्र और पटना साहिब लोक सभा में वोटिंग होनी है, ऐसे में कैसे कोई संदिग्ध व्यक्ति राज्य भवन में ठहर सकता है?

लड़कियों से छेड़खानी को लेकर दो गांव के बीच भिड़ंत

सीवान में पुलिस टीम पर हमला, दरोगा समेत छह घायल

पटना (एजेंसियां)।
सीवान में पुलिस टीम पर हमला हुआ है। इसमें दरोगा समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना जीबी नहर तरवारा थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एव उड़ियान टोला गांव की है। बताया जा रहा है कि एक गांव की कुछ लड़कियों पर पड़ोसी गांव के कुछ लड़के फब्तियां कसते थे। विरोध करने पर छेड़खानी भी करते थे। इसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया।

देखते ही देखते यह विवाद बढ़ गया। दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले। इसमें पांच लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं पुलिस जब इन लोगों को समझाने गई तो इन लोगों ने पुलिस पर भी पथराव कर दिया।

पथराव में दरोगा अविनाश कुमार घायल हो गए। इसके बाद वरीय पदाधिकारी के आदेश पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। पुलिस बल को देखते ही उपद्रवी फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीवान एसपी अमितेश कुमार ने बताया कि दो गांव के झगड़े की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। ग्रामीणों में हमले में एक दरोगा घायल हो गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। अभी स्थिति नियंत्रण में हैं।

बताया जा रहा है कि जीबी नहर तरवारा थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एवं उड़ियान टोला गांव में गुरुवार को खूब चले ईंट-पत्थर चलने लगे। एक गांव के लोगों का आरोप है कि जब भी कोई लड़कियां इस गांव उधर जाती हैं तो कुछ लड़के उनपर फब्तियां कसते रहते हैं और छेड़खानी करते हैं। इसकी शिकायत जब लड़कियों ने घर आकर अपने परिजनों से कि तो उनलोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस द्वारा कोई कदम नही उठाया गया। तभी जैसे ही दूसरे गांव के लड़के इन गांव में पहुंचे तो ग्रामीणों ने हमला कर दिया। दोनों ओर से मारपीट होने लगी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। दोनों ओर से ईंट-पत्थर चले लगे। इसमें दोनों ओर से पांच लोग घायल हो गए।

पटना में ट्रक ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला, विरोध में लोगों ने किया जमकर हंगामा

पटना (एजेंसियां)।
पटना के नेउरा में शुक्रवार को एक ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना से नाराज लोगों ने पटना-बिहटा मार्ग को जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोग मुआवजा की मांग करने लगे।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर कई थाना की पुलिस पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करने का प्रयास करने लगे। इस बीच गुस्साए लोगों और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक विवाद होता रहा। बाद में पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दी है और मामले की छानबीन शुरू कर दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए नेउरा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मौके से फरार हुए ट्रक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि सुरैया निवासी सोहन कुमार (32) अपनी मां कांति देवी के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव से पटना जा रहे थे। नेउरागंज के नजदीक पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने दोनों को कुचल डाला। इस हादसा में दोनों मां-बेटे की मौत मौके पर ही हो गई। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण उग्र हो गए और सड़क पर उतर आए। ग्रामीणों ने पटना-बिहटा मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोग स्थानीय थाना और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगा रहे थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस मार्ग पर गाड़ी की रफ्तार काफी तेज होती है, जिस पर अंकुश लगाने में प्रशासन पूरी तरह असफल साबित हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग के दोनों तरफ काफी घनी आबादी है। लोग इस मार्ग से आवागमन करते हैं और ऐसे में तेज रफ्तार गाड़ियों के शिकार आए दिन ग्रामीण हुआ करते हैं। ग्रामीणों ने घटना में मृतक मां-बेटे के परिजनों को मुआवजा की मांग की है।

सहरसा में स्कूल जा रहे शिक्षक की गोली मार कर हत्या

तथाकथित पत्नी ने परिजनों पर लगाया आरोप

सहरसा (एजेंसियां)।
बिहार के सहरसा में शुक्रवार को स्कूल जा रहे एक शिक्षक की गोली मार हत्या कर दी गई। गोली शिक्षक के पंजरे में लगी है। मृतक की तथाकथित पत्नी ने गोली मारे जाने के पीछे घर में जमीन को लेकर भाई, बहन और माता-पिता के बीच विवाद को कारण बताया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया व हत्या के कारणों की जांच में जुट गई है। मृत शिक्षक की पहचान बरियाही बाजार के स्थायी निवासी सरोज कुमार (45) के तौर पर हुई है।

जानकारी के मुताबिक, शिक्षक सरोज कुमार पिछले कुछ दिनों से सहरसा शहर के पंचवटी स्थित एक किराए के घर में तथाकथित पत्नी के साथ रहता था। सरोज गांधी पथ पर घर का निर्माण भी करा रहा था। शुक्रवार की सुबह सरोज अपनी पत्नी को गांधी पथ के प्लॉट पर पहुंचाकर बाइक से बरियाही के सफावाद स्थित मिडल स्कूल जा रहा था। रहुआ नहर पहुंचते ही वहां पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर दो फायर कर दिए, गोली लगते ही घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता बाल मुकुंद गुप्ता ने बताया कि सरोज की अभी शादी ही नहीं हुई है। वह रूपा के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहता था।

मृतक की तथाकथित पत्नी रूपा ने बताया कि वह भी शिक्षिका है। उनके पति रोज की तरह शुक्रवार की सुबह भी स्कूल जा रहे थे। रूपा ने बताया कि सरोज प्रत्येक दिन स्कूल पहुंचने के साथ ही उन्हें फोन कर स्कूल पहुंचने की जानकारी देते थे। लेकिन आज कोई फोन नहीं आने के बाद उसने इधर से ही कॉल किया तो किसी दूसरे व्यक्ति ने फोन उठाया और कहा कि सरोज का एक्सीडेंट हो गया है। जब घटनास्थल पर पहुंची तो देखा कि सरोज के पंजरे में गोली लगी है और उसकी बॉडी सड़क पर पड़ी है। रूपा ने बताया कि सरोज के घर में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। भाई, बहन और माता-पिता सब से दुश्मनी थी। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि घर वालों ने ही हत्या करवाई है।

थानाध्यक्ष श्रीराम सिंह ने बताया कि आज सुबह साढ़े छह बजे सरोज कुमार अपनी पत्नी को स्कूल छोड़कर खुद बरियाही स्कूल जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पत्नी का फर्द बयान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जमीनी विवाद में हत्या की बात कही जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामा ने भांजे पर दागी गोली अवैध संबंध को लेकर की जान लेने की कोशिश

मधेपुरा (एजेंसियां)।
बिहार के मधेपुरा के अरार थाना क्षेत्र के बभनगामा महेश गांव में गुरुवार की रात पुराने विवाद को लेकर एक युवक को गोली मार कर घायल कर दिया गया।

घायल युवक की पहचान बभनगामा महेश निवासी माधो शर्मा के बेटे रवि शर्मा के रूप में हुई है। फिलहाल उसका इलाज मधेपुरा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

परिजनों ने बताया कि गुरुवार की रात लगभग आठ बजे रवि सब्जी लेकर बाजार से घर जा रहा था। बभनगामा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पीछे पहले से घात लगाए लालो शर्मा ने उसके पेट में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। तब तक आरोपी भाग चुका था। परिजनों ने घायल युवक को ग्वालपाड़ा पीएचसी में भर्ती कराया।

जहां उसकी स्थिति नाजुक देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज से भी हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उसके बाद परिजनों ने उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ऑपरेशन कर गोली बाहर निकाल दी गई है। हालांकि उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, घायल युवक रवि शर्मा लालो शर्मा का भांजा है। बताया जा रहा है कि रवि शर्मा का लालो शर्मा की पत्नी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पूर्व वह लालो शर्मा की पत्नी को लेकर फरार हो गया था, जिसके कारण दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर गुरुवार की रात लालो शर्मा ने उसको गोली मार दी। घटना के बाद अरार थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बिहार का मौसम : दो दिनों में लू ने ली 73 लोगों की जान, बाहर निकले लोग नहीं पहुंच सके अस्पताल

पटना (एजेंसियां)।
पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, बेगूसराय समेत कई जिलों में गुरुवार की रात या तो बारिश हुई या इसके कारण हवा में ठंडक आई; लेकिन इससे पहले बुधवार सुबह से गुरुवार शाम तक सड़क, बस स्टैंड, स्टेशन पर चलते-टहलते या मतदान की तैयारी कर रहे लोगों की मौतों की संख्या 73 पहुंच गई। गुरुवार को औरंगाबाद में सर्वाधिक 15 मौतें हुईं। इसके बाद पटना में 11 मौतों की खबर सामने आयी। भोजपुर में पांच मतदानकर्मियों सहित 10 की मौत हुई, जबकि रोहतास में आठ, कैमूर में पांच, गया में चार, मुजफ्फरपुर में दो के अलावा बेगूसराय, जमुई, बरबीघा और सारण में एक-एक व्यक्ति की ऐसे ही चलते-फिरते मौत होने की जानकारी आई। गुरुवार को हुई 59 मौतों और बुधवार को हुई 14 मौतों के साथ बिहार में भीषण गर्मी से मरने वालों की संख्या 73 हो गई है। चूंकि ज्यादातर लोगों का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा रहा है, इसलिए प्रशासनिक तौर पर लू से मौत की पुष्टि नहीं की जा रही है।

बिहार में बुधवार को करीब साढ़े तीन सौ बच्चे और शिक्षक स्कूलों में लू के कारण बेहोश हुए तो राज्य सरकार ने शाम छह बजे जाकर घोषणा की कि गुरुवार से आठ जून तक स्कूल बंद रहेंगे। गुरुवार को स्कूल खुले, बच्चों को लौटा दिया गया लेकिन शिक्षकों को दोपहर बाद डेढ़ बजे तक बैठाए रखा गया। इधर, लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान को लेकर तैयारियों में जो लोग लगे थे- संकट उनपर भी रहा। रोहतास में मतदान ड्यूटी वाले दो शिक्षकों की मौत की खबर आई। भोजपुर में एकमुश्त पांच मतदानकर्मियों की मौत हो गई। मतदान में लगे या सरकारी ड्यूटी के दौरान इस तरह जान गंवाने वालों को भी मुआवजा दिए जाते समय मौत की वजह का प्रमाण देना होगा, लेकिन हकीकत यह है कि दो दिनों के अंदर सड़क पर, बस स्टैंड, स्टेशन आदि में चलते-टहलते मरने वालों की न तो मौत की प्रशासनिक पुष्टि की जा रही है और न कोई अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा हुई है।

बिहार में बुधवार को 14 मौतों के बावजूद गुरुवार को जो लोग सड़कों पर निकले, उनकी मौतों का पैटर्न देखकर डरना स्वाभाविक है। गुरुवार को पटना में जिन 11 लोगों की मौतें हुईं, उसका रूप डरा रहा है। जेपी सेतु पर हाइवा चालक ने दम तोड़ दिया। दीघा में 65 साल की महिला ने देखते-देखते दुनिया छोड़ गई। बाढ़ स्टेशन पर उत्तर प्रदेश निवासी महिला की मौत हो गई। दाना-पुर जंक्शन पर दो की जान इसी तरह चली गई। मोकामा स्टेशन पर अचेत हुआ युवक अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद दुनिया छोड़ गया। घोसवरी में भी बाहर निकले बुजुर्ग की जान चली गई। मसौढ़ी में भी लोग लोग इसी तरह से असमय दुनिया छोड़ गए। पटना के एम्स में राज्य बीमा निगम के एक कर्मचारी सुनील कुमार की मौत की पुष्टि की गई, जो पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में एक जून को होने वाले मतदान की ड्यूटी पर थे। मतदान सामग्री लेकर पो-लिंग पार्टी के साथ जाते समय उनकी तबीयत बिगड़ी और प्राइवेट अस्पताल में प्राथमिक चिकित्सा के बाद एम्स पहुंचने तक उनकी मौत हो गई। इन 10 के अलावा एक अज्ञात मौत की भी पटना में सूचना आयी।

गुरुवार की रात पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, बेगूसराय समेत कई जिलों में बारिश या ठंडी हवा से राहत मिली, लेकिन शुक्रवार की सुबह फिर धूप के साथ हुई है। इसलिए, खतरा टला नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र ने रात 10 बजे से एक बजे तक का अलर्ट दिया था और अब स्थिति पहले जैसी ही लगभग दिख रही है। शुक्रवार को सर्वाधिक 47.1 डिग्री तापमान बक्सर में दर्ज किया गया था। औरंगाबाद में 46.1 डिग्री, डेहरी में 46 डिग्री, गया में 45.2 डिग्री, अरवल में 44.8 डिग्री और भोजपुर में अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री दर्ज किया गया था। पटना का अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री रहा था। उधर, मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग ने जो भविष्यवाणी की है, उसके अनुसार यह नियत तारीख 15 जून से एक-दो दिन पहले भी पहुंच सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com